हिन्दी दैनिक
प्रत्यूष नवबिहार
जोहार
रांची संस्करण
www.tezraftarlive.com
Email-navbiharjh@gmail.com
रांची, पटना और दिल्ली से प्रकाशित
रांची ● गुरुवार ● 18.06.2026 ● वर्ष : 16 ● अंक : 321 ● पृष्ठ : 12 ● मूल्य : 4 रुपये
RNI Regn.: JHAHIN/2011/40902

जी-7 मंच से पीएम की अपील : वैश्विक दक्षिण और छोटे देशों को मिले मजबूत आर्थिक सहयोग

एजेंसी

नयी दिल्ली : प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने जी-7 शिखर सम्मेलन के आउटरीच सत्र में वैश्विक दक्षिण और छोटे विकासशील देशों के हितों की जोरदार वकालत करते हुए अंतरराष्ट्रीय वित्तीय संस्थानों से ऐसे सहयोगी तंत्र विकसित करने की अपील की, जो उन्हें वैश्विक संकटों और सप्लाई चेन में आने वाली बाधाओं का सामना करने में मदद कर सकें। उन्होंने कहा कि पश्चिम एशिया में जारी संकट का असर ईंधन, खाद और खाद्य आपूर्ति पर पड़ रहा है, जिसका सबसे अधिक प्रभाव विकासशील देशों पर पड़ता है।

फ्रांस की अध्यक्षता में आयोजित जी7 शिखर सम्मेलन के सत्र को संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि विकास केवल जीडीपी और व्यापार के आंकड़ों तक सीमित नहीं होना चाहिए। असली विकास वही है जो सभी वर्गों को साथ लेकर चले और लोगों के जीवन में सकारात्मक बदलाव लाए। उन्होंने कहा कि भारत का विकास मॉडल समावेशी विकास, लोकतांत्रिक सशक्तिकरण और बड़े पैमाने पर जनभागीदारी पर आधारित है, जो सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास और सबका प्रयास की भावना से प्रेरित है।

प्रधानमंत्री ने भारत-मध्य पूर्व-यूरोप आर्थिक कॉरिडोर की तर्ज पर अफ्रीका, लैटिन अमेरिका और प्रशांत द्वीपीय देशों के साथ नई संपर्क परियोजनाएं विकसित करने का सुझाव दिया। उन्होंने इंटरनेशनल मोबिलाइजेशन पार्टनरशिप फॉर एक्सेलरेटिंग कनेक्टिविटी एंड ट्रेड के गठन का प्रस्ताव रखते हुए कहा कि इसे जी7 की पूंजी, भारत की प्रतिभा और वैश्विक दक्षिण देशों की भागीदारी से मजबूत बनाया जा सकता है।

इसके साथ ही प्रधानमंत्री ने ग्लोबल स्किल्स पार्टनरशिप की आवश्यकता पर भी बल दिया। उन्होंने कहा कि कई विकसित देशों में आबादी तेजी से वृद्ध हो रही है, जबकि भारत और अन्य विकासशील देशों के पास युवा प्रतिभा और कुशल मानव संसाधन की बड़ी ताकत मौजूद है। ऐसे में कौशल विकास और भरोसेमंद मानव संसाधन की वैश्विक साझेदारी सभी देशों के लिए लाभकारी साबित हो सकती है।

लेबनान में तुरंत हो सीजफायरः जी-7 देशों ने एक सुर में उठाई आवाज, फ्रांस में जारी हुआ संयुक्त बयान

फ्रांस में चल रहे जी7 समिट (शिखर सम्मेलन) के आखिरी दिन बुधवार सुबह एक बेहद अहम बैठक हुई, जिसके बाद सभी सदस्य देशों की तरफ से एक ज्वाइंट स्टेटमेंट (संयुक्त बयान) जारी किया गया। इस साझा बयान में जी7 देशों ने लेबनान में जारी हिंसा को तुरंत रोकने और वहां सीजफायर (युद्धविराम) लागू करने की पुरजोर मांग की है। जारी किए गए संयुक्त बयान में कहा गया है कि हम लेबनान में तुरंत और मजबूत सीजफायर की मांग करते हैं। इसके साथ ही हम लेबनान की लीडरशिप (नेतृत्व) की उन कोशिशों का पूरा समर्थन करते हैं, जिनका मकसद हिज्बुल्लाह को वेपन फ्री (हथियार मुक्त) करना, हथियारों पर सरकार की मोनोपॉली (एकछत्र अधिकार) स्थापित करना और अंतरराष्ट्रीय सुरक्षा की गारंटी के साथ देश की अखंडता व संप्रभुता की रक्षा करना है।

सीजफायर की अपील के बीच भी हमला

एक तरफ जहाँ फ्रांस में दुनिया के बड़े नेता इस संकट का हल निकालने के लिए जुटे हुए थे, वहीं दूसरी तरफ इजरायल ने साउथ लेबनान (दक्षिणी लेबनान) पर फिर से हमला कर दिया। इस ताजा हमले में चार लोगों के मारे जाने की पुष्टि हुई है। यह हमला ठीक उसी समय हुआ जब जी7 के प्रमुख देश फ्रांस में बैठक कर रहे हैं।

पीएम मोदी और ट्रंप की मुलाकात पर रही नजरें

इस हाई-प्रोफाइल बैठक में अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप भी मौजूद रहे। समिट के दौरान भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की मुलाकात ने खूब सुर्खियां बटोरीं। इस बैठक से पहले पीएम मोदी ने साफ कहा था कि मिडिल ईस्ट (मध्य पूर्व) संकट का लंबे समय तक ग्लोबल साउथ पर असर रहेगा और इसका एक स्थायी समाधान खोजा जाना बेहद जरूरी है।

अंतरराष्ट्रीय स्तर पर फैसलों का स्वागत

कनाडा के पीएम मार्क कार्नी ने इस स्थिति पर बात करते हुए मिडिल ईस्ट में तनाव खत्म करने के लिए अमेरिका और ईरान के बीच चल रही बातचीत को एक 'गेमचेंजर' (परिस्थिति बदलने वाला) कदम बताया है। दूसरी तरफ, नाटो के सचिव जनरल मार्क रुटे ने भी मिडिल ईस्ट में तनाव कम करने के प्रयासों का स्वागत किया है। उन्होंने एक प्रेस ब्रीफिंग में कहा कि हॉर्मुज को फिर से खोलने की योजना आने वाले समय में एक बहुत बड़ा कदम साबित होगी।

रांची में संघ कार्यालय पर फेंका गया पेट्रोल बम

रक्षा राज्यमंत्री संजय सेठ बोले- बड़ी साजिश का संकेत

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : झारखंड की राजधानी रांची के चुटिया थाना के निवारणपुर स्थित राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के कार्यालय पर मंगलवार देर रात पेट्रोल बम से हमला करने की कोशिश की गई है। पुलिस के अनुसार, दो अपराधियों ने सॉस की बोतल में पेट्रोल भरकर उन्हें आरएसएस दफ्तर के अंदर फेंकने की कोशिश की। दोनों बोतलें बाउंड्री से ठीक पहले गिर गईं, इसलिए बड़ी अनहोनी टल गई।

सिटी एसपी पारस राणा ने बताया कि घटना की जांच शुरू कर दी गई है। अब तक मिली जानकारी के अनुसार इस घटना में दो युवक

शामिल हैं। जांच में एफएसएल सहित कई टीमों को लगाया गया है। हाथे लगे सीसीटीवी फुटेज में दो हमलावर पेट्रोल भरी बोतलें आरएसएस कार्यालय पर फेंकने की कोशिश करते दिख रहे हैं। पहली बोतल फेंकते समय आग लगी हुई सुतली जमीन पर गिर गई। इस वजह से प्रयास निष्फल हो गया। दूसरी बोतल कार्यालय के पास तक नहीं पहुंची। उन्होंने कहा पेट्रोल बम तैयार करने में चिली सॉस की बोतल का प्रयोग किया गया।

ट्रैक्टरों ने ई रिक्शा सवारों को रौंदा, छह महिलाओं की मौत

बदायूं : उत्तर प्रदेश में बदायूं जिले के उझानी कोतवाली क्षेत्र में बुधवार दोपहर को हाइवे पर रेस लगा रहे ट्रैक्टरों ने एक ई-रिक्शा को अपनी चपेट में ले लिया। इस हादसे में ई रिक्शा सवार छह महिलाओं की मौत हो गई, जबकि तीन लोग घायल हुए हैं। घायलों को राजकीय मेडिकल कॉलेज में भर्ती कराया गया है। सूचना मिलते ही जिलाधिकारी अवनीश कुमार राय और एसएसपी अंकिता शर्मा भी घटनास्थल पर पहुंचे और हादसे की जानकारी ली। डीएम ने पूरे मामले की जांच के आदेश दिए है।

रामगढ़ : बस-ट्रक की भीषण टक्कर, महिला समेत कई घायल

रामगढ़ : गोला प्रखंड स्थित रिलायंस पेट्रोल पंप के समीप राष्ट्रीय राजमार्ग पर सोमवार शाम करीब चार बजे बस और ट्रक के बीच हुई भीषण आमने-सामने की टक्कर में कई यात्री घायल हो गए। हादसे में बस में सवार एक महिला और ट्रक चालक गंभीर रूप से जख्मी हो गए। दुर्घटना के बाद घटनास्थल पर अफरातफरी मच गई। जानकारी के अनुसार रामगढ़ से बोकारो जा रही अजय डीलक्स बस (JH02BN-5786) और बोकारो से रामगढ़ आ रहे ट्रक (OD16F-1518) के बीच जोरदार भिड़ंत हो गई।

राज्यसभा चुनावः किसकी होगी जीत? 81 विधायक करेंगे तय, फैसला आज

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : झारखंड की दो राज्यसभा सीटों के लिए 18 जून को होने वाले चुनाव को लेकर सियासी गतिविधियां तेज हो गई हैं। चुनाव मैदान में झामुमो के बैद्यनाथ राम, कांग्रेस के प्रणव झा और निर्दलीय उम्मीदवार परिमल नाथवानी अपनी किस्मत आजमा रहे हैं। पहली सीट पर बैद्यनाथ राम की स्थिति मजबूत मानी जा रही है, जबकि दूसरी सीट को लेकर राजनीतिक मुकाबला दिलचस्प हो गया है।

निर्दलीय उम्मीदवार परिमल नाथवानी को एनडीए का खुला समर्थन मिला है। भाजपा ने मतदान प्रक्रिया की निगरानी के लिए पूर्व मंत्री अमर कुमार बाउरी और भानु प्रताप शाही को पोलिंग एजेंट

नियुक्त किया है। राज्यसभा चुनाव से पहले एनडीए विधायक रांची के एक होटल में जुटे, जहां उन्हें मतदान प्रक्रिया की जानकारी दी गई और मॉक पोल भी कराया गया। भाजपा द्वारा जारी तस्वीर में प्रदेश अध्यक्ष आदित्य साहू समेत एनडीए के सभी 24 विधायक एकजुट नजर आए। पार्टी का दावा है कि परिमल नाथवानी की जीत सुनिश्चित है। हालांकि, जीत के लिए जरूरी अतिरिक्त समर्थन को लेकर राजनीतिक चर्चाएं जारी हैं। 18 जून को मतदान और मतगणना के साथ राज्यसभा चुनाव के इस सियासी मुकाबले पर से पर्दा उठ जाएगा और यह स्पष्ट हो जाएगा कि दूसरी सीट पर किस उम्मीदवार को सफलता मिलती है।

महागठबंधन को एकजुट रखने की चुनौती

सत्तारूढ़ महागठबंधन के पास कुल 56 विधायकों का समर्थन है, जिसमें झामुमो के 34, कांग्रेस के 16, राजद के 4 और माले के 2 विधायक शामिल हैं। ऐसे में झामुमो प्रत्याशी बैद्यनाथ राम की जीत लगभग तय मानी जा रही है। वहीं कांग्रेस उम्मीदवार प्रणव झा के लिए चुनौती यह है कि महागठबंधन के सभी वोट उनके पक्ष में एकजुट रहें। कांग्रेस ने दावा किया है कि दोनों राज्यसभा सीटें महागठबंधन के खाते में जाएंगी। पार्टी नेताओं ने एनडीए विधायकों के होटल में ठहरने को लेकर सवाल भी उठाए हैं। इधर भाजपा ने इन आरोपों को खारिज करते हुए कहा है कि महागठबंधन के विधायक भी होटल में मौजूद हैं।

यूएसए-ईरान समझौताः अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने ईरान को दी कड़ी चेतावनी, कहा

मांगें पूरी न होने पर की जाएगी सैन्य कार्रवाई

एजेंसी

एवियन : अमेरिका और ईरान के बीच हाल ही में हुए समझौते को लेकर वैश्विक स्तर पर कौतूहल बना हुआ है। इसी बीच, अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने ईरान को एक बार फिर बेहद सख्त लहजे में चेतावनी दी है। ट्रंप ने स्पष्ट किया है कि दोनों देशों के बीच हुआ समझौता अभी अंतिम नहीं है, बल्कि यह महज एक मेमोरेंडम ऑफ अंडरस्टैंडिंग यानी सहमति पत्र है। उन्होंने दो टूक शब्दों में कहा कि यदि ईरान ने तय शर्तों का पालन नहीं किया, तो अमेरिका दोबारा सैन्य कार्रवाई करने से पीछे नहीं हटेगा और उनके ठिकानों पर फिर से बम बरसाए जा सकते हैं। राष्ट्रपति के इस आक्रामक बयान से साफ संकेत मिलते हैं कि दोनों देशों के बीच का तनाव अभी पूरी तरह से खत्म नहीं हुआ है।

अमेरिकी राष्ट्रपति ने इस समझौते को बेहद मजबूत करार देते हुए कहा कि हालांकि इसकी पूरी जानकारी अभी सार्वजनिक नहीं है, लेकिन इस कूटनीतिक प्रगति से वैश्विक बाजारों में सकारात्मक संदेश गया है। उन्होंने उम्मीद जताई कि दुनिया के सबसे महत्वपूर्ण समुद्री व्यापार मार्गों में से एक, होर्मुज जलडमरूमध्य अगले एक-दो दिनों में पूरी तरह से खुल जाएगा। इससे वैश्विक ऊर्जा आपूर्ति और तेल बाजार को बड़ी राहत मिलने की उम्मीद है।

दूसरी ओर, ट्रंप ने उन तमाम खबरों को पूरी तरह से खारिज कर दिया जिनमें दावा किया जा रहा था कि इस समझौते के तहत अमेरिका ईरान के पुनर्निर्माण के लिए तीन सौ अरब डॉलर की आर्थिक सहायता या निवेश करेगा। उन्होंने साफ किया कि अमेरिका ईरान को कोई पुनर्निर्माण पैकेज या फंड नहीं देने जा रहा है। इसके साथ ही, उन्होंने खाड़ी देशों पर भी ईरान में निवेश करने के लिए कोई दबाव बनाने से इनकार किया। हालांकि, उन्होंने यह जरूर जोड़ा कि यदि कोई खाड़ी देश अपनी इच्छा से निवेश करना चाहता है तो अमेरिका को कोई आपत्ति नहीं होगी, लेकिन मौजूदा व्यवहार को देखते हुए फिलहाल वे भी ऐसा करने से बचेंगे।

इस दौरान ट्रंप ने साल दो हजार पंद्रह के ईरान परमाणु समझौते को लेकर पूर्व राष्ट्रपति बराक ओबामा पर भी तीखा निशाना साधा। फ्रांस में आयोजित जी-सात शिखर सम्मेलन के दौरान उन्होंने आरोप लगाया कि ओबामा प्रशासन ने समझौते के बदले ईरान को एक दशमलव सात अरब डॉलर की नकद राशि देकर रिश्वत देने की कोशिश की थी, जिसे एक बोइंग सात सौ सत्तावन विमान के जरिए भेजा गया था। ट्रंप का दावा है कि उस समय ईरान ने ओबामा प्रशासन को गंभीरता से नहीं लिया था, लेकिन मौजूदा अमेरिकी प्रशासन ईरान के प्रति पूरी तरह सतर्क रुख अपनाए हुए है।

एक नजर

जेएलकेएम नेता विजय साहु ने दसक्रमा में राशन देकर किया सहयोग

बड़कागांव : बड़कागांव प्रखंड अंतर्गत आंगो पचायत में मनिजर मुण्डा कि धर्म पत्नी चांदो देव का निधन 8 जून को लम्बे समय से बिमारी के कारण हो गया आपने पीछे तीन बच्चों और भरा पूरा परिवार को छोड़ गई। चांदो देवी के दसक्रमा के लिए जेएलकेएम केन्द्रीय महासचिव विजय साहू के द्वारा सहयोग किया गया जिसमें 50 किलो चावल एवं और आटा दिया गया जिसका वितरण आंगो पंचायत के पंचायत अध्यक्ष विश्वनाथ एवं सचिव जितेन्द्र कुमार के द्वारा किया गया मौके पर उपस्थित जोगेंद्र कुमार,महेश, जगदेव मुंडा, भूतन मुंडा, नरेश कुमार, महावीर महतो, जागेश्वर महतो, एवं ग्रामीण उपस्थित थे।

विकास सेवा समिति के अध्यक्ष अशोक कुमार को पितृ शोक

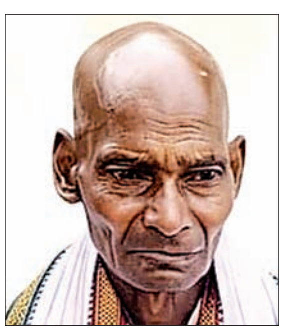

बड़कागांव : बड़कागांव में संचालित बचत स्वावलंबी विकास सेवा सहकारिता समिति के अध्यक्ष कांडतरी गांव निवासी अशोक कुमार के पिता 88 वर्षीय इंद्रनाथ महतो की आकस्मिक निधन बुधवार सुबह 9:00 हो गया । अंतिम संस्कार कांडतरी नदी श्मशान घाट में किया गया। मुखाग्नि छोटे पुत्र बनवारी महतो ने दिया। अंतिम संस्कार में विकास सेवा समिति के तमाम वरिष्ठ पदाधिकारी गण एवं प्रबुद्ध लोग शामिल हुए। इस दौरान लोगों ने 2 मिनट का मौन धारण कर उनकी आत्मा की शांति के लिए भगवान से प्रार्थना की। बताया जाता है कि इंद्रनाथ महतो शौच के लिए बाथरूम गए और वहीं गिर पड़े थे, माथा में चोट लगने के कारण उनकी मौत हो गई ।

इंद्रनाथ महतो अपने पीछे तीन पुत्र सुमेत भरापूरा परिवार छोड़ गए। शोक व्यक्त करने वालों में मुख्य रूप से जिला परिषद सदस्य सुनीता देवी, उप प्रमुख वचन देव कुमार, मुखिया संघ अध्यक्ष रंजीत, पुत्र किरण महतो, विकास सेवा समिति के सचिन बुद्धिनाथ महतो, प्रवीण कुमार,सिकंदर कुमार, देवेंद्र कुमार, विष्णु दयाल, विकास कुमार, अमलेश कुमार, धनुषधारी महतो ,हीरामन महतो समेत सैकड़ो लोगों ने शोक व्यक्त किया।

मुख्य चौक में 220 वोल्ट की बिजली तार गिरने से कई लोग बाल-बाल बचे

बड़कागांव : बिजली विभाग की लचर व्यवस्था के चलते बड़कागांव मुख्य चौक राजधानी वस्त्रालय के समीप 220 वोल्ट की बिजली तार अचानक टूटकर गिरने से दो महिलाएं एवं 4 बच्चे बाल- बाल बचे। मौके पर उपस्थित गमीणों ने बिजली विभाग को फोन के माध्यम से जानकारी देकर बिजली काटने की गुजारिश की, ताकि बड़ी घटना होने से बचा जा सके। ग्रामीणों ने बताया कि बिजली विभाग की यह लचर व्यवस्था के चलते बड़कागांव में कई बार घटनाएं घट चुकी है। इसलिए बिजली विभाग को जल्द से जल्द बड़कागांव मुख्य चौक में कवर तार लगाने की मांग की गई। मांग करने वालों में मुख्य रूप से समाजसेवी मनोज गुप्ता, अरुण मालाकार, महिपाल सोनी, रवि कुमार सिन्हा, रवि जायसवाल, आदि शामिल है।

विकास और जनकल्याण की उपलब्धियों को लेकर जनता के द्वार पहुंचे सांसद, दर्जन भर से अधिक गांवों का किया दौरा

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

बरही : भारतीय जनता पार्टी के संगठनात्मक कार्यक्रम के तहत हजारीबाग लोकसभा क्षेत्र के सांसद मनीष जायसवाल बीते दो दिनों से संसदीय क्षेत्र के विभिन्न विधानसभा क्षेत्रों के सघन प्रवास पर हैं। इस प्रवास का मुख्य उद्देश्य देश के यशस्वी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के बीते निरंतर 12 वर्षों के अटूट विश्वास, चहुंमुखी विकास और जनकल्याणकारी नीतियों की उपलब्धियों को समाज की अंतिम पंक्ति में बैठे हर व्यक्ति तक पहुंचाना है। दौरे के पहले दिन मंगलवार को सांसद मनीष जायसवाल ने सदर विधानसभा क्षेत्र का प्रवास सह तूफानी दौरा किया। इस दौरान उन्होंने

डेढ़ दर्जन गांवों का भ्रमण कर दर्जनों विशिष्ट जनों और सैकड़ों प्रबुद्ध नागरिकों से सीधा और आत्मीय संवाद स्थापित किया। इसी कड़ी में बुधवार को बरही विधानसभा क्षेत्र के प्रवास के क्रम में पदमा प्रखंड के बाद बरही प्रखंड के एक दर्जन से अधिक गांवों का सघन दौरा कर उन्होंने जनता से सीधा संपर्क साधा। बरही विधानसभा क्षेत्र के प्रवास के दौरान जब सांसद मनीष जायसवाल का काफिला खोड़ाआहर पंचायत स्थित पांच माइल पहुंचा तो वहां स्थानीय आदिवासी समाज के लोगों ने अपनी पारंपरिक वेशभूषा में, मांदर की थाप और पारंपरिक गायन-वादन के साथ उनका जोरदार व आत्मीय अभिनंदन किया। इस मौके पर स्थानीय मुखिया अनीता देवी, प्रख्यात समाजसेवी खिरोधर यादव, वार्ड सदस्य पूनम कच्छप, मगदली बाड़ा, सावना बाडा, रोशन टोप्पो, अल्बर्ट एक्का, पीटर टोप्पो और सुनील टोप्पो सहित सैकड़ों ग्रामीण मौजूद रहे। ग्रामीणों ने हर्ष जताते हुए कहा कि आजादी के बाद पहली बार कोई कोई सांसद स्वयं उनके गांव पहुंचे है, जिसके लिए उन्होंने एकस्वर में सांसद मनीष जायसवाल का आभार जताया। इसके बाद खोड़ाआहर पंचायत के ही जतरा मेला टांड में घने जंगलों के बीच प्रकृति की गोद में स्थापित भगवान बिरसा मुंडा जी की प्रतिमा पर सांसद मनीष जायसवाल ने माल्यार्पण कर उन्हें नमन किया। भीषण गर्मी से राहत पाते हुए जंगल के वृक्षों के तले एक चौपाल का आयोजन किया गया, जिसमें चोरपहरिया, बंडापहार और लुखमाकोचा टोले के आदिवासी समाज के लोगों की समस्याओं को सांसद मनीष जायसवाल न बैठकर सुना और त्वरित निराकरण का भरोसा दिलाया। इसके बाद ग्राम रालो लठिया में एक विशाल बरगद के वृक्ष की शीतल छांव तले ग्रामीणों की चौपाल सजी। जिसमें मुख्य रूप से दिनेश यादव, प्यारेलाल यादव, महेश यादव, कैलाश यादव, सुरेंद्र यादव, उमेश यादव, प्रयाग यादव, शंभू यादव, सुभाष यादव, तुलसी यादव और विनोद यादव उपस्थित थे।

मादक पदार्थ के विरुद्ध बरही पुलिस की बड़ी कार्रवाई, स्थानीय करोबारीयों में हड़कंप

▶ डस्ट लदा ट्रक से लगभग 18 लाख की कीमत का अवैध डोडा बरामद

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

बरही : बुधवार को गुप्त सूचना के आधार पर बरही थाना पुलिस ने मादक पदार्थ के विरुद्ध बड़ी कार्रवाई करते हुए एक डस्ट लदा ट्रक से लगभग 18 लाख के कीमत का अवैध डोडा बरामद किया। इस कर्रवाई से स्थानीय अवैध कारोबारियों में हड़कंप मच गया है। यह कार्रवाई सीसीआर डीएसपी अरमान के नेतृत्व में की गई। पुलिस को गुप्त सूचना मिली थी कि रांची से पंजाब की ओर जा रहे ट्रक संख्या पीबी13 बीटी 2043 में मादक पदार्थ की बड़ी खेप ले जाई जा रही है।सूचना को गंभीरता से लेते हुए पुलिस टीम ने गया रोड बायपास के पास विशेष वाहन जांच अभियान चलाया। जांच के दौरान संदिग्ध ट्रक को रोककर गहन तलाशी ली गई।

तलाशी में ट्रक के अंदर डस्ट यानी धूल के बीच छिपाकर रखे गए दर्जनों बोरों से भारी मात्रा में डोडा बरामद हुआ।

कार्रवाई में शामिल टीम

इंस्पेक्टर बिनोद कुमार, रूपलाल यादव, राजबल्लभ यादव, सुमित कुमार समेत थाना के अन्य पुलिसकर्मी मौजूद रहे। पुलिस ने ट्रक को जब्त कर लिया है और चालक-खलासी से पूछताछ की जा रही है। मामले में एनडीपीएस एक्ट के तहत केस दर्ज कर आगे की जांच शुरू कर दी गई है। पुलिस तस्करी के नेटवर्क को खंगालने में जुटी है। बरही पुलिस की इस कार्रवाई से मादक पदार्थ तस्करों में हड़कंप है।

उपायुक्त की अध्यक्षता में हुई राष्ट्रीय राजमार्गों की समीक्षा बैठक

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

हजारीबाग : उपायुक्त हेमन्त सती की अध्यक्षता में मंगलवार को राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण (ठलअक) और राष्ट्रीय राजमार्ग (ठल) की एक समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में राजमार्गों की वर्तमान स्थिति, लंबित परियोजनाओं, सुरक्षा उपायों और यातायात प्रबंधन से जुड़े विभिन्न महत्वपूर्ण बिंदुओं पर विस्तृत चर्चा हुई और आवश्यक निर्देश जारी किए गए। बैठक में उपायुक्त ने राजमार्गों के सुचारू संचालन के लिए प्रशासन से हरसंभव सहयोग की बात कही।

उपायुक्त ने पीजी पोर्टल पर दर्ज मामलों की समीक्षा की और लंबित शिकायतों का त्वरित निपटारा करने को कहा। यातायात प्रबंधन और जाम से मुक्ति हेतु नगवां टोल प्लाजा के पास ट्रकों के बेतरतीब ढंग से खड़े होने के कारण लगने वाले जाम पर चर्चा की गई। इस संबंध में धारा 26 के तहत कार्य प्रारंभ करने के निर्देश दिए गए हैं ताकि जाम की स्थिति से निपटा जा सके। इचाक मोड़ पर लगने वाले जाम की समस्या के स्थाई समाधान के लिए इंक्रोचमेंट ड्राइव चलाने को कहा, मौके पर उपस्थित NHAI के टेक मैनेजर ने बताया कि इचाक मोड़ पर एक फ्लाईओवर प्रस्तावित किया गया है, जल्द निर्माण कार्य प्रारंभ किया जाएगा।

इसके अतिरिक्त, रसोईया धमना क्षेत्र की यातायात व्यवस्था की भी समीक्षा की गई। सड़क सुरक्षा और आधुनिकीकरण की चर्चा पर दनुआ घाटी दुर्घटना संभावित क्षेत्र में सुरक्षा के लिहाज से संपूर्ण 11 किलोमीटर रोड पर रेड मार्किंग करने का कार्य प्राथमिकता के आधार पर किया जा रहा है। साथ ही राजमार्गों पर बेहतर दृश्यता के लिए स्ट्रीट लाइट और आवश्यक साइन बोर्ड लगाए जा रहे हैं। ओवर स्पीडिंग पर लगाम लगाने हेतु तेज गति से वाहन चलाने वालों पर नजर रखने के लिए जल्द ही अत्याधुनिक कैमरे लगाए जाएंगे।

बैठक में सदर अनुमंडल पदाधिकारी आदित्य पांडेय, अपर समाहर्ता महेंद्र छोटन उरांव, एनएचएआई के मैनेजर टेक स्वराज जयसवाल उपस्थित थे।

बहिमर में शिव परिवार सह दुर्गा माता प्राण प्रतिष्ठा महायज्ञ का हुआ शुभारंभ

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

कटकमसांडी : प्रखंड के बहिमर गांव में आयोजित श्री श्री 1008 शिव परिवार सह दुर्गा माता प्राण प्रतिष्ठा महायज्ञ का शुभारंभ मंगलवार को श्रद्धा, भक्ति और वैदिक मंत्रोच्चार के बीच हुआ। इस अवसर पर कटकमसांडी जिला परिषद पूर्वी की सदस्य सह भाजपा जिला उपाध्यक्ष श्रीमती मंजू नंदिनी विशेष रूप से महायज्ञ स्थल पहुंचीं और पूजा-अर्चना कर क्षेत्र की सुख, शांति एवं समृद्धि की कामना की। महायज्ञ के शुभारंभ के साथ ही पूरे क्षेत्र में भक्तिमय माहौल बन गया है और बड़ी संख्या में श्रद्धालु आयोजन स्थल पर पहुंच रहे हैं।

महायज्ञ के पहले दिन वैदिक रीति-रिवाजों के अनुसार पूजन, हवन और अन्य धार्मिक अनुष्ठानों का आयोजन किया गया। विद्वान

आचार्यों और पंडितों द्वारा मंत्रोच्चार के बीच धार्मिक कार्यक्रमों की शुरूआत हुई। आयोजन समिति के सदस्यों एवं ग्रामीणों ने अतिथियों का स्वागत किया और धार्मिक आयोजन की जानकारी दी। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए जिला परिषद सदस्य मंजू नंदिनी ने कहा कि सनातन संस्कृति में यज्ञ और धार्मिक अनुष्ठानों का विशेष महत्व है। ऐसे आयोजन न केवल धार्मिक आस्था को मजबूत करते हैं, बल्कि समाज को एकजुट करने का भी कार्य करते हैं। उन्होंने कहा कि वर्तमान समय में युवाओं को अपनी संस्कृति, परंपरा और धार्मिक मूल्यों से जोड़ने की आवश्यकता है। इस प्रकार के आयोजन समाज में सकारात्मक ऊर्जा का संचार करते हैं और लोगों के बीच भाईचारे एवं सामाजिक समरसता को बढ़ावा देते हैं। उन्होंने आयोजन समिति की सराहना करते हुए कहा कि ग्रामीण क्षेत्र में इतने भव्य स्तर पर महायज्ञ का आयोजन करना सराहनीय कार्य है। यह आयोजन आने वाली पीढ़ियों को अपनी सांस्कृतिक विरासत से परिचित कराने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। उन्होंने क्षेत्रवासियों से अपील की कि वे अधिक से अधिक संख्या में महायज्ञ में शामिल होकर धर्म लाभ प्राप्त करें तथा आयोजन को सफल बनाएं। महायज्ञ के दौरान मंदिर परिसर को आकर्षक ढंग से सजाया गया है। श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए विशेष व्यवस्था की गई है। कार्यक्रम में महिलाओं, युवाओं और बुजुर्गों की बड़ी भागीदारी देखने को मिली। श्रद्धालु पूरे उत्साह और श्रद्धा के साथ धार्मिक अनुष्ठानों में भाग ले रहे हैं। आयोजन स्थल पर भजन-कीर्तन और धार्मिक गीतों से वातावरण पूरी तरह भक्तिमय बना हुआ है।

पत्थर लदा हाईवा पलटा, चालक बाल-बाल बचा

चलकुशा : थाना क्षेत्र के चटकरी पहाड़ के निकट जंगल में बुधवार को पत्थर से लदा एक हाईवा अनियंत्रित होकर पलट गया। हादसे में वाहन चालक बाल–बाल बच गया और उसे कोई गंभीर चोट नहीं आई। प्राप्त जानकारी के अनुसार, हाईवा सरिया थाना क्षेत्र के डुमरिया टांड़ से पत्थर लोड कर डोमचांच की ओर जा रहा था। इसी दौरान चटकरी पहाड़ के पास चालक वाहन पर नियंत्रण खो बैठा, जिससे हाईवा सड़क किनारे पलट गया। हादसे में वाहन को भारी नुकसान पहुंचा है, हालांकि किसी प्रकार की जनहानि नहीं हुई है।

जगन्नाथ रथयात्रा में विदेशी भक्तों की भक्ति प्रस्तुति बनेगी आकर्षण, 16 जुलाई को निकलेगी भव्य शोभायात्रा

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

चौपारण : जगन्नाथ रथयात्रा महोत्सव को लेकर तैयारियां जोर-शोर से शुरू हो गई हैं। आयोजन को भव्य और आकर्षक स्वरूप देने को लेकर रथयात्रा प्रबंधन समिति की ओर से होटल चेतना पैलेस में प्रेसवार्ता आयोजित की गई। इस दौरान समिति के पदाधिकारियों ने कार्यक्रम की विस्तृत रूपरेखा की जानकारी देते हुए बताया कि इस वर्ष रथयात्रा में कई विशेष आयोजन किए जाएंगे। समिति के पदाधिकारियों ने बताया कि 16 जुलाई को आयोजित होने वाली रथयात्रा में विदेशी भक्तों द्वारा विशेष भक्ति एवं सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किया जाएगा।विदेशी

श्रद्धालुओं की प्रस्तुति इस बार रथयात्रा महोत्सव का मुख्य आकर्षण रहेगी। वहीं 17 जुलाई को क्षेत्र की सुख-समृद्धि, शांति और जनकल्याण की कामना को लेकर महायज्ञ का आयोजन किया जाएगा। आयोजन समिति ने कहा कि जगन्नाथ रथयात्रा धार्मिक आस्था के साथ-साथ सामाजिक और सांस्कृतिक एकता का प्रतीक है। हर वर्ष की तरह इस बार भी बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं के शामिल होने की उम्मीद है। समिति ने क्षेत्रवासियों से कार्यक्रम को सफल बनाने में सहयोग और सक्रिय भागीदारी की अपील की। बिगहा बाजार और रथयात्रा की भीड़ प्रशासन के लिए चुनौती प्रेसवार्ता में 16 जुलाई को होने वाली भीड़ और यातायात व्यवस्था को लेकर भी चर्चा की गई।समिति के सदस्यों ने बताया कि गुरुवार होने के कारण बिगहा में लगने वाले साप्ताहिक बाजार में पहले से ही हजारों लोगों की भीड़ जुटती है। इसी दिन रथयात्रा में भी बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं के पहुंचने की संभावना है। ऐसे में बाजार और रथयात्रा दोनों आयोजनों को देखते हुए भीड़ नियंत्रण, यातायात व्यवस्था और सुरक्षा बनाए रखना प्रशासन के लिए चुनौतीपूर्ण होगा। समिति ने प्रशासन से समय रहते तैयारी शुरू करने, पर्याप्त पुलिस बल की तैनाती, यातायात नियंत्रण और सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम करने की मांग की। साथ ही आम लोगों और दुकानदारों से अपील की गई कि 16 जुलाई को रथयात्रा मार्ग और सड़क किनारे दुकानें या बाजार न लगाएं, ताकि श्रद्धालुओं को आवागमन में परेशानी न हो और आयोजन शांतिपूर्ण एवं व्यवस्थित तरीके से संपन्न हो सके। प्रेसवार्ता में आयोजन समिति के अध्यक्ष हरिश्चंद्र सिंह, सचिव राजदेव यादव, चौपारण रथयात्रा संयोजक अभिषेक सिंह, उपाध्यक्ष संजय सिंह, कोषाध्यक्ष मुनेश्वर गुप्ता, सुमन सिंह, इंदीवर सिंह सहित समिति के कई सदस्य और गणमान्य लोग मौजूद थे।

संक्षिप्त खबरें

चय परगना ब्रह्मर्षि समाज ने खोया अपना मार्गदर्शक, रामदेव सिंह को दी भावभीनी श्रद्धांजलि

चौपारण : चय परगना ब्रह्मर्षि समाज के तपेदार (क्षेत्राधिकारी) एवं प्रखंड के दैहर निवासी रामदेव सिंह के निधन से क्षेत्र में शोक की लहर है। उनके निधन को समाज और क्षेत्र के लिए अपूरणीय क्षति बताते हुए बुधवार को आयोजित श्रद्धांजलि सभा में विभिन्न समाजों के सैकड़ों लोगों ने पहुंचकर उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की। रामदेव सिंह अपने पांच भाइयों में सबसे बड़े थे। उन्होंने लंबे समय तक जनवितरण प्रणाली विक्रेता (डीलर) के रूप में अपनी सेवाएं दीं। इसके अलावा वे पूर्व में पोस्ट मास्टर के पद पर भी कार्यरत रहे थे। अपने सरल स्वभाव, ईमानदार कार्यशैली और समाज के प्रति समर्पण के कारण वे क्षेत्र में अलग पहचान रखते थे। लोगों के साथ उनका मधुर व्यवहार और हर परिस्थिति में सहयोग करने की भावना उन्हें समाज में सम्मानित बनाती थी। वे अपने पीछे भरा–पूरा परिवार छोड़ गए हैं। उनके भाइयों में सुरेश प्रसाद सिंह, पूर्व सैनिक सुरेंद्र कुमार सिंह एवं उपेंद्र सिंह शामिल हैं। उनके तीन पुत्र मुकेश सिंह, रंजन सिंह और संदीप सिंह अपने–अपने क्षेत्रों में कार्यरत हैं। वहीं उनके दामाद जूनियर कमीशन ऑफिसर प्रमोद सिंह भारतीय सेना में अपनी सेवाएं दे रहे हैं। उनके निधन से परिवार, रिश्तेदारों, मित्रों और समाज के लोगों में गहरा दु:ख है। श्रद्धांजलि सभा में वक्ताओं ने रामदेव सिंह के व्यक्तित्व और कृतित्व को याद करते हुए कहा कि वे हमेशा समाज को जोड़ने और लोगों की मदद करने में विश्वास रखते थे। उनकी सादगी, सामाजिक सोच, नेतृत्व क्षमता और सभी वर्गों के लोगों से आत्मीय संबंध हमेशा याद किए जाएंगे। वक्ताओं ने कहा कि उनका जीवन समाज के लिए प्रेरणादायक रहा है और उनकी कमी लंबे समय तक महसूस होती रहेगी। मौके पर ब्रह्मर्षि समाज के अध्यक्ष सुधीर सिंह, सचिव सत्यानंद सिंह, ब्रह्मदेव पांडेय, सुखदेव सिंह, राम कुमार सिंह, राजेन्द्र सिंह, रामफल सिंह, लक्ष्मीनारायण सिंह, महेंद्र पांडेय, कैलाश पांडेय, लव कुमार सिंह, सुमन सिंह, अर्जुन सिंह सहित विभिन्न समाजों के सैकड़ों लोग मौजूद रहे।

जन वितरण प्रणाली डीलर संघ चुनाव 21 जून को, अध्यक्ष पद पर कड़ा मुकाबला

बड़कागांव : बड़कागांव जन वितरण प्रणाली दुकानदार डीलर संघ का चुनाव 21 जून को गुरुदयाल महतो बालिका उच्च विद्यालय सभागार भवन में होगा। चुनाव में 120 मतदाता अपने मताधिकार का प्रयोग करेंगे। नाम वापसी लेने की आज 18 जून गुरुवार अंतिम दिन है। सचिव पद में एकमात्र उम्मीदवार हरली गांव निवासी, तत्कालीन प्रखंड सचिव बालेश्वर कुमार की निर्विरोध जीत घोषित किए जाना तय है। परंतु अध्यक्ष पद के लिए तत्कालीन अध्यक्ष सत्येंद्र गुप्ता एवं पहली बार अध्यक्ष पद के लिए चुनाव लड़ रहे वीरेंद्र प्रसाद के बीच रस्साकसी तेज देखी जा रही है। दोनों के समर्थक मतदाताओं को अपने पक्ष में करने के प्रयास में लगे हुए हैं। उपाध्यक्ष एवं कोषाध्यक्ष में दो–दो उम्मीदवारों ने पर्चा दाखिल किया। उपाध्यक्ष पद में एतवा तुरी,नरेश बेदिया, कोषाध्यक्ष पद में जयप्रकाश राम एवं चरण राम ने अपना अपना परचा दाखिल किया है। आज गुरुवार को नाम वापस लेने की अंतिम तिथि है।

जिला मुख्यालय एवं अंचल को जोड़ने वाला पुल दे रहा है खतरे का निमंत्रण

बड़कागांव: बड़कागांव प्रखंड के बादम एवं हरली गांव की सीमा के बीच स्थित पुल इन दिनों जर्जर अवस्था में पहुंच चुका है। यह पुल जिला मुख्यालय एवं अंचल को जोड़ने वाला महत्वपूर्ण मार्ग है, जहां से प्रतिदिन हजारों छोटे–बड़े वाहन गुजरते हैं। पुल की बदहाल स्थिति के कारण कभी भी बड़ी दुर्घटना होने की आशंका बनी हुई है। ग्रामीणों के अनुसार इस पुल का निर्माण लगभग 25 से 30 वर्ष पूर्व किया गया था। इससे पहले यहां चीनी मिट्टी, चूना और चुरकी से बनी एक पुलिया थी, जो 90 के दशक से क्षेत्र के लोगों के आवागमन का एकमात्र साधन थी। जब वह पुलिया पूरी तरह जर्जर हो गई, तब वर्तमान पुल का निर्माण कराया गया था। वर्तमान में पुल की स्थिति अत्यंत खराब हो चुकी है। पुल के कई हिस्सों में दरारें पड़ चुकी हैं तथा सुरक्षा व्यवस्था भी नदारद है। स्थानीय लोगों का कहना है कि इस पुल पर कई छोटी–बड़ी दुर्घटनाएं हो चुकी हैं, लेकिन इसके बावजूद अब तक किसी जनप्रतिनिधि या प्रशासनिक अधिकारी का ध्यान इस ओर नहीं गया है। ग्रामीणों ने बताया कि पुल की स्थिति इतनी भयावह है कि गांव में जब किसी लड़की की शादी होती है तो बारात या डोली को इस पुल से ले जाया जाता है। लोग वैकल्पिक रास्तों का उपयोग करने को मजबूर हैं। स्थानीय लोगों का आरोप है कि इसी पुल से होकर मुखिया, विधायक, सांसद एवं अन्य जनप्रतिनिधियों का लगातार आना–जाना होता है, फिर भी पुल के जीर्णोद्धार या नए निर्माण की दिशा में कोई पहल नहीं की गई है। ग्रामीणों ने प्रशासन एवं जनप्रतिनिधियों से मांग की है कि पुराने और जर्जर पुल को हटाकर यहां एक चौड़े एवं मजबूत नए पुल का निर्माण कराया जाए, ताकि क्षेत्र के लोगों को सुरक्षित आवागमन की सुविधा मिल सके और संभावित दुर्घटनाओं को रोका जा सके।

बिहार-झारखंड सीमा पर दनुआ घाटी में बड़ा हादसा, चार ट्रेलर व ट्रक टकराए, चार गंभीर

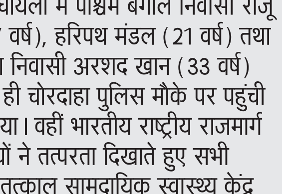

चौपारण : बिहार–झारखंड सीमा के समीप चोरदाहा स्थित दनुआ घाटी के जोड़ीरही पुल पर देर रात एक भीषण सड़क दुर्घटना हो गई। हादसे में चार ट्रेलर और एक ट्रक आपस में टकरा गए। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि एक ट्रेलर अनियंत्रित होकर सड़क किनारे स्थित गहरी खाई में जा गिरा। बताया जाता है कि दुर्घटनाग्रस्त वाहन कोलकाता से दिल्ली की ओर जा रहे थे। हादसे में शामिल वाहनों में ट्रेलर संख्या एनएल01 क्यू 6917, डब्लूबी11 एफ 2353 और एनएल01 एए 2613 सहित अन्य वाहन शामिल हैं। इस दुर्घटना में चार लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। घायलों में पश्चिम बंगाल निवासी राजू मंडल (23 वर्ष), सुशील मंडल (27 वर्ष), हरिपथ मंडल (21 वर्ष) तथा बिहार के गया जिला अंतर्गत गुरुआ निवासी अरशद खान (33 वर्ष) शामिल हैं। घटना की सूचना मिलते ही चोरदाहा पुलिस मौके पर पहुंची और राहत एवं बचाव कार्य शुरू किया। वहीं भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण (एनएचएआई) के कर्मियों ने तत्परता दिखाते हुए सभी घायलों को एनएचएआई एंबुलेंस से तत्काल सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र चौपारण पहुंचाया, जहां उनका इलाज चल रहा है। दनुआ घाटी में लगातार हो रही दुर्घटनाओं को देखते हुए स्थानीय लोगों ने प्रशासन से इस मार्ग पर सुरक्षा व्यवस्था और निगरानी बढ़ाने की मांग की है।

एक नजर

आरएसएस कार्यालय बमकांड की निष्पक्ष जांच हो : नायक

रांची : झारखंड प्रदेश कांग्रेस कमिटी के प्रदेश प्रवक्ता विजय शंकर नायक ने राज्यसभा चुनाव की पूर्व संध्या पर रांची स्थित आरएसएस कार्यालय में हुई बमबाजी की घटना की निंदा करते हुए इसकी निष्पक्ष एवं उच्चस्तरीय जांच की मांग की है। उन्होंने बुधवार को जारी प्रेस विज्ञप्ति में कहा कि मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन के नेतृत्व में राज्य सरकार ने मामले को गंभीरता से लेते हुए एसआईटी का गठन किया है और सीसीटीवी फुटेज, फॉरेंसिक टीम और डॉग स्क्वॉड की मदद से जांच शुरू कर दी गई है। उन्होंने सरकार से जांच रिपोर्ट जल्द सार्वजनिक करने की मांग की, ताकि किसी प्रकार की अफवाह या भ्रम की स्थिति उत्पन्न न हो। उन्होंने कहा कि लोकतंत्र में इस प्रकार की घटनाओं को हल्के में नहीं लिया जा सकता और घटना का समय कई महत्वपूर्ण सवाल खड़े करता है। नायक ने कहा कि जब पूरा राज्य राज्यसभा चुनाव की प्रक्रिया पर केंद्रित है, ऐसे समय में हुई यह घटना संयोग मात्र मान लेना जल्दबाजी होगी। उन्होंने सभी राजनीतिक दलों से संयम बरतने की अपील करते हुए कहा कि जांच पूरी होने से पहले किसी भी प्रकार की भावनात्मक, साम्प्रदायिक या राजनीतिक बयानबाजी से बचना चाहिए।

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के कार्यालय पर हमला चिंताजनक : सुदेश

रांची : राजधानी रांची के निवारणपुर स्थित राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के प्रांत कार्यालय पर पेट्रोल बम हमले की घटना पर ऑल झारखंड स्टूडेंट यूनियन (आजसू पार्टी) ने कड़ी प्रतिक्रिया दी है। पार्टी के केंद्रीय अध्यक्ष सुदेश महतो ने इसे अत्यंत निंदनीय, चिंताजनक और लोकतांत्रिक मूल्यों पर सीधा प्रहार बताया है। उन्होंने बुधवार को जारी बयान में कहा कि यह घटना झारखंड में बिगड़ती कानून-व्यवस्था और अपराधियों के बढ़ते मनोबल की गंभीर तस्वीर पेश करती है। उनके अनुसार, जब वैचारिक और सामाजिक संस्थान भी सुरक्षित नहीं हैं तो आम नागरिकों की सुरक्षा पर भी गंभीर प्रश्न खड़े होते हैं। सुदेश महतो ने आरोप लगाया कि राज्य में अपराधियों, माफिया और अराजक तत्वों का मनोबल बढ़ा हुआ है, जबकि सरकार जनता की सुरक्षा को लेकर गंभीर नहीं दिखती। उन्होंने कहा कि शासन की प्राथमिकता सुरक्षा नहीं बल्कि अपनी विफलताओं को छिपाना बन गई है। उन्होंने सरकार से मांग की कि इस मामले की त्वरित, निष्पक्ष और उच्चस्तरीय जांच कर पूरी साजिश का खुलासा किया जाए और दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई सुनिश्चित की जाए, ताकि भविष्य में ऐसी घटनाएं दोबारा न हों। इसी मुद्दे पर आजसू के केंद्रीय उपाध्यक्ष प्रवीण प्रभाकर ने भी हमले की निंदा की। उन्होंने कहा कि राज्य में कानून-व्यवस्था की स्थिति चिंताजनक है और माफिया व अराजक तत्वों का प्रभाव बढ़ रहा है।

झारखंड हाई कोर्ट ने दो शिक्षिकाओं की नियुक्ति को दी मंजूरी

रांची : झारखंड उच्च न्यायालय ने दो शिक्षिकाओं की नियुक्ति से जुड़े मामले में न्यायमूर्ति दीपक रोशन की अदालत ने महत्वपूर्ण फैसला सुनाते हुए प्रार्थी सुचिता शर्मा और अर्चना कुमारी को राहत प्रदान की है। अदालत ने दोनों शिक्षिकाओं की याचिका स्वीकार करते हुए डोरंडा गर्ल्स मिडिल स्कूल को निर्देश दिया कि उन्हें उनकी नियुक्ति पत्र के अनुसार 12 मई 2023 और 17 मई 2023 की जॉइनिंग तिथि से विद्यालय में कार्य करने की अनुमति दी जाए। साथ ही अदालत ने रांची के जिला शिक्षा अधीक्षक (डीएसई) को आदेश दिया कि वह 30 दिनों के भीतर उनकी नियुक्ति की औपचारिक स्वीकृति जारी करें। अदालत ने यह भी स्पष्ट किया कि उनकी नियुक्ति 17 मई 2023 से काल्पनिक रूप से मानी जाएगी तथा उन्हें सभी परिणामी सेवा लाभ दिए जाएंगे, हालांकि पिछला वेतन देय नहीं होगा।

मुख्यमंत्री की दूरदर्शी सोच : पलाश ब्रांड से बदली ग्रामीण अर्थव्यवस्था

झारखंड का आम पहुंचा दुबई और लंदन

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन की दूरदर्शी सोच और ग्रामीण महिलाओं की मेहनत ने झारखंड के आम को राष्ट्रीय ही नहीं, अंतरराष्ट्रीय पहचान दिलाई है। पलाश ब्रांड के तहत चल रही झारखंड मैंगो मार्केटिंग पहल ने हजारों किसानों और महिला समूहों की आय बढ़ाने के साथ ग्रामीण अर्थव्यवस्था को नई मजबूती दी है। आज झारखंड का आम देश के बड़े रिटेल नेटवर्क के साथ-साथ दुबई और लंदन जैसे अंतरराष्ट्रीय बाजारों तक पहुंच रहा है। वित्तीय वर्ष 2026-27 में सिमडेगा से 1,580 किलोग्राम प्रीमियम आम लंदन भेजे गए हैं, जबकि रामगढ़ क्लस्टर से 1,500 मीट्रिक टन से अधिक आम दुबई निर्यात किए गए हैं। सिमडेगा, रामगढ़ और पूर्वी सिंहभूम इस निर्यात अभियान के प्रमुख केंद्र बनकर उभरे हैं। आम की गुणवत्ता बनाए रखने के लिए एफएओ और एफपीओ पलांडू द्वारा तकनीकी सहयोग और गुणवत्ता मानकों का मार्गदर्शन दिया जा रहा है। राज्य में सक्रिय 115 एफपीओ को पलाश मैंगो कैनोपी काउंटर्स से जोड़ा गया है। इनके माध्यम से अब तक 2.24 लाख किलोग्राम से अधिक आम की बिक्री हो चुकी है, जिससे 60 लाख रुपये से अधिक का कारोबार हुआ है। बाजार विस्तार के लिए ब्लिंकिट, रिलायंस फ्रेश और कशिश मॉल जैसे बड़े कॉर्पोरेट समूहों के साथ भी बातचीत अंतिम चरण में है।

1.86 लाख एकड़ में आम के बगीचे, लाखों परिवारों को रोजगार

कोरोना काल में शुरू की गई बिरसा हरित ग्राम योजना के तहत बड़े पैमाने पर फलदार पौधारोपण किया गया। इसका परिणाम यह है कि राज्य में करीब 1.86 लाख एकड़ क्षेत्र में आम के बगीचे विकसित हो चुके हैं। इससे लगभग 2.15 लाख ग्रामीण परिवारों को स्थायी आजीविका का आधार मिला है। वर्तमान में लगभग 52 हजार एकड़ बागान तुड़ाई के लिए तैयार हैं और इस सीजन में करीब 50 हजार मीट्रिक टन आम उत्पादन का अनुमान है।

महिलाएं संभाल रहीं उत्पादन से बाजार तक की जिम्मेदारी

इस अभियान की सबसे बड़ी ताकत ग्रामीण सखी मंडल की महिलाएं और महिला किसान हैं। ये महिलाएं आम के संग्रहण, ग्रेडिंग, पैकेजिंग और विपणन तक की जिम्मेदारी निभा रही हैं। जेएसएलपीएस द्वारा किसानों को फार्मर प्रोड्यूसर ऑर्गेनाइजेशन (एफपीओ) से जोड़ा गया है, जिससे उन्हें संगठित बाजार और बेहतर मूल्य मिल रहा है। इसी का परिणाम है कि झारखंड का आम अब अंतरराष्ट्रीय बाजारों में भी अपनी पहचान बना रहा है।

झारखंड के 11 और उत्पादों को मिला जीआई टैग, कुल संख्या बढ़कर हुई 12

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : झारखंड सरकार राज्य की अनूठी कला, शिल्प, कृषि उत्पादों और पारंपरिक वस्तुओं को पहचान दिलाने, उन्हें सुरक्षित करने और बढ़ावा देने के लिए लगातार प्रयास कर रही है। इसी दिशा में एक बड़ी उपलब्धि हासिल करते हुए, जीआई रजिस्ट्री ने हाल ही में राज्य के 11 और महत्वपूर्ण उत्पादों को भौगोलिक संकेतक (जीआई) टैग प्रदान किया है। इन पहलों का मुख्य उद्देश्य झारखंड के पारंपरिक उत्पादों को कानूनी सुरक्षा प्रदान करना, बाजार में उनकी पहचान बढ़ाना और उन्हें राष्ट्रीय व अंतरराष्ट्रीय मंचों पर स्थापित करना है।

ये हैं जीआई क्लब में शामिल

हाल ही में जिन उत्पादों को जीआई दर्जा दिया गया है, उनमें कुचाई सिल्क साड़ी और कपड़े, भगैया साड़ी और कपड़े, डिमका चादर, बदोनी पुतुल (कठपुतली), झारखंड पंछी परहान पंछी साड़ी और कपड़े, झारखंड की टसर सिल्क साड़ियाँ और कपड़े, झारखंड डोकरा क्राफ्ट (धातु शिल्प), झारखंड के आदिवासी आभूषण, झारखंड के बांस शिल्प, केसरिया कलाकंद, झारखंड बेनाम और झारखंड जादुपटुआ पेंटिंग शामिल हैं। इन सभी नए जीआई टैगों का आधिकारिक प्रकाशन अगले कुछ दिनों में कर दिया जाएगा। वर्ष 2019 तक झारखंड के पास केवल एक जीआई-टैग उत्पाद (सोहराई और खोवर पेंटिंग) था, लेकिन अब यह संख्या बढ़कर 12 हो गई है, जो जीआई परिदृश्य में राज्य की बढ़ती ताकत को दर्शाती है।

झारक्राफ्ट की बड़ी उपलब्धि

उद्योग विभाग, झारखंड सरकार के तहत कार्यरत झारक्राफ्ट और मुख्यमंत्री लघु एवं कुटीर उद्यम विकास बोर्ड वर्ष 2019 से ही जीआई पंजीकरण गतिविधियों को सक्रिय रूप से बढ़ावा दे रहे हैं। इसी प्रयास के तहत एक उल्लेखनीय मील का पत्थर तब हासिल हुआ, जब झारक्राफ्ट ने एक साथ तीन उत्पादों-झारखंड की टसर सिल्क साड़ियाँ और कपड़े, झारखंड के आदिवासी आभूषण और झारखंड के बांस शिल्प के लिए जीआई पंजीकरण सुरक्षित किया है। ये पंजीकरण झारखंड के कारीगरों और पारंपरिक समुदायों द्वारा तैयार किए गए उत्पादों की हस्यता, प्रामाणिकता और बाजार क्षमता को महत्वपूर्ण रूप से बढ़ाएंगे।

अन्य उत्पाद भी हैं कतार में

झारखंड की यह जीआई यात्रा राज्य की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत और पारंपरिक ज्ञान की रक्षा के लिए एक मजबूत आधार तैयार कर चुकी है। इसके अतिरिक्त, कई अन्य अनूठे उत्पादों के आवेदन भी जीआई रजिस्ट्री में जमा किए गए हैं। इनमें मांदर, पैतकर पेंटिंग, निमुचा/करनी शॉल, लाह की चूड़ियाँ, देवघर पेड़ा, रागी, रुगड़ा, धुस्का, कुसुमी लाहा, साल के बीज, महुआ का फूल और करंज के बीज शामिल हैं। राज्य में अभी भी कई और स्वदेशी उत्पादों को जीआई ढांचे के तहत लाने और राष्ट्रीय व वैश्विक बाजारों में उन्हें सही पहचान दिलाने की अपार संभावनाएं मौजूद हैं।

झारखंड एटीएस अब सीआईडी के अधीन करेगी कार्य

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : झारखंड में देश विरोधी गतिविधियों और आतंकवाद से निपटने के लिए गठित आतंकवाद निरोधी दस्ता (एटीएस) अब राज्य के अपराध अनुसंधान विभाग (सीआईडी) के अधीन कार्य करेगा। इस संबंध में झारखंड की पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) तदाशा मिश्रा ने बुधवार को आधिकारिक आदेश जारी किया। जारी आदेश में स्पष्ट किया गया है कि पूर्व में एटीएस को लेकर जारी सभी निर्देशों को निरस्त कर दिया गया है। अब एटीएस की सभी प्रशासनिक, अनुसंधान, जांच और परिचालन संबंधी गतिविधियां पूर्ण रूप से सीआईडी के निर्देशन में संचालित होंगी। आदेश के अनुसार, झारखंड एटीएस का गठन वर्ष 2015 में आतंकवाद पर प्रभावी नियंत्रण के उद्देश्य से किया गया था। गृह कर एवं आपदा प्रबंधन विभाग की अधिसूचना के तहत इसे राज्य स्तरीय थाने का दर्जा भी प्राप्त है। इसके अतिरिक्त अधिसूचना संख्या 102/2021 के माध्यम से एटीएस को संगठित अपराधों के विरुद्ध कार्रवाई के लिए भी अधिकृत किया गया है। डीजीपी के निर्देश में यह भी कहा गया है कि अब सभी मामलों की जांच सीआईडी के अधीन होगी तथा अनुसंधानकर्ता, पर्यवेक्षक अधिकारी की नियुक्ति, प्रगति प्रतिवेदन और पर्यवेक्षण संबंधी कार्य सीआईडी प्रमुख के माध्यम से निर्धारित प्रक्रिया के तहत किए जाएंगे। आदेश में उल्लेख किया गया है कि एटीएस का मुख्य कार्य आतंकवादियों से जुड़े नेटवर्क की पहचान, स्लीपर सेल का भंडाफोड़, आतंकी गतिविधियों की रोकथाम और संभावित आतंकी घटनाओं से निपटना रहेगा। इसके संचालन में पुलिस अधीक्षक एटीएस, पुलिस महानिरीक्षक (अभियान) के निर्देशन में कार्य करेंगे। डीजीपी ने यह भी निर्देश दिया है कि एटीएस अपने सभी कार्यों में उच्च स्तरीय गोपनीयता बनाए रखे और जांच संबंधी सभी प्रक्रियाएं निर्धारित नियमों के अनुसार ही संचालित की जाएं।

राष्ट्रीय पल्स पोलियो अभियान को लेकर सिल्ली में प्रशिक्षण

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

सिल्ली : सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र सिल्ली में बुधवार को प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी डॉ. प्रियंका सिन्हा की अध्यक्षता में राष्ट्रीय पल्स पोलियो कार्यक्रम 2026 की सफलता को लेकर प्रशिक्षण शिविर आयोजित किया गया। इसमें अभियान से जुड़े सभी बूथकर्मियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए। डॉ. प्रियंका सिन्हा ने बताया कि 28 जून से 30 जून तक चलने वाले अभियान के तहत 28 जून (रविवार) को बूथ दिवस मनाया जाएगा। इस दिन सभी बूथकर्मी अपने-अपने क्षेत्र में 0 से 5 वर्ष तक के बच्चों को पोलियो की दो

बूंद दवा पिलाना सुनिश्चित करेंगे। इसके बाद छूटे हुए बच्चों तक पहुंचने के लिए घर-घर जाकर दवा पिलाई जाएगी। प्रशिक्षण के दौरान डॉ. सिन्हा ने कहा कि पोलियो उन्मूलन अभियान की सफलता के लिए एक भी बच्चा छूटना नहीं चाहिए। बूथ पर आने वाले बच्चों का सही रिकॉर्ड रखने और वैक्सीन की गुणवत्ता बनाए रखने के लिए कोल्ड चेन व्यवस्था पर विशेष ध्यान देने का निर्देश दिया गया।

चार वर्षों से लंबित न्यू मिनी आंगनबाड़ी केंद्र की मांग, ग्रामीणों में बढ़ी नाराजगी

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : अनगड़ा प्रखंड की हेसल पंचायत स्थित मुस्लिम टोला में न्यू मिनी आंगनबाड़ी केंद्र खोलने की मांग पिछले चार वर्षों से लंबित है। ग्रामीणों का आरोप है कि जनसंख्या के आधार पर केंद्र खोलने के लिए करीब चार वर्ष पहले बाल विकास परियोजना कार्यालय, अनगड़ा को लिखित आवेदन दिया गया था, लेकिन आज तक इस दिशा में कोई ठोस कार्रवाई नहीं की गई। ग्रामीणों ने बताया कि मुस्लिम टोला से निकटतम आंगनबाड़ी केंद्र काफी दूर स्थित है, जिससे छोटे बच्चों, गर्भवती महिलाओं और धात्री माताओं को केंद्र तक पहुंचने में परेशानी होती है। दूरी अधिक होने के कारण कई लाभुक नियमित रूप से आंगनबाड़ी सेवाओं का लाभ नहीं ले पाते हैं। ग्रामीणों ने राज्य सरकार और संबंधित विभाग से मामले की शीघ्र जांच कर न्यू मिनी आंगनबाड़ी केंद्र की स्वीकृति देने की मांग की है। उनका कहना है कि केंद्र खुलने से क्षेत्र के बच्चों, गर्भवती महिलाओं और धात्री माताओं को सरकारी योजनाओं का लाभ आसानी से मिल सकेगा।

बच्चों और महिलाओं को नहीं मिल रहा पूरा लाभ

ग्रामीणों का कहना है कि आंगनवाड़ी केंद्र नहीं होने से बच्चों को पोषण, प्रारंभिक शिक्षा तथा सरकार की विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं का समुचित लाभ नहीं मिल पा रहा है। इससे क्षेत्र के बच्चों और महिलाओं पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ रहा है।

कार्रवाई नहीं हुई तो आंदोलन की चेतावनी

ग्रामीणों ने चेतावनी दी है कि यदि उनकी मांग पर जल्द सकारात्मक पहल नहीं की गई तो वे जनप्रतिनिधियों और प्रशासनिक अधिकारियों के समक्ष आंदोलन करने को बाध्य होंगे। ग्रामीणों ने कहा कि चार वर्षों से लंबित इस मांग पर अब तत्काल निर्णय लिया जाना चाहिए।

उषा मार्टिन फाउंडेशन के 20 युवाओं को मिला ड्राइविंग लाइसेंस

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

पद्मश्री सम्मानित नागपुरी लोकगायक महावीर नायक ने बांटे प्रमाण-पत्र

रांची : पारंपरिक संस्कार, अनुशासन और कौशल विकास के समन्वय से ही युवा आत्मनिर्भर बन सकते हैं। यह बात पद्मश्री सम्मानित नागपुरी लोकगायक महावीर नायक ने उषा मार्टिन फाउंडेशन द्वारा संचालित चार पहिया वाहन चालक प्रशिक्षण कार्यक्रम के समापन समारोह में कही। इस अवसर पर प्रशिक्षण पूरा करने वाले 20 प्रशिक्षुओं को ड्राइविंग लाइसेंस और प्रमाण-पत्र प्रदान किए गए। फाउंडेशन के सचिव डॉ. मयंक मुरारी ने कहा कि कौशल विकास युवाओं के लिए आजीविका के नए अवसर खोलता है। यह प्रशिक्षण केवल ड्राइविंग तक सीमित नहीं, बल्कि युवाओं को आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण पहल है। कार्यक्रम में सुरक्षित वाहन संचालन और सड़क सुरक्षा संबंधी जानकारियां भी दी गईं।

कौशल विकास से आत्मनिर्भरता का संदेश

महावीर नायक ने कहा कि झारखंड के युवाओं में अपार संभावनाएं हैं और उन्हें सही दिशा, प्रशिक्षण व अवसर उपलब्ध कराने की जरूरत है। उन्होंने कहा कि कौशल आधारित प्रशिक्षण युवाओं को रोजगार के साथ आत्मविश्वास भी देता है। वहीं, उषा मार्टिन फाउंडेशन के एचआर हेड निपेन्द्र नाथ झा ने कहा कि सीखने की प्रक्रिया कभी समाप्त नहीं होती और निरंतर अभ्यास ही सफलता की कुंजी है। उन्होंने प्रशिक्षुओं को सड़क सुरक्षा नियमों का पालन करने का भी संदेश दिया।

20 प्रशिक्षुओं को मिला प्रमाण-पत्र

कार्यक्रम के सफल संचालन में नेशनल ड्राइविंग स्कूल के संस्थापक कालीचरण का महत्वपूर्ण योगदान रहा। समारोह में समाजसेवी एवं आजसू नेता राजू नायक समेत कई गणमान्य लोग मौजूद रहे। प्रमाण-पत्र और ड्राइविंग लाइसेंस प्राप्त करने वालों में अभिषेक वर्मा, पूनम महतो, सुरेन्द्र कुमार महतो, आशीष मुंडा, राज कुमार महतो, अनमोल सिकंदर एक्का, राहुल महतो, आकाश कुमार, जॉन तिर्की, अजय बालमुचु, नूतन पाहन, मनोज मुंडा, राम तिर्की, डेमियन बालमुचु, अनिल भूतकुमार, रंजय टोप्पो, जितेन्द्र शर्मा, संगीता कुमारी, रश्मि पाहन और अर्चना सिंह शामिल हैं।

संक्षिप्त खबरें

रांची सिटीजन फोरम का वार्ड पार्षदों से मुलाकात अभियान शुरू

रांची : रांची सिटीजन फोरम ने अध्यक्ष दीपेश निराला के नेतृत्व में नगर निगम के नवनिर्वाचित वार्ड पार्षदों से बुधवार को मुलाकात अभियान शुरू किया है। अभियान के तहत फोरम ने अब तक 15 वार्ड पार्षदों से मिलकर उनके निर्वाचन पर बधाई दी तथा वार्डों की प्रमुख समस्याओं के समाधान के लिए ज्ञापन सौंपा। इस दौरान फोरम के दीपेश निराला ने विशेष रूप से बरसात के दौरान रांची शहर में बढ़ती जलजमाव की समस्या पर चिंता जताई। प्रतिनिधिमंडल ने पार्षदों से पुराने जल निकासी मार्गों की पहचान कर उन्हें अतिक्रमण मुक्त कराने, नालों की नियमित सफाई सुनिश्चित करने तथा जल निकासी व्यवस्था को दुरुस्त करने की मांग की। फोरम का कहना है कि जल निकासी मार्गों के अवरुद्ध होने और अतिक्रमण बढ़ने के कारण शहर में जलजमाव की समस्या गंभीर होती जा रही है। पार्षदों ने फोरम को बताया कि वे वार्डों में विकास कार्य कराना चाहते हैं, लेकिन पर्याप्त फंड नहीं मिलने के कारण कई योजनाएं प्रभावित हो रही हैं। फोरम ने सभी पार्षदों को सकारात्मक सहयोग और संवाद का आश्वासन देते हुए कहा कि नागरिकों और जनप्रतिनिधियों के बीच बेहतर समन्वय स्थापित कर वार्डों की समस्याओं के समाधान की दिशा में कार्य किया जाएगा। ज्ञापन में बंद पड़ी स्ट्रीट लाइट, जाम नाले, क्षतिग्रस्त सड़कें, पार्कों की बदहाल स्थिति, बच्चों के लिए खेल मैदानों की कमी, अनियमित साफ-सफाई, अपर्याप्त जलापूर्ति और कानून-व्यवस्था से जुड़ी समस्याओं का भी उल्लेख किया गया। कार्यक्रम में उपाध्यक्ष उमाशंकर सिंह, सचिव रेणुका तिवारी, संयुक्त सचिव मनीष बक्शी, संतोष मृदुला, सुजीत कुमार पांडेय, कुमार अभिषेक दुबे, राजेश कुमार सहित अन्य सदस्य मौजूद थे।

स्थापना दिवस सह जनाक्रोश मार्च को लेकर आजसू पार्टी की बैठक सम्पन्न

सिल्ली : सिल्ली स्थित आजसू पार्टी प्रधान कार्यालय में बुधवार को आजसू कार्यकर्ताओं की एक बैठक केंद्रीय संगठन सचिव जयपाल सिंह की अध्यक्षता में की गई। बैठक में पार्टी प्रमुख सह पूर्व उपमुख्यमंत्री सुदेश कुमार महतो मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए। बैठक में आगामी 22 जून को धनबाद में आयोजित स्थापना दिवस सह जन आक्रोश मार्च को सफल बनाने की तैयारी की समीक्षा करते हुए अधिक से अधिक कार्यकर्ताओं की भागीदारी सुनिश्चित करने पर चर्चा की गई। सुदेश कुमार महतो ने कहा कि स्थापना दिवस सह आक्रोश मार्च के माध्यम से जनता की समस्याओं और विभिन्न जनहित मुद्दों को प्रमुखता से उठाया जाएगा। उन्होंने क्षेत्रीय एवं पंचायत प्रभारियों तथा जोन के पदाधिकारियों से गांव-गांव जाकर लोगों को आक्रोश मार्च के उद्देश्य से अवगत कराते हुए हजारों की संख्या में कार्यकर्ताओं को धनबाद पहुंचने की अपील की। साथ ही पार्टी पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं को जनसंपर्क अभियान तेज करने की जिम्मेदारी सौंपी। बैठक को केंद्रीय सचिव गौतम कृष्ण साहु, जिप उपाध्यक्ष दीपा चौधरी, लक्ष्मी नारायण महतो, विजय चंद्र महतो, जोन्हा के जोन अध्यक्ष पूर्व सैनिक अशोक एक्का, भानुमती तंतुबाई, रीता महली, बबलु आदि ने सम्बोधित किया। संचालन प्रखंड प्रमुख जितेन्द्र नाथ बड़ाइक ने एवं धन्यवाद ज्ञापन त्रिलोचन महतो ने किया। इस मौके पर डबलु महली, शिव शंकर प्रसाद, पंसस अरविंद कुमार, ज्योति कुमारी, दीपा कुमारी, उर्मिला देवी, शेखा देवी, मामुनि देवी, नान्हू महतो, शशि सनार, धीरेन महतो, गणेश महतो समेत आजसू पार्टी के क्षेत्रीय प्रभारी एवं कार्यकर्ता उपस्थित थे।

संघ ने एम्बुलेंस सेवा की अनियमितताओं पर कार्रवाई का किया स्वागत

रांची : झारखंड प्रदेश एम्बुलेंस कर्मचारी संघ ने 108 एम्बुलेंस सेवा के संचालन में पाई गई अनियमितताओं और सरकारी शर्तों के उल्लंघन के मामलों में वर्तमान सेवा प्रदाता संस्था सम्मान फाउंडेशन के एकरारनामा समाप्त करने की कार्रवाई का स्वागत किया है। संघ ने इस निर्णय के लिए बुधवार को जारी प्रेस विज्ञप्ति में स्वास्थ्य मंत्री डॉ इरफान अंसारी, अपर मुख्य सचिव अजय कुमार सिंह, एनएचएम के अभियान निदेशक शशि प्रकाश झा सहित स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों के प्रति आभार व्यक्त किया है। संघ के प्रदेश अध्यक्ष नीरज तिवारी ने कहा कि राज्य में 108 एम्बुलेंस सेवा कई समस्याओं से जूझ रही है। कई एम्बुलेंस तकनीकी खराबी के कारण बंद पड़ी हैं, जबकि डीजल की पर्याप्त उपलब्धता नहीं होने से सेवा प्रभावित हो रही है। उन्होंने बताया कि कर्मचारियों का अप्रैल 2026 से वेतन लंबित है और उपस्थिति में मनमानी कटौती की शिकायतें भी सामने आ रही हैं, जिससे कर्मियों को आर्थिक और मानसिक कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है। संघ ने सरकार से मांग की है कि नई सेवा प्रदाता संस्था के चयन से पहले उसके वित्तीय रिकॉर्ड, कार्य अनुभव, श्रम कानूनों के अनुपालन और अन्य राज्यों में प्रदर्शन की गहन जांच की जाए। साथ ही वर्षों से कार्यरत स्थानीय और अनुभवी कर्मचारियों की सेवा निरंतरता में प्राथमिकता दी जाए। संघ ने कहा कि 108 एम्बुलेंस सेवा आम जनता के लिए जीवनरक्षक व्यवस्था है। इसलिए राज्य सरकार जल्द सक्षम और पारदर्शी नई एजेंसी का चयन कर सेवा को सुचारू और प्रभावी बनाए, ताकि मरीजों को समय पर आपातकालीन स्वास्थ्य सुविधाएं मिल सकें।

24 घंटे में छिनतई कांड का खुलासा, दो गिरफ्तार

सिल्ली : सिल्ली थाना क्षेत्र के दोवाडू और बदालू के बीच लाह व्यापारी से हुई छिनतई मामले का पुलिस ने 24 घंटे के भीतर खुलासा कर दिया है। पुलिस ने घटना में शामिल दो आरोपियों को गिरफ्तार कर लूटी गई नकदी, बैग और अन्य दस्तावेज बरामद कर लिए हैं। थाना प्रभारी नवीन कुमार ने बताया कि 14 जून की शाम दोवाडू गांव निवासी लाह व्यापारी शिव शंकर दत्ता से छिनतई की शिकायत मिलने के बाद विशेष छापामारी दल का गठन किया गया। जांच के दौरान दोवाडू निवासी निमाई चंद्र दत्ता से पूछताछ की गई, जिसमें उसने अपराध स्वीकार कर लिया। पूछताछ में राहे थाना क्षेत्र के गोमदा गांव निवासी प्रवीण महतो की संलिप्तता भी सामने आई। पुलिस ने निमाई चंद्र दत्ता की निशानदेही पर प्रवीण महतो के घर से लूटी गई 16,500 रुपये नकद राशि, बैग और अन्य दस्तावेज बरामद किए। आरोपी ने पूछताछ में बताया कि व्यापारिक दुश्मनी के कारण इस वारदात को अंजाम दिया गया था। पुलिस ने आरोपियों के पास से एक नीला हैंडबैग, 16,500 रुपये नकद, नोकिया कीपैड मोबाइल, एटीएम कार्ड, चेकबुक, पैन कार्ड, वोटर कार्ड, डायरी तथा दो एंड्रॉयड मोबाइल फोन बरामद किए हैं। दोनों आरोपियों को न्यायालय में प्रस्तुत किया गया, जहां से उन्हें न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया। इस कार्रवाई में थाना प्रभारी नवीन कुमार सहित सिल्ली थाना की विशेष टीम शामिल रही

एक नजर

पिपराडीह रेलवे स्टेशन पर मारवाड़ी युवा मंच ने लगाया वाटर कूलर

झुमरी तिलैया : मारवाड़ी युवा मंच झुमरी तिलैया शाखा द्वारा जनसेवा और 'अमृत धारा' कार्यक्रम के तहत पिपराडीह रेलवे स्टेशन पर वाटर कूलर का शुभारंभ किया गया। यह चालू वित्तीय वर्ष में मंच की तीसरी ऐसी पहल है, जबकि अन्य चार स्थानों पर भी राहगीरों के लिए पेयजल सुविधा उपलब्ध कराई जा रही है। वाटर कूलर का उद्घाटन स्टेशन प्रबंधक बीबी सिंह और मंच के अध्यक्ष मोहित संघई ने संयुक्त रूप से किया। इस अवसर पर बीबी सिंह ने मंच के कार्यों की सराहना करते हुए इसे समाज सेवा का उत्कृष्ट उदाहरण बताया। मंच अध्यक्ष मोहित संघई ने बताया कि 40 लीटर क्षमता वाला यह वाटर कूलर 24 घंटे शुद्ध पेयजल उपलब्ध कराएगा, जिससे यात्रियों, रेलकर्मियों और मजदूरों को लाभ मिलेगा। इस मौके पर प्रांतीय भवन संयोजक राज पच्चीसिया ने मंच द्वारा शिक्षा, स्वास्थ्य, रक्तदान, गौसेवा और अन्य सामाजिक कार्यों में किए जा रहे प्रयासों की सराहना की।

हत्या के आरोपियों की शीघ्र गिरफ्तारी की मांग भाकपा माले ने प्रशासन को दिया अल्टीमेटम

कोडरमा : मरकच्चो थाना कांड संख्या 37/2026 के तहत प्रेम नगर निवासी अनीश कुमार सिंह की घर में घुसकर पीट-पीटकर हत्या के मामले में अभियुक्तों की गिरफ्तारी नहीं होने पर भाकपा (माले) ने नाराजगी जताई है। जिला सचिव मोहम्मद इब्राहिम के नेतृत्व में पार्टी का एक प्रतिनिधिमंडल मृतक के घर पहुंचा और परिजनों से मुलाकात कर घटना की जानकारी ली तथा गहरी संवेदना व्यक्त की। पार्टी ने आरोप लगाया कि घटना के 11 दिन बीत जाने के बाद भी नामजद अभियुक्तों की गिरफ्तारी नहीं हो पाई है, जिससे क्षेत्र में आक्रोश और भय का माहौल है। उन्होंने कहा कि जिले में हाल के दिनों में आपराधिक घटनाओं में वृद्धि हुई है, जिससे कानून-व्यवस्था पर सवाल उठ रहे हैं। भाकपा माले ने चेतावनी दी है कि यदि दो दिनों के भीतर अभियुक्तों की गिरफ्तारी नहीं की गई तो पार्टी की ओर से प्रतिवाद मार्च निकाला जाएगा और आंदोलन तेज किया जाएगा। इस पूरे मामले की जवाबदेही पुलिस प्रशासन की होगी। इस दौरान कई स्थानीय कार्यकर्ता और पदाधिकारी उपस्थित रहे।

रामगढ़ उपायुक्त ने विद्यालय का किया औचक निरीक्षण, बच्चों को पढ़ाया सफलता का पाठ

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रामगढ़ : जिले में शिक्षा व्यवस्था को मजबूत करने और सरकारी विद्यालयों की जमीनी स्थिति का आकलन करने के उद्देश्य से बुधवार को उपायुक्त ऋतुराज ने दुलमी प्रखंड स्थित उत्क्रमित प्लस टू उच्च विद्यालय, चटाक का औचक निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने शैक्षणिक गतिविधियों, आधारभूत सुविधाओं और विभिन्न सरकारी योजनाओं के क्रियान्वयन की विस्तृत समीक्षा की।

निरीक्षण के दौरान उपायुक्त ने स्वयं विद्यार्थियों के बीच पहुंचकर शिक्षक की भूमिका निभाई और ब्लैकबोर्ड पर पढ़ाते हुए बच्चों को सफलता के लिए लक्ष्य निर्धारण और नियमित अध्ययन का संदेश दिया। उन्होंने कहा कि शिक्षा ही जीवन में आगे बढ़ने का सबसे सशक्त माध्यम है और विद्यार्थियों को पूरी निष्ठा एवं एकाग्रता के साथ पढ़ाई पर ध्यान देना चाहिए। उपायुक्त ने विद्यालय के शिक्षकों को निर्देश दिया कि निर्धारित समय सीमा के भीतर सिलेबस पूरा किया जाए और परीक्षा से पहले पर्याप्त पुनरावृत्ति कराई जाए, ताकि विद्यार्थियों का परिणाम बेहतर हो सके। उन्होंने स्पष्ट कहा कि शिक्षा की गुणवत्ता से किसी भी स्तर पर समझौता स्वीकार नहीं किया जाएगा। निरीक्षण के दौरान उन्होंने छात्र-छात्राओं से सीधे संवाद कर पाठ्यपुस्तक, छात्रवृत्ति, साइकिल एवं पोशाक योजना की जानकारी ली। उन्होंने विद्यालय प्रबंधन को सुनिश्चित करने को कहा कि कोई भी पात्र छात्र सरकारी योजनाओं के लाभ से वंचित न रहे। इसके बाद उपायुक्त ने आईसीटी लैब का निरीक्षण कर कंप्यूटरों की स्थिति और विद्यार्थियों की तकनीकी दक्षता की जानकारी ली। साथ ही मिड-डे मील की गुणवत्ता, रसोईघर की स्वच्छता, विद्यालय के अभिलेख, शिक्षक उपस्थिति पंजी और नोटिस बोर्ड की भी जांच की। उन्होंने विद्यालय के खेल मैदान का भी निरीक्षण किया और उसे शीघ्र विकसित करने का निर्देश दिया, ताकि छात्रों के सर्वांगीण विकास को बढ़ावा मिल सके।

निरीक्षण के दौरान प्रखंड विकास पदाधिकारी अमित कुमार, अंचल अधिकारी किशोरी यादव, गोपनीय शाखा के प्रभारी पदाधिकारी रवींद्र कुमार गुप्ता सहित कई जिला स्तरीय अधिकारी और विद्यालय के शिक्षक मौजूद रहे।

पीडीएस अनियमितता पर बड़ी कार्रवाई, 24 बोरा खाद्यान्न कम मिलने पर डीलर निलंबित

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

कोडरमा : जिले में जन वितरण प्रणाली (पीडीएस) में पारदर्शिता सुनिश्चित करने और लाभुकों को समय पर खाद्यान्न उपलब्ध कराने को लेकर जिला प्रशासन ने सख्त रुख अपनाया है। इसी क्रम में करमा पंचायत, प्रखंड कोडरमा के जन वितरण प्रणाली विक्रेता भगवत कुमार (अनुज्ञप्ति संख्या-71/85) को खाद्यान्न वितरण में गंभीर अनियमितता पाए जाने पर तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया गया है।

जानकारी के अनुसार, औचक निरीक्षण के दौरान भौतिक सत्यापन में 24 बोरा खाद्यान्न कम पाया गया। मामले की जांच प्रखंड आपूर्ति पदाधिकारी, कोडरमा द्वारा की गई, जिसमें जांच प्रतिवेदन समर्पित किया गया।

जांच के बाद विक्रेता से स्पष्टीकरण भी मांगा गया, लेकिन संतोषजनक जवाब नहीं मिलने पर तथा भ्रामक स्पष्टीकरण देने का प्रयास पाए जाने पर प्रशासन ने कड़ी कार्रवाई की। इसे झारखंड लक्षित जन वितरण प्रणाली (नियंत्रण) आदेश, 2024 एवं अनुज्ञप्ति की शर्तों का उल्लंघन मानते हुए डीलर को निलंबित कर दिया गया।

जिला आपूर्ति पदाधिकारी ने स्पष्ट निर्देश दिया है कि सभी पीडीएस विक्रेता लाभुकों को निर्धारित मात्रा में खाद्यान्न का समय पर और पारदर्शी तरीके से वितरण सुनिश्चित करें।

'सेल्फी विद झोला' अभियान को राजभवन में मिली सराहना, पर्यावरण संरक्षण की मुहिम तेज

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रामगढ़ : पर्यावरण संरक्षण और पॉलिथीन मुक्त समाज के लक्ष्य को लेकर चल रहे 'सेल्फी विद झोला' अभियान को बड़ा समर्थन मिला है। पॉलिथीन दान अभियान के संरक्षक उपेंद्र पांडेय के नेतृत्व में एक प्रतिनिधिमंडल ने राजभवन पहुंचकर राज्यपाल संतोष कुमार गंगवार से शिष्टाचार मुलाकात की और अभियान की जानकारी साझा की।

प्रतिनिधिमंडल ने बताया कि यह मुहिम पिछले 13 वर्षों से पर्यावरण संरक्षण को जन-आंदोलन के रूप में आगे बढ़ा रही है। अभियान के तहत लोगों को पॉलिथीन के दुष्प्रभावों के बारे में जागरूक कर कपड़े और पर्यावरण अनुकूल झोलों के उपयोग के लिए प्रेरित किया जा रहा है। पिछले तीन वर्षों में लगभग 45 हजार कपड़े के झोले स्कूलों में विद्यार्थियों के बीच वितरित किए गए हैं। साथ ही बच्चों को अपने अभिभावकों को भी पॉलिथीन छोड़कर कपड़े के झोले अपनाने के लिए प्रेरित करने का संदेश दिया गया।

राज्यपाल संतोष कुमार गंगवार ने इस पहल की सराहना करते हुए कहा कि पर्यावरण संरक्षण में जनभागीदारी बेहद जरूरी है। उन्होंने 'सेल्फी विद झोला' अभियान को समाज में सकारात्मक बदलाव लाने वाली प्रेरणादायक पहल बताया।

इस अवसर पर संतोष कुमार साहू, सतविंदर पांडे, मधुलिका, नेहा कुमारी, नीरज कुमार, अनु कुमारी और विद्या गुप्ता सहित कई सामाजिक कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

रामगढ़ में खाद्य सुरक्षा विभाग का बड़ा एक्शन, वाटर प्लांट और होटलों की हुई जांच

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रामगढ़ : जिले में खाद्य पदार्थों एवं पेयजल की गुणवत्ता सुनिश्चित करने के उद्देश्य से खाद्य सुरक्षा विभाग ने व्यापक जांच अभियान चलाया। अभिहित अधिकारी सह अपर मुख्य चिकित्सा पदाधिकारी डॉ. नवल कुमार के निर्देश पर विभागीय टीम ने विभिन्न आरओ वाटर प्लांट, होटल और मिठाई प्रतिष्ठानों का औचक निरीक्षण किया। इस दौरान खाद्य सामग्री एवं पानी के नमूने संग्रहित कर जांच के लिए प्रयोगशाला भेजे गए।

जांच के क्रम में अमृत जल कोठार, जल सेवा कोठार, हेलो वाटर कोठार, त्रिमूर्ति जल, श्री आरओ जल, जीवन धारा शुद्ध जल तथा साधना जल पारसोतिया सहित कई वाटर प्लांटों का निरीक्षण किया गया। विभागीय अधिकारियों ने संचालकों को एनओसी, वाटर टेस्ट रिपोर्ट तथा एफएसएसएआई लाइसेंस उपलब्ध कराने का निर्देश दिया। साथ ही विभिन्न प्लांटों से पानी के नमूने लेकर जांच के लिए खाद्य सुरक्षा प्रयोगशाला, नामकुम भेजे गए। खाद्य सुरक्षा विभाग की टीम ने होटल राज नेक्स्ट, शालीमार स्वीट्स और होटल सम्राट का भी निरीक्षण किया। इस दौरान किचन की साफ-सफाई, खाद्य पदार्थों की गुणवत्ता, पानी की शुद्धता और सुरक्षा मानकों की जांच की गई। प्रतिष्ठानों को फूड हैंडलर्स का वार्षिक मेडिकल सर्टिफिकेट, पेस्ट कंट्रोल रिकॉर्ड, फोस्टैक प्रशिक्षण प्रमाण पत्र एवं पानी की गुणवत्ता प्रमाण पत्र उपलब्ध कराने के निर्देश दिए गए। निरीक्षण के दौरान शालीमार स्वीट्स में करीब 10 लीटर एक्सपायर्ड कोल्ड ड्रिंक बरामद हुई, जिसे विभागीय टीम की मौजूदगी में तत्काल नष्ट करा दिया गया। वहीं शालीमार स्वीट्स से मिल्क केक, होटल राज नेक्स्ट से पनीर तथा होटल सम्राट से बेसन लड्डू के नमूने लेकर प्रयोगशाला जांच के लिए भेजे गए।

खाद्य सुरक्षा पदाधिकारी मो. मंजर हुसैन ने सभी दुकानदारों और प्रतिष्ठान संचालकों को एक्सपायर्ड खाद्य सामग्री की बिक्री नहीं करने, खाद्य उत्पादों की उचित लेबलिंग सुनिश्चित करने, नियमित पेस्ट कंट्रोल कराने, स्वच्छ पानी का उपयोग करने तथा कृत्रिम रंगों के अनावश्यक प्रयोग से बचने का निर्देश दिया।

विद्यार्थियों ने रांची मेले में जाना आधुनिक खेती का भविष्य

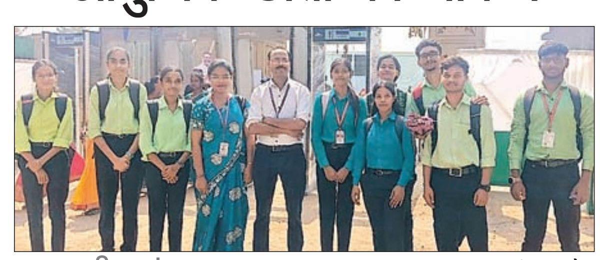

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रामगढ़/रांची : राधा गोविन्द विश्वविद्यालय, रामगढ़ के कृषि विज्ञान विभाग के विद्यार्थियों ने रांची के मोरहाबादी मैदान में आयोजित झारखंड कृषि व्यापार मेले का शैक्षणिक भ्रमण किया। इस दौरान विद्यार्थियों ने आधुनिक कृषि तकनीकों, नवाचारों और कृषि क्षेत्र में हो रहे नए प्रयोगों की जानकारी प्राप्त की।

विभागाध्यक्ष डॉ. नेहा टोप्पो और बिरेंद्र अग्रवाल के मार्गदर्शन में विद्यार्थियों ने मेले में प्रदर्शित उन्नत बीज, जैविक खेती, स्मार्ट कृषि तकनीक और आधुनिक कृषि यंत्रों का गहन अध्ययन किया। मेले में विभिन्न कृषि संस्थानों और विशेषज्ञों ने विद्यार्थियों को कृषि अनुसंधान, नई तकनीकों और कृषि आधारित रोजगार के अवसरों की जानकारी दी। विद्यार्थियों ने विशेषज्ञों से संवाद कर अपनी जिज्ञासाओं का समाधान भी किया। कार्यक्रम के दौरान कृषि में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और डिजिटल तकनीकों की भूमिका पर विशेष चर्चा हुई। विशेषज्ञों ने बताया कि इन तकनीकों के उपयोग से कृषि उत्पादन और किसानों की आय में वृद्धि संभव है।

इसके साथ ही जैविक खेती और सतत कृषि विकास पर भी जोर दिया गया।

संक्षिप्त खबरें

रजरप्पा से निकला स्वच्छता जागरूकता रथ जन-जन तक पहुंचेगा स्वच्छता का संदेश

रजरप्पा : स्वच्छता को जन-जन तक पहुंचाने और समाज में जागरूकता बढ़ाने के उद्देश्य से स्वच्छता पखवाड़ा-2026 के तहत रजरप्पा क्षेत्र से बुधवार को स्वच्छता जागरूकता रथ को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया गया। क्षेत्रीय महाप्रबंधक राजीव सिंह ने रथ को रवाना करते हुए स्वच्छ एवं स्वस्थ समाज के निर्माण का संदेश दिया। यह जागरूकता रथ आगामी दिनों में विभिन्न परियोजना क्षेत्रों, आवासीय कॉलोनियों और आसपास के ग्रामीण इलाकों का भ्रमण करेगा। इसके माध्यम से लोगों को स्वच्छता, स्वास्थ्य सुरक्षा, पर्यावरण संरक्षण और कचरा प्रबंधन के प्रति जागरूक किया जाएगा। अभियान का मुख्य उद्देश्य लोगों में स्वच्छता के प्रति जिम्मेदारी और सहभागिता की भावना विकसित करना है। कार्यक्रम में क्षेत्रीय वित्त प्रबंधक संजय कुमार शर्मा, स्टाफ अधिकारी (खनन) गौतम नाथ, वित्त प्रबंधक चंद्र भूषण, गीतांश अग्रवाल, स्टाफ अधिकारी (एम.एम.) गौरव शर्मा, उप प्रबंधक (कार्मिक) उदय शेखर बुरी सहित कई अधिकारी और कर्मचारी उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संचालन सीएसआर पदाधिकारी आशीष झा ने किया। इस अवसर पर क्षेत्रीय महाप्रबंधक राजीव सिंह ने कहा कि स्वच्छता केवल सरकारी अभियान नहीं, बल्कि समाज की सामूहिक जिम्मेदारी है। उन्होंने कहा कि स्वच्छ वातावरण ही स्वस्थ जीवन और बेहतर भविष्य की नींव रखता है। उन्होंने सभी अधिकारियों, कर्मचारियों और स्थानीय नागरिकों से अपील की कि वे अभियान में सक्रिय भागीदारी निभाएं और स्वच्छता को अपनी दैनिक आदत बनाएं। उन्होंने कहा कि इसी सामूहिक प्रयास से स्वच्छ भारत के लक्ष्य को साकार किया जा सकता है।

गौ सेवा एवं जन-सेवा के माध्यम से प्रेरणा शाखा ने मानवता का दिया संदेश

झुमरी तिलैया : मारवाड़ी युवा मंच झुमरी तिलैया प्रेरणा शाखा द्वारा सेवा एवं संस्कार को समर्पित दो महत्वपूर्ण कार्यक्रमों गौ सेवा एवं जन-सेवा का सफल आयोजन किया गया। कार्यक्रम के प्रथम चरण में गौ सेवा कार्यक्रम के अंतर्गत गौ माताओं को 100 किलो तरबूज, 25 किलो हरा चारा एवं जलेबी खिलाकर उनकी सेवा की गई। इस अवसर पर उपस्थित सदस्यों ने गौ संरक्षण एवं जीवों के प्रति करुणा, संवेदना और सेवा भाव का संदेश समाज तक पहुँचाया। इसके पश्चात शाखा द्वारा जन-सेवा कार्यक्रम आयोजित करते हुए स्थानीय वृद्धाश्रम में निवासरत वृद्धजनों के बीच आटा, चावल, घी, नमक, मसाले एवं अन्य आवश्यक खाद्य सामग्री का वितरण किया गया। इस सेवा कार्य से वृद्धजनों के चेहरे पर प्रसन्नता देखने को मिली।इस अवसर पर शाखा अध्यक्षा आकृति चौधरी ने अपने संबोधन में कहा कि सेवा ही संगठन का मूल उद्देश्य है। गौ सेवा एवं जन-सेवा जैसे कार्य हमें समाज के प्रति अपने दायित्वों का स्मरण कराते हैं। प्रेरणा शाखा भविष्य में भी ऐसे सेवा कार्यों के माध्यम से समाज के हर वर्ग तक सहायता एवं सहयोग पहुँचाने के लिए प्रतिबद्ध रहेगी। कार्यक्रम में शाखा सदस्य सरिका लड्ढा, नेहा जैन, बीना जैन, नेहा हिसारिया एवं श्रिया चौधरी की सक्रिय सहभागिता रही। सभी सदस्यों ने सेवा कार्यों में उत्साहपूर्वक सहयोग प्रदान किया प्रेरणा शाखा द्वारा आयोजित इन सेवा कार्यक्रमों की स्थानीय लोगों ने सराहना करते हुए इसे समाज के लिए प्रेरणादायक पहल बताया।

मॉडर्न पब्लिक स्कूल कोडरमा में 'नेशनल क्रेडिट फ्रेमवर्क' पर कार्यशाला आयोजित

कोडरमा : मॉडर्न पब्लिक स्कूल में राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के तहत सीबीएसई द्वारा लागू किए जा रहे नेशनल क्रेडिट फ्रेमवर्क पर एक दिवसीय शिक्षक प्रशिक्षण कार्यशाला आयोजित की गई। कार्यशाला में प्राचार्य गुरु चरण वर्मा ने शिक्षकों को NCrF की जानकारी देते हुए बताया कि यह नई क्रेडिट आधारित व्यवस्था शिक्षा प्रणाली में बड़ा बदलाव लाएगी। इसमें छात्रों की पढ़ाई और विभिन्न गतिविधियों का रिकॉर्ड एकेडमिक बैंक ऑफ क्रेडिट में डिजिटल रूप से सुरक्षित रहेगा। उन्होंने कहा कि इस प्रणाली में मल्टीपल एंट्री-एग्जिट की सुविधा होगी, जिससे छात्र बीच में पढ़ाई छोड़कर भी बाद में आगे जारी रख सकेंगे। साथ ही प्रोजेक्ट, खेलकूद, कला और अन्य गतिविधियों को भी क्रेडिट में शामिल किया जाएगा। विद्यालय की निर्देशिका संगीता शर्मा ने कार्यशाला की सराहना करते हुए कहा कि इससे शिक्षक नई शिक्षा नीति को बेहतर तरीके से समझ सकेंगे। कार्यशाला के अंत में प्रश्नोत्तर सत्र में शिक्षकों की शंकाओं का समाधान भी किया गया।

कोडरमा में प्रमंडलीय आयुक्त की समीक्षा बैठक लंबित मामलों के त्वरित निष्पादन के दिए निर्देश

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

कोडरमा : उत्तरी छोटानागपुर प्रमंडल, हजारीबाग के प्रमंडलीय आयुक्त विजय कुमार गुप्ता की अध्यक्षता में कोडरमा समाहरणालय सभागार में राजस्व, भू-अर्जन एवं खनन से संबंधित मामलों की विस्तृत समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में जिले के उपायुक्त, सभी अंचल अधिकारी, अवर निबंधक, भूमि सुधार उपसमाहर्ता सहित विभिन्न विभागों के पदाधिकारी उपस्थित थे। बैठक के दौरान न्यायालय वादों, दाखिल-खारिज, रसीद निर्गत, भू-अर्जन एवं भू-हस्तांतरण मामलों की समीक्षा की गई। इसके साथ ही जिला आंतरिक संसाधन, टास्क फोर्स (अवैध खनन रोकथाम) एवं जिला खनिज फाउंडेशन ट्रस्ट से जुड़े कार्यों की भी प्रगति की समीक्षा की गई।

प्रमंडलीय आयुक्त ने दाखिल-खारिज, रजिस्ट्री तथा आवासीय, जाति एवं आय प्रमाण पत्रों के निष्पादन में देरी पर नाराजगी व्यक्त करते हुए सभी अंचल अधिकारियों को निर्देश दिया कि आमजन को अनावश्यक कार्यालयों के चक्कर न लगाने पड़ें और सभी कार्य समयबद्ध रूप से पूरे किए जाएं। उन्होंने भू-अर्जन एवं भू-हस्तांतरण मामलों को प्राथमिकता देते हुए कहा कि विकास परियोजनाओं को गति देने के लिए लंबित मामलों का शीघ्र निष्पादन आवश्यक है। राजस्व संग्रहण की समीक्षा के दौरान परिवहन, उत्पाद, निबंधन, खनन, वाणिज्य कर, कृषि, माप-तौल, बाजार समिति, मत्स्य एवं नगर निकाय विभागों के लक्ष्य एवं उपलब्धियों का आकलन किया गया। आयुक्त ने संबंधित विभागों को राजस्व वसूली के निर्धारित लक्ष्य प्राप्त करने के निर्देश दिए। उत्पाद विभाग को अवैध शराब निर्माण, भंडारण एवं तस्करी के विरुद्ध लगातार छापेमारी अभियान चलाने को कहा गया, जबकि खनन विभाग को अवैध बालू उठाव और खनन गतिविधियों पर सख्त निगरानी रखने तथा दोषियों पर कठोर कार्रवाई करने का निर्देश दिया गया। बैठक में उपायुक्त उत्कर्ष गुप्ता, उप विकास आयुक्त रवि जैन, अपर समाहर्ता संजय पी.एम. कूजूर, अनुमंडल पदाधिकारी निर्मल सोरेन सहित सभी संबंधित विभागों के पदाधिकारी उपस्थित थे। बैठक का मुख्य उद्देश्य प्रशासनिक कार्यों में गति लाना, राजस्व बढ़ाना तथा अवैध गतिविधियों पर प्रभावी नियंत्रण सुनिश्चित करना रहा।

नावाडीह रेलवे स्टेशन पर गोड्डा-नई दिल्ली एक्सप्रेस का ठहराव शुरू, अन्नपूर्णा देवी ने दिखाई हरी झंडी

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

कोडरमा : मरकच्चो प्रखंड के नावाडीह रेलवे स्टेशन पर गाड़ी संख्या 14049/14050 गोड्डाझनई दिल्ली एक्सप्रेस का ठहराव बुधवार से शुरू हो गया। कोडरमा लोकसभा सांसद सह केंद्रीय मंत्री अन्नपूर्णा देवी के प्रयास से यह सुविधा शुरू की गई। स्टेशन परिसर में आयोजित कार्यक्रम में सांसद अन्नपूर्णा देवी और डीआरएम अखिलेश मिश्रा ने संयुक्त रूप से ट्रेन को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। इससे पहले कार्यक्रम का आयोजन स्टेशन के समीप किया गया।

सांसद ने कहा कि यह लंबे समय से क्षेत्र की मांग थी, जो अब पूरी हुई है। इस ठहराव से यात्रियों को दिल्ली सहित अन्य बड़े शहरों तक पहुंचने में सुविधा होगी और उन्हें दूर-दराज के स्टेशनों पर नहीं जाना पड़ेगा, जिससे समय और धन दोनों की बचत होगी।

कार्यक्रम में रेलवे अधिकारियों, जनप्रतिनिधियों और स्थानीय लोगों ने भी भाग लिया। उपस्थित लोगों ने सांसद के प्रयासों की सराहना करते हुए इसे क्षेत्र के विकास और बेहतर रेल संपर्क की दिशा में महत्वपूर्ण कदम बताया।कार्यक्रम को डीआरएम धनबाद अखिलेश मिश्रा, मुखिया संघ के अध्यक्ष बेदु साव आदि ने भी सम्बोधित किया। मंच का संचालन स्टेशन प्रबंधक बी बी सिंह ने की। इस मौके पर डीआर एम अखिलेश मिश्रा, प्रदीप कुमार, मनीष सौरभ, आशीष कुमार, राजेश मीणा, रजनीश कुमार पांडे, प्रशांत कुमार, हर्षवर्धन सिंह, अनूप जोशी, राजकुमार यादव, सावित्री देवी, मुखिया वैजयंती देवी, वेदु साव, जिला महामंत्री विजय यादव, मुखिया रणजीत सिंह, बसंत साव, पवन सिंह,रवींद्र पांडे, किशोर यादव, रामप्रसाद साव, मंडल अध्यक्ष सुनील कुमार यादव, शंभू सिंह, देवी सिंह यादव, महेंद्र कुमार समेत अगल बगल गांव के कई महिला पुरुष उपस्थित थे।

जेब में मोबाइल फोन फटा धमाके में युवक घायल

बरही : बरही में बुधवार को एक युवक के जेब में ही उसका मोबाइल फोन अचानक फट गया। मोबाइल फटने से युवक गंभीर रूप से घायल हो गया। घायल युवक का इलाज बरही अनुमंडलीय अस्पताल में किया गया। सचिन कुमार उम्र 18 वर्ष पिता चेतो सिंह ग्राम बरही मोबाइल फोन को अपनी पैंट की जेब में रखा था। दोपहर को अचानक मोबाइल में विस्फोट हो गया, जिससे उसकी जांघ सहित शरीर के अन्य हिस्से झुलस गए। घटना के बाद परिजनों और स्थानीय लोगों की मदद से उसे तत्काल बरही अनुमंडलीय अस्पताल लाया गया गया, जहां चिकित्सकों ने उसका उपचार किया। मोबाइल फटने के कारणों का पता नहीं चल सका है। चिकित्सक ने क्षतिग्रस्त बैटरी या मोबाइल का उपयोग नहीं करने की सलाह दी है।

नशामुक्ति अभियान तेज: प्रचार रथ, एलईडी शो और नुक्कड़ नाटकों से किया गया जनजागरूकता

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

हजारीबाग : निषिद्ध मादक पदार्थों के दुरुपयोग के विरुद्ध राज्यव्यापी जनजागरूकता अभियान के अंतर्गत अभियान के तीसरे दिन जिला जनसंपर्क कार्यालय, हजारीबाग द्वारा जिले के विभिन्न शहरी एवं ग्रामीण क्षेत्रों में व्यापक जनजागरूकता कार्यक्रम संचालित किया गया।

प्रचार रथों के माध्यम से जागरूकता अभियान

अभियान के तहत पांच जागरूकता प्रचार रथों द्वारा जिले के सार्वजनिक स्थलों, हाट-बाजारों, बस स्टैंडों, रेलवे स्टेशनों, शैक्षणिक संस्थानों, चौक-चौराहों एवं अन्य भीड़-भाड़ वाले क्षेत्रों में प्रचार-प्रसार किया गया। प्रचार रथों द्वारा नगर निगम क्षेत्र के वार्ड संख्या 23 से 29 तक के विभिन्न मार्गों एवं भीड़-भाड़ वाले स्थलों के अतिरिक्त चौपारण प्रखंड के बच्छई, गोविंदपुर, सेलहारा, कला एवं डेबो सिंघरावां पंचायत, ईचाक प्रखंड के चम्पानगर, हदारी ईचाक एवं परासी पंचायत, विष्णुगढ़ प्रखंड के विष्णुगढ़, चेडरा, बकसपुरा एवं अचलजामू पंचायत तथा डाड़ी प्रखंड के रबोध, डाड़ी, रेलीगढ़ा, गिद्दी एवं हेसालौंग पंचायत क्षेत्रों में जागरूकता गतिविधियां संचालित की गईं। इस दौरान नशामुक्ति से संबंधित ऑडियो जिंगल एवं लघु फिल्मों का प्रसारण प्रचार रथों पर स्थापित एलईडी स्क्रीन के माध्यम से किया गया। साथ ही आमजनों के बीच नशामुक्ति संबंधी पंपलेटों का वितरण कर जनजागरूकता संदेश पहुंचाया गया।

नुक्कड़ नाटक के माध्यम से जनजागरूकता

अभियान के अंतर्गत सांस्कृतिक दलों द्वारा जिले के 20 विभिन्न स्थलों पर नुक्कड़ नाटक प्रस्तुत कर निषिद्ध मादक पदार्थों के दुष्प्रभावों एवं नशामुक्त समाज के महत्व के प्रति लोगों को जागरूक किया गया। नुक्कड़ नाटक कार्यक्रम चौपारण प्रखंड के पाण्डेयबारा बुध बाजार एवं चोरदाहा, बरही प्रखंड के दुलमाहा एवं मलकोको, बरकट्ठा प्रखंड के शीलाडीह एवं गोरहर पंचायत क्षेत्र, ईचाक प्रखंड के ईचाक मोड़ हाट एवं चम्पानगर पंचायत, कटकमसांडी प्रखंड के बहिमर गेट बुध बाजार एवं डांड़ पंचायत, सदर प्रखंड के मोरांगी एवं हरहद पंचायत, केरेडारी प्रखंड के गर्रीकला दुर्गा मंडप हाट एवं कराली पंचायत, बड़कागांव प्रखंड के डाड़ीकला एवं सिंदुआरी, विष्णुगढ़ प्रखंड के बनासो बुध बाजार एवं जोबर पंचायत तथा शहरी क्षेत्र के मार्खम कॉलेज परिसर एवं खिरगांव बस स्टैंड सहित विभिन्न सार्वजनिक स्थलों पर आयोजित किए गए।

संक्षिप्त खबरें

शुक्ला गांव में खेत बचाओ अभियान पर हुआ चर्चा

पटमदा : बोड़ाम प्रखंड के रसिकनगर पंचायत के शुक्ला ग्राम में खेत बचाव अभियान के साथ संतुलित उर्वरक उपयोग जागरूकता अभियान का आयोजन हुआ। कार्यक्रम में ग्राम प्रधान, वार्ड सदस्य,कृषक, कृषक मित्र और बीटीएम सुशील कुमार महतो एवम कृषक मित्र संजय महतो, त्रिलोचन महतो उपस्थित हुए। कार्यक्रम में किसानों को खेत बचाव, संतुलित उर्वरक उपयोग, प्राकृतिक खेती, समसामयिक विभागीय योजनाओं, बीजोपचार आदि की विस्तारपूर्वक जानकारी दी गई।बीटीएम सुशील महतो ने बताया कि किसानों को जैविक खेती की और जोड़ने के साथ खेतो की उर्वरा शक्ति को बरकरार रखने को जागरूक किया गया।

सड़क दुर्घटना में एक की मौत, एक घायल

बरही : बरही थाना क्षेत्र अंतर्गत कोल्हुआकला पंचायत के तिलैया बस्ती में सड़क दुर्घटना में बाइक सवार युवक की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि एक अन्य युवक गंभीर रूप से घायल हो गया। मोटरसाइकिल सवार विशाल कुमार सिंह (23 वर्ष) पिता सुरेश सिंह इंदरवा निवासी अपने बहनोई गौतम सिंह पिता रितु सिंह महुआटांड़ निवासी के साथ जा रहे थे। इसी दौरान तिलैया बस्ती के समीप एक तेज रफ्तार अज्ञात पिकअप वैन ने उनकी बाइक को जोरदार टक्कर मार दी। दुर्घटना में विशाल कुमार सिंह की घटनास्थल पर ही मौत हो गई, जबकि गोविंद सिंह गंभीर रूप से घायल हो गए। स्थानीय लोगों की मदद से घायल को तत्काल बरही अनुमंडलीय अस्पताल पहुंचाया गया, जहां प्राथमिक उपचार के बाद उनकी गंभीर स्थिति को देखते हुए बेहतर इलाज के लिए हजारीबाग रेफर कर दिया गया। घटना की सूचना मिलने पर बरही पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है। पुलिस मामले की जांच में जुटी हुई है। घटना की सूचना मिलते ही सांसद प्रतिनिधि मणिलाल यादव, सामाजिक कार्यकर्ता डिलो पासवान, टेकलाल यादव, लक्ष्मण राम, कैलाश यादव, लक्ष्मण पासवान समेत अन्य लोगों ने मिलकर घायल को भेजवाने में सहयोग किया।

महुआ शराब के विवाद में युवक की संदिग्ध मौत, आरोपी की तलाश में जुटी पुलिस

चांडिल : चांडिल थाना क्षेत्र के सालगाडीह गांव में महुआ शराब पीने के दौरान हुए विवाद के बाद एक युवक की मौत हो गई। मृतक की पहचान सालगाडीह निवासी छूटू लोहार के रूप में हुई है। घटना के बाद गांव में चर्चा और आक्रोश का माहौल बना हुआ है। जानकारी के अनुसार मंगलवार शाम छूटू लोहार भादुडीह निवासी मानिक मंडल के घर गया था, जहां दोनों महुआ शराब का सेवन कर रहे थे। इसी दौरान किसी बात को लेकर दोनों के बीच विवाद शुरू हो गया। प्रत्यक्षदर्शियों और परिजनों का आरोप है कि कहासुनी बढ़ने पर मानिक मंडल ने पहले गर्म पानी फेंका और फिर पत्थर तथा लाठी-डंडे से हमला कर दिया, जिससे छूटू गंभीर रूप से घायल हो गया। घायल अवस्था में उसे तत्काल इलाज के लिए जमशेदपुर के एमजीएम अस्पताल ले जाया गया, जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। घटना के बाद आरोपी मौके से फरार बताया जा रहा है। सूचना मिलने पर चांडिल पुलिस ने मौके पर पहुंचकर जांच शुरू कर दी है। शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है और आरोपी की गिरफ्तारी के लिए संभावित ठिकानों पर छापेमारी की जा रही है।

विधायक की अनुशंसा पर लगा 63 केवी का नया ट्रांसफॉर

प्रत्युष नवबिहार संवाददाता

सरिया : सरिया प्रखंड के अमनारी पंचायत अंतर्गत ग्राम-रेहाटांड़ (बिचटोला) के ग्रामीणों को लंबे समय से चली आ रही बिजली की समस्या से बड़ी राहत मिली है। ग्रामीणों की मांग और जरूरत को देखते हुए यहाँ पूर्व में स्थापित 25 ड्श के कम क्षमता वाले ट्रांसफॉर्मर के स्थान पर अब 63 KV का नया और बड़ा ट्रांसफॉर्मर उपलब्ध करा दिया गया है। यह सराहनीय कार्य बगोदर विधानसभा के लोकप्रिय विधायक नागेन्द्र महतो जी की अनुशंसा एवं स्थानीय मुखिया अजय यादव के अथक प्रयासों के फलस्वरूप संभव हो पाया है। नया ट्रांसफॉर्मर लग जाने से अब क्षेत्र में लो-वोल्टेज और बार-बार फ्यूज उड़ने की समस्या से निजात मिलेगी। इस कार्य को धरातल पर उतारने में स्थानीय ग्रामीणों की एकजुटता और सक्रियता भी बेमिसाल रही। ट्रांसफॉर्मर बदलवाने और इसे सुचारू रूप से स्थापित करवाने में मुख्य रूप से डॉ. मुन्ना मंडल, नौकि मंडल, शिक्षक द्वारिका मंडल, बासुदेव मंडल, सुरेन्द्र मंडल, विकास मंडल, दुलारचन्द्र मंडल,शिक्षक मनोज मंडल, राजेश मंडल सहित सभी ग्रामीणों का सराहनीय सहयोग रहा। ग्रामीणों ने त्वरित कार्रवाई के लिए विद्युत विभाग के संबंधित अधिकारियों एवं ऊर्जाकर्मियों का भी विशेष रूप से धन्यवाद किया है। ग्रामीणों ने कहा कि विभाग के सहयोग और तत्परता के बिना इतनी जल्दी यह कार्य संभव नहीं था। इस विकास कार्य से पूरे बिचटोला में खुशी का माहौल है।

चांडिल-कांड्रा सड़क की बदहाली पर ग्रामीणों का प्रेस कॉन्फ्रेंस, बड़े आंदोलन की चेतावनी

प्रत्युष नवबिहार संवाददाता

चांडिल : चांडिल-कांड्रा सड़क की जर्जर स्थिति को लेकर बुधवार को बुद्धा एकेडमी स्कूल परिसर में ग्रामीणों द्वारा प्रेस कॉन्फ्रेंस आयोजित की गई। प्रेस वार्ता में आंदोलन का नेतृत्व कर रहे ग्रामीणों ने सड़क की बदहाल स्थिति पर चिंता जताते हुए जनप्रतिनिधियों और प्रशासन पर उदासीनता का आरोप लगाया। ग्रामीणों ने कहा कि चांडिल-कांड्रा सड़क की खराब हालत किसी से छिपी नहीं है। सड़क की मरम्मत और निर्माण की मांग को लेकर पिछले कई महीनों से लगातार आंदोलन और ज्ञापन सौंपे जा रहे हैं, लेकिन अब तक कोई ठोस पहल नहीं की गई है। ग्रामीणों के अनुसार 17 अक्टूबर 2025 को प्रखंड विकास पदाधिकारी (बीडीओ) को ज्ञापन सौंपा गया था। इसके बाद 24 नवंबर 2025 को अनुमंडल पदाधिकारी (एसडीएम) को भी मांग पत्र दिया गया। 12 दिसंबर 2025 को सड़क निर्माण की मांग को लेकर पुतला दहन कार्यक्रम आयोजित किया गया। वहीं 30 मार्च 2026 को पथ निर्माण विभाग, परिवहन विभाग एवं उपायुक्त को ज्ञापन सौंपा गया। 15 अप्रैल 2026 को लगभग 1500 महिला एवं पुरुषों की भागीदारी के साथ प्रखंड कार्यालय का घेराव भी किया गया था।

ग्रामीणों ने बताया कि 14 जून 2026 को सांसद से मुलाकात के लिए समय लिया गया था। सांसद द्वारा शाम 4 बजे मिलने का समय निर्धारित किया गया था। इसके लिए चांडिल गोलचक्कर में करीब 40 महिला एवं पुरुष एकत्रित हुए थे, लेकिन उनसे मुलाकात नहीं हो सकी। ग्रामीणों ने इसे क्षेत्र की जनसमस्याओं के प्रति जनप्रतिनिधियों की उदासीनता बताया।

डीआरएम ने किया धनबाद कोडरमा रेल खंड का निरीक्षण

सरिया : बुधवार को धनबाद मंडल रेल प्रबंधक अखिलेश मिश्रा द्वारा धनबाद कोडरमा रेल खंड का विंडो ट्रेनिंग निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने रेल खंड में संरक्षण संरचनात्मक सुविधाओं एवं यात्री सुविधाओं की समीक्षा भी की। स्वच्छता व्यवस्था एवं आधारभूत संरचनाओं का जायजा लिया तथा संबंधित अधिकारियों को कई आवश्यक दिशा निर्देश दिए। इस मौके पर धनबाद रेल मंडल के कई अधिकारी व कर्मचारी गण उपस्थित थे उक्त जानकारी वरीय मंडल वाणिज्य प्रबंधक धनबाद एवं संपर्क अधिकारी मनीष सौरभ ने प्रेस विज्ञप्ति जारी कर दी।

इलेक्ट्रिक दुकान का शटर तोड़कर नगदी समेत 2 लाख रुपये के सामान चोरी, थाना में मामला दर्ज

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

पटमदा : पटमदा थाना के बेलटांड़ चौक स्थित एक झारखंड इलेक्ट्रॉनिक नामक दुकान से बीती रात अज्ञात लोगों ने शटर का ताला तोड़कर दुकान में रखे नगदी पांच हजार रुपए समेत 2 लाख रुपए के सामान की चोरी कर ली है। इस संबंध में बुधवार को दुकान के मालिक थाना क्षेत्र के द्वारीडीह निवासी शेख आसिफ ने पटमदा थाना में लिखित आवेदन दिया है। आवेदन में शेख आसिफ ने पुलिस को बताया है कि बेलटांड़ के बिकल सिंह के मकान पर भाड़े में इलेक्ट्रिक दुकान चलाता हूं। अन्य दिनों के तरह मंगलवार को भी रात करीब 8 बजे दुकान को बंद करते हुए घर चला गया। आज सुबह करीब 9 बजे दुकान पहुंचे तो शटर का ताला टूटा हुआ था। दुकान का अंदर घुसने पर पता चला कि 45 कॉयल तार, मिक्सर मशीन 3 पीस, इंडक्शन चूल्हा 1 पीस और दराज में रखा हुआ 5 हजार रुपए गायब था। उन्होंने बताया कि चोरी की गई सामानों की कीमत लगभग 2 लाख रुपए है। इधर मामले की जानकारी मिलते ही ग्राम प्रधान बृंदावन दास समेत स्थानीय दुकानदार भी मौके पर पहुंच कर पीड़ित दुकानदार से मामले की जानकारी ली।

झारखंड पेंशनर कल्याण समाज के उपाध्यक्ष रामचंद्र पांडेय का निधन, दी गई श्रद्धांजलि

बरही : झारखंड पेंशनर कल्याण समाज सह बुद्धिजीवी मंच के उपाध्यक्ष रामचंद्र पांडेय की आकस्मिक निधन पर बुद्धिजीवी मंच कार्यालय में शोक सभा का आयोजन किया गया। इसमें स्व रामचंद्र पांडेय के चित्र पर पुष्प अर्चन कर श्रद्धा सुमन अर्पित किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता अध्यक्ष ईशो सिंह एवं संचालन सचिव महेंद्र प्रसाद दुबे ने किया। उपस्थित पदाधिकारियों एवं सदस्यों ने दो मिनट का मौन रखकर दिवंगत आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना की। सभा में उनके आदर्शों और सिद्धांतों पर चलने का संकल्प लिया गया। इस अवसर पर सभा के पदाधिकारियों ने रामचंद्र पांडेय द्वारा समाज के लिए किए गए कार्यों को याद किया और उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की। शोक सभा में कामेश्वर सिंह, राम प्रसाद राम, सरयू राम, नकुल देव राणा, कैलाशपति सिंह, बासुदेव राम, जानकी ठाकुर, साधु शरण राम, कैलाश प्रसाद, कामता सिंह, मनोज कुमार, रामेश्वर महतो, रामलखन दास, कृष्णा कुमार गुप्ता उपस्थित रहे।

सांसद से मिले भाजपा जिला संगठन प्रभारी किसुन कुमार दास, संगठन विस्तार पर हुई चर्चा

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

हजारीबाग : भाजपा के हजारीबाग जिला संगठन प्रभारी, अनुसूचित जाति मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष सह सिमरिया के पूर्व विधायक किसुन कुमार दास अपने हजारीबाग प्रवास के दौरान बुधवार को वे सांसद मनीष जायसवाल के विशेश्वर दयाल जायसवाल पथ स्थित आवास पहुंचे। मौके पर सांसद मनीष जायसवाल ने उन्हें गुलदस्ता देकर सम्मानित किया। इस शिष्टाचार मुलाकात के दौरान दोनों नेताओं के बीच जिले में आगामी पार्टी कार्यक्रमों और संगठन की मजबूती को लेकर विस्तृत चर्चा हुई। इस अवसर पर भाजपा प्रदेश कार्यसमिति सदस्य अनिल मिश्रा, जिला महामंत्री जयनारायण मेहता, सांसद प्रतिनिधि सत्येंद्र नारायण सिंह, जिला सांसद प्रतिनिधि अजय कुमार साहू, हजारीबाग लोकसभा क्षेत्र के सांसद मीडिया प्रतिनिधि रंजन चौधरी और सांसद सेवा कार्यालय प्रभारी विजय वर्मा मुख्य रूप से उपस्थित थे।

कार्यपालक अभियंता का कार्यालय पेयजल एवं स्वच्छता प्रमण्डल, गुमला
Email-eedwsd.gumla@gmail.com

अति–अल्पकालीन निविदा आमंत्रण सूचना संख्या – 11/2026–27
जिला योजना अनाबद्ध मद

1. विभाग का नाम :–पेयजल एवं स्वच्छता विभाग झारखण्ड़।
2. विज्ञापनदाता का पदनाम एवं पता :–कार्यपालक अभियंता, पेयजल एवं स्वच्छता प्रमण्डल, गुमला।
3. परिमाण विपत्र बिक्री की अंतिम तिथि एवं समय (छुटटी के दिनो को छोड़कर) :–24.06.2026 के अपराहन 1.00 बजे तक
4. निविदा प्राप्ति की अंतिम तिथि एवं समय :–25.06.2026 को 4.00 बजे अपराह्न तक।
5. निविदा खोलने की संभावित तिथि एवं समय :–25.06.2026 को 4.30 बजे अपराह्न।
6. निविदा परिमाण विपत्र बिक्री का स्थान :–(क) कार्यपालक अभियंता, पेयजल एवं स्वच्छता प्रमंडल, गुमला। (ख) सहायक अभियंता, पेयजल एवं स्वच्छता अवर प्रमंडल सं0–2, गुमला।
7. निविदा प्राप्ति का स्थान :– (क)कार्यपालक अभियंता, पेयजल एवं स्वच्छता प्रमण्डल, गुमला।

क्र0	कार्य का नाम	प्राक्कलित राशि	अग्रधन की राशि	परिमाण बिपत्र का मूल्य	कार्य पूर्ण करने की अवधि
1	रायडीह प्रखण्ड अंतर्गत कोब्जा पंचायत के रमजा ग्राम के आवरा लोंगरा टोली में पेयजलापूर्ति निर्माण कार्य।	9,08,700.00	18,200.00	1250.00	01 माह
2	रायडीह प्रखण्ड अंतर्गत कोब्जा पंचायत के रमजा ग्राम के बुची डांड़ी टोली में पेयजलापूर्ति निर्माण कार्य।	9,08,700.00	18,200.00	1250.00	01 माह
3	रायडीह प्रखण्ड अंतर्गत कोब्जा पंचायत के रमजा ग्राम के गलगुत्री टोली में पेयजलापूर्ति निर्माण कार्य।	9,08,700.00	18,200.00	1250.00	01 माह
4	रायडीह प्रखण्ड अंतर्गत कोब्जा पंचायत के रमजा ग्राम के नवाटोली में पेयजलापूर्ति निर्माण कार्य।	9,08,700.00	18,200.00	1250.00	01 माह
5	रायडीह प्रखण्ड अंतर्गत सुरसांग पंचायत के बिरकेरा ग्राम में पेयजलापूर्ति निर्माण कार्य।	2,95,500.00	6,000.00	750.00	01 माह
6	रायडीह प्रखण्ड अंतर्गत कोब्जा पंचायत के रमजा ग्राम के दक्षिणी गलगुत्री टोली में पेयजलापूर्ति निर्माण कार्य।	4,21,000.00	8,500.00	750.00	01 माह

निविदा की नियम एवं शर्ते :– कार्यालय सूचना पट पर उपलब्ध है।
:– प्राक्कलित राशि आवश्यकतानुसार घट/बढ़ सकती है।

कार्यपालक अभियंता,
पेयजल एवं स्वच्छता प्रमण्डल,गुमला

PR 382598 (Drinking Water and Sanitation)26-27*D

सांसद ने किया सघन दौरा, संगठनात्मक बैठकें और शोकाकुल परिवारों से मुलाकात

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

पदमा : प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के सफल नेतृत्व के 12 वर्ष पूरे होने के उपलक्ष्य में भारतीय जनता पार्टी के शीर्ष नेतृत्व के निर्देश पर चल रहे संगठनात्मक कार्यक्रम के तहत हजारीबाग लोकसभा क्षेत्र के सांसद मनीष जायसवाल ने बरही विधानसभा क्षेत्र के प्रवास के क्रम में पदमा प्रखंड का सघन दौरा किया। बरही विधानसभा क्षेत्र के इस प्रवास कार्यक्रम की शुरूआत उन्होंने पदमा प्रखंड के ग्राम परतन में सामाजिक कार्यकर्ता जयप्रकाश मेहता के आवासीय परिसर से की। जहां सांसद मनीष जायसवाल ने क्षेत्र के विशिष्टजनों से आत्मीय मुलाकात की। इसके बाद वे ग्राम सूरजपुरा पहुंचे और भाजपा मंडल मंत्री सह विहिप नेता मनोज गुप्ता के आवास पर स्थानीय प्रबुद्धजनों से संवाद किया। सांसद मनीष जायसवाल ग्राम पंचायत रोमी पहुंचे, जहां रोमी पैक्स अध्यक्ष पीरु प्रसाद मेहता के आवासीय परिसर में स्थानीय भाजपा कार्यकर्ताओं, शुभचिंतकों और विशिष्टजनों संग बैठक कर संगठन की मजबूती पर चर्चा की। इस दौरान मुख्य रूप से भाजपा प्रदेश कार्यसमिति सदस्य अनिल मिश्रा, सांसद प्रतिनिधि सत्येंद्र नारायण सिंह, जिला सांसद प्रतिनिधि अजय कुमार साहू, मीडिया प्रतिनिधि रंजन चौधरी, मंडल अध्यक्ष बाबूलाल मेहता, प्रमुख वीणा देवी, मुकुंद साव, रंजीत चंद्रवंशी, अजय मेहता, रमेश ठाकुर, नारायण यादव, गुरुदेव गुप्ता, बसंत मेहता, आकाश जायसवाल, सुरेंद्र गुप्ता, रामानंद गिरी, कमांडो मेहता, महेंद्र पांडेय, मुनेश्वर मेहता, सीताराम मेहता, रमाकांत गिरी, राजकुमार मेहता, अशोक सिंह और विकास कुमार सहित दर्जनों गणमान्य लोग उपस्थित रहे। दौरे के दौरान सांसद मनीष जायसवाल पदमा प्रखंड के विभिन्न गांवों में हुए हालिया हादसों से प्रभावित शोकाकुल परिवारों के बीच पहुंचे और उनका ढांढस बंधाया। वे बिहारी पंचायत के दो शोकाकुल परिवारों के बीच पहुंचे, जहां झारखंड पुलिस में कार्यरत प्रवीण प्रसाद मेहता के सुपुत्र उमाशंकर मेहता के आकस्मिक निधन और पूर्व चालक शंकर प्रसाद मेहता के एकलौते सुपुत्र शशिकांत मेहता के सड़क दुर्घटना में असामयिक निधन पर गहरा शोक जताया। इस दौरान मुखिया चंचला देवी, किशोरी प्रसाद मेहता, शिव शंकर तिवारी, सकलदेव मेहता, श्याम सुंदर पाण्डेय, सन्नी कुमार, जितेंद्र प्रसाद मेहता और महेश प्रसाद मेहता उपस्थित रहे। इसके बाद वे ग्राम बुंडू पहुंचे, जहां दुबई में कारपेंटर का कार्य करने वाले राजेंद्र राम के सुपुत्र सत्यनारायण राम के हृदय गति रुकने से हुए आकस्मिक निधन पर उनके दो मासूम बच्चों और परिजनों को हिम्मत बंधाई। इस मौके पर गणेश यादव, राघव गोप, मनोज पांडेय, शंकर यादव, संजय राणा, अमिताभ पाण्डेय, उमेश पांडेय और लक्ष्मण पाण्डेय उपस्थित रहे। अंत में सांसद ग्राम महकोल पहुंचे, जहां बैंगलोर में वेल्डर का काम करने वाले सन्नी रविदास (पिता द्वारिका रविदास) के सड़क दुर्घटना में हुए निधन पर अपनी संवेदना व्यक्त की और पीड़ित परिवार को भरोसा दिलाया कि वे एक बेटे के रूप में हमेशा उनके साथ खड़े रहेंगे। वहां शंभू रविदास, राजकुमार रविदास, जीवलाल रविदास, बुधन रविदास, दिनेश रविदास, मुकेश रविदास और कुंदन रविदास सहित अन्य लोग उपस्थित थे।

झारखण्ड सरकार
कार्यपालक अभियन्ता का कार्यालय,
पेयजल एवं स्वच्छता प्रमण्डल, राँची पूर्व,राँची

अति अल्पकालिन निविदा सूचना –13/2026–27

1) विभाग का नाम : पेयजल एवं स्वचछता विभाग, झारखण्ड, रॉची ।
2) विज्ञापन दाता का नाम : कार्यपालक अभियंता, पेयजल एवं स्वचछता प्रमंडल,रॉची पूर्व रॉची ।
3) परिमाण विपत्र की बिक्री की अंतिम तिथि एवं समय : 24.6.2026 अपराह्न 5 बजे तक।
4) निविदा प्राप्ति की अंतिम तिथि एवं समय : 25.6.2026 अपराहन 3:30 बजे तक।
5) निविदा खोलने की तिथि एवं समय : 25.6.2026 अपराह्न 4 बजे।
6) परिमाण विपत्र की बिक्री का स्थान : 1) कार्यपालक अभियंता, का कार्यालय,पेयजल एवं स्वच्छता प्रमंडल, रॉची पूर्व, रॉची। 2) अधीक्षण अभियन्ता, का कार्यालय, पेयजल एवं स्वच्छता, राँची अंचल, राँची।
7) निविदा प्राप्ति का स्थान : 1) कार्यपालक अभियन्ता का कार्यालय, पेयजल एवं स्वच्छता प्रमंडल, राँची पूर्व, राँची।
8) कार्य विवरणी :

क्र0	कार्य का नाम	प्रा० राशि (लाख में)	अग्रधन की राशि (रु० में)	परिमाण वि० का मूल्य	कार्य समाप्ति की अवधि
1	Seepage repair and Renovation , improvement of water supply and sewarage work with changing of fittings at Quarter no. B-2, B-18, Behind Indira palace, Hinoo, B-26, B-28 near seth sitaram, Doranda and Other High court quarters Under D. W. & S. Division Ranchi East, Ranchi.	1079750.00	21600.00	2500.00	15 Days
2	Seepage repair and Renovation , improvement of water supply and sewarage work with changing of all fittings at Quarter no. B-1694, Sector- 2, CD/700/OHC-II, B-2197-II, CD-708-II & othersVidhansabha quarters dhurwa Under D. W. & S. Division Ranchi East, Ranchi.	1490670.00	29900.00	2500.00	30 Days
3	Seepage repair and Renovation , improvement of water supply and sewarage work with changing of all fittings at Quarter no. B-2174, Sector- 2, A-269, Sector-2 & othersVidhansabha quarters dhurwa Under D. W. & S. Division Ranchi East, Ranchi.	1262952.00	25300.00	2500.00	15 Days

आवश्यक शर्तों के लिए देखें www.jharkhand.gov.in
Email ID- eedwsd.ranchieast@gmail.com

कार्यपालक अभियंता
पेयजल एवं स्व० प्र० रॉची पूर्व रॉची

PR 382604 Drinking Water and Sanitation(26-27).D

आईआईटी की दहलीज पर बेटियों की रिकॉर्ड दस्तक

हाल ही में जेईई एडवांस्ड-2026 परीक्षा में लड़कियों की शानदार सफलता की जो खबरें आई हैं, उसने एसटीईएम (स्टेम) यानी विज्ञान, प्रौद्योगिकी, इंजीनियरिंग और गणित के क्षेत्र में महिलाओं के भविष्य की तस्वीर साफ होने लगी है। विज्ञान, प्रौद्योगिकी, इंजीनियरिंग और गणित के क्षेत्र में आधी आबादी के लिए यह एक ऐतिहासिक उपलब्धि है। देश में इंजीनियरिंग यानी आईआईटी में शिक्षा एक पुरुष प्रधान क्षेत्र बना हुआ है। हमारे घरों में जो बच्चियों की शिक्षा को लेकर मुखर हैं, वे भी अपने बेटों को इंजीनियर और बेटियों को डाक्टर बनाना पहली प्राथमिकता में रखते हैं। फिर भी यह सफलता हमारे घरों की बदलती सोच और आर्थिक व्यवस्था के कुछ सुराग तो दे ही रहा है। चार जून का प्रकाशित हुए अखबारों में प्रमुख रूप से इस खबर को प्रकाशित किया कि इस बार जेईई एडवांस्ड-2026 परीक्षा में पहली बार लगभग 10,000 लड़कियां ने पास की है। इस परीक्षा में कुल 56,880 अभ्यर्थी सफल हुए जिनमें से 10,107 सफल लड़कियां शामिल हैं। इन आकड़ों में लगभग चार अभ्यर्थियों में से एक अभ्यर्थी लड़की है। यह ऐतिहासिक सफलता केवल परीक्षा परिणामों का आंकड़ा मात्र नहीं है, वरन हमारे समाज में शिक्षा, अवसर और लैंगिक समानता के क्षेत्र में हो रहे सकारात्मक परिवर्तन का संकेत भी है। यह सफलता महिलाओं को विज्ञान, प्रौद्योगिकी, इंजीनियरिंग और गणित क्षेत्रों में एक 'पुश' के तौर पर देखा जा रहा है। आज एआई, डेटा साइंस, रोबोटिक्स और नई तकनीकों ने पूरे समाज, संस्कृति और अर्थिकीय को अपने आगोश में ले रखा है, इससे आधी आबादी का दूर रहना एक बहुत बड़े सामाजिक असंतुलन के रूप में सामने आ सकता है। ऐसे में जेईई एडवांस्ड-2026 के परिणाम भविष्य में देश की नई तस्वीर का निर्माण कर सकते हैं। हालांकि अभी भी शीर्ष रैंकों और तकनीकी क्षेत्रों में महिलाओं की भागीदारी को और बढ़ाने की आवश्यकता है। मात्र इस तरह की भी सफलताओं से विज्ञान, प्रौद्योगिकी, इंजीनियरिंग और गणित क्षेत्र में महिलाओं की भागीदारी सुनिश्चित नहीं की जा सकती है। महिलाओं के जीवन में इतने पड़ाव आते हैं कि विज्ञान, प्रौद्योगिकी, इंजीनियरिंग और गणित विषयों में पढ़ने-लिखने के बाद भी योगदान देने से वे वंचित रह जाती हैं। आर्थिक तौर पर यह पढ़ाई महंगी होती है, देश इन क्षेत्रों में महिलाओं को आगे बढ़ाने के लिए कई तरह की आर्थिक सहायता भी देता है। अगर कार्यक्षेत्र तक महिलाएं आगे नहीं आ सकेंगी, तो नुकसान हमारे समाज और देश का ही ज्यादा होगा। जनवरी, 2026 को राज्यसभा में केंद्रीय मंत्री डॉ. जितेंद्र सिंह ने एक प्रश्न के उत्तर में बताया था कि अखिल भारतीय उच्च शिक्षा सर्वेक्षण 2021-22 के अनुसार देश में उच्च शिक्षा स्तर स्टेम विषयों में महिलाओं की कुल हिस्सेदारी 43 फीसदी है। इसी तरह विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग की अनुसंधान और विकास सांख्यिकी रिपोर्ट-2023 के अनुसार देश में अनुसंधान और विकास गतिविधियों में स्टेम पेशेवरों के रूप में कुल महिला कार्यबल की हिस्सेदारी 18.6 फीसदी है। इनमें से 45.8 फीसदी सरकारी संस्थानों में, 27.6 फीसदी उच्च शिक्षा क्षेत्र में और 26.5 फीसदी औद्योगिक क्षेत्र में कार्यरत हैं। इन आंकड़ों से भी पता चल रहा है कि जितनी महिलाएं स्टेम विषयों को लेकर अपना करियर बनाने का पथ चुन रही हैं, उतनी महिलाओं कार्यक्षेत्र तक नहीं पहुंच पा रही हैं। यूनेस्को का अपनी रिपोर्ट में मानना है कि भारत में एसटीईएम ग्रेजुएट में महिलाओं की भागीदारी 43 फीसदी है, जबकि इन क्षेत्रों में उनकी नौकरियों में भागीदारी मात्र 14 फीसदी है। तो प्रश्न उठता है कि विज्ञान, प्रौद्योगिकी, इंजीनियरिंग और गणित पढ़ी हुई महिलाएं गुम कहां हो जाती हैं? क्या समाज और संस्कृति की गहरी जड़ें जमा चुकी परंपराएं और मान्यतागत भेदभाव कहीं न कहीं इन क्षेत्रों में महिलाओं के रोजगार में बाधा बन जाते हैं।

विश्व शांति एवं संतुलन के लिए आत्ममंथन हो जी-7 बैठक में

ललित गर्ग

फ्रांस में आयोजित जी-7 शिखर सम्मेलन पर इस समय पूरी दुनिया की निगाहें टिकी हुई हैं। वैश्विक अर्थव्यवस्था, अंतरराष्ट्रीय राजनीति, व्यापार, जलवायु परिवर्तन, कृत्रिम बुद्धिमत्ता, ऊर्जा सुरक्षा और युद्ध जैसे अनेक महत्वपूर्ण विषयों पर चर्चा के लिए दुनिया की सात प्रमुख विकसित अर्थव्यवस्थाओं का यह मंच एकत्रित हुआ है। ऐसे समय में यह प्रश्न स्वाभाविक रूप से उठता है कि क्या जी-7 आज भी उतना ही प्रासंगिक और प्रभावशाली है, जितना उसकी स्थापना के समय था? क्या यह संगठन वास्तव में वैश्विक समस्याओं के समाधान का मंच बन पाया है अथवा यह कुछ शक्तिशाली देशों के हितों की रक्षा का माध्यम बनकर रह गया है? क्या इस मंच की प्रासंगिकता एवं उपयोगिता को अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप अपने स्वार्थों के चलते धुंधलाने में लगे हैं? विश्व में शांति स्थापना, संतुलित आर्थिक विकास और अंतरराष्ट्रीय सहयोग को बढ़ावा देने के उद्देश्य से बने विभिन्न वैश्विक संगठनों की सफलता का मूल्यांकन उनके परिणामों से होता है, न कि उनके घोषणापत्रों से। दुर्भाग्य से जी-7 के संदर्भ में यह प्रश्न बार-बार उठता रहा है कि उसके निर्णयों और घोषणाओं का वास्तविक प्रभाव कितना है। पिछले वर्षों में रूस-यूक्रेन युद्ध, पश्चिम एशिया का संकट, वैश्विक आर्थिक अस्थिरता, जलवायु परिवर्तन की चुनौती और बढ़ती व्यापारिक प्रतिस्पर्धा जैसी समस्याओं के समाधान में यह संगठन अपेक्षित भूमिका निभाने में सफल नहीं दिखा है।

जी-7 में अमेरिका, ब्रिटेन, फ्रांस, जर्मनी, इटली, कनाडा और जापान शामिल हैं, लेकिन व्यवहारिक रूप से इसकी दिशा और नीति निर्धारण पर अमेरिका का प्रभाव सबसे अधिक दिखाई देता है। विशेष रूप से राष्ट्रपति ट्रंप के नेतृत्व में अमेरिका की विदेश नीति ने सहयोग के बजाय दबाव और वर्चस्व की प्रवृत्ति को बढ़ावा दिया है। ट्रंप ने अपने सहयोगी देशों के साथ भी कई बार ऐसा व्यवहार किया है, मानो वे साझेदार नहीं बल्कि अमेरिकी नीतियों का अनुसरण करने वाले अनुयायी हों। टैरिफ युद्ध, व्यापारिक प्रतिबंध, रक्षा व्यय को लेकर दबाव और अनेक एकतरफा निर्णयों ने सदस्य देशों के बीच अविश्वास बढ़ाया है। विशेषतः ईरान- इजरायल युद्ध ने समूची दुनिया की अर्थव्यवस्था का धराशायी कर दिया और यह अब अमेरिका के कारण ही हुआ है क्योंकि पिछले कुछ महीनों में हिंसक संघर्ष ने पूरे क्षेत्र को एक व्यापक युद्ध की आशंका से भर दिया था। ईरान, इजरायल और इस क्षेत्र के अनेक गैर-राज्यीय समूह आमने-सामने खड़े दिखाई दे रहे थे। इस संघर्ष का सबसे महत्वपूर्ण केंद्र होर्मुज जलमार्ग बन गया था, जहां से विश्व के लगभग पांचवें हिस्से का तेल गुजरता है। जी-7 समूह के देश भी इसको लेकर बंटे हुए थे।

यही कारण है कि जी-7 के भीतर आज पहले जैसी एकजुटता दिखाई नहीं देती। फ्रांस, जर्मनी, कनाडा और जापान जैसे देश कई मुद्दों पर अमेरिका से अलग दृष्टिकोण रखते हैं। ईरान युद्ध ही नहीं, बल्कि जलवायु परिवर्तन के प्रश्न पर, वैश्विक व्यापार के नियमों पर और बहुपक्षीय संस्थाओं की भूमिका को लेकर भी मतभेद सामने आते रहे हैं। ऐसे में यह अपेक्षा करना कठिन है कि यह संगठन विश्व की जटिल समस्याओं के समाधान के लिए कोई सर्वमान्य और प्रभावी रणनीति प्रस्तुत कर पाएगा। इस सम्मेलन में भारत की उपस्थिति विशेष महत्व रखती है। भारत भले ही जी-7 का सदस्य न हो, लेकिन उसकी बढ़ती आर्थिक शक्ति, वैश्विक प्रतिष्ठा और विकासशील देशों के प्रतिनिधि स्वरूप ने उसे इस मंच का एक महत्वपूर्ण सहभागी बना दिया है। यह अवसर केवल भारत की उपलब्धियों को प्रस्तुत करने का नहीं, बल्कि उन विकासशील और निर्धन देशों की आकांक्षाओं को मुखर करने का भी है, जिनकी आवाज अक्सर वैश्विक निर्णय प्रक्रिया में दब जाती है।

आज अफ्रीका, एशिया और लैटिन अमेरिका के अनेक देश आर्थिक संकट, खाद्य असुरक्षा, जलवायु आपदाओं और ऋण के बोझ से जूझ रहे हैं। उनकी प्राथमिकताएं जी-7 देशों की प्राथमिकताओं से भिन्न हैं। इसलिए भारत को यह प्रश्न उठाना चाहिए कि क्या विश्व की दिशा तय करने का अधिकार केवल कुछ विकसित देशों तक सीमित रहना चाहिए? क्या वैश्विक शासन व्यवस्था को अधिक लोकतांत्रिक, समावेशी और प्रतिनिधिक नहीं बनाया जाना चाहिए? यह समय विकासशील देशों की आवाज को मजबूती देने और वैश्विक दक्षिण (ग्लोबल साउथ) की चिंताओं को केंद्र में लाने का है। जी-7 की प्रासंगिकता पर सबसे बड़ा प्रश्न उसकी प्रभावशीलता को लेकर है। यदि कोई संगठन विश्व की प्रमुख समस्याओं को रोकने या सुलझाने में सक्षम नहीं है, तो उसकी उपयोगिता स्वतः प्रश्नों के घेरे में आ जाती है। रूस-यूक्रेन युद्ध वर्षों से जारी है। पश्चिम एशिया लगातार अशांत बना हुआ है। आतंकवाद और कट्टरता की चुनौतियां बनी हुई हैं। जलवायु परिवर्तन के कारण पूरी दुनिया अभूतपूर्व संकटों का सामना कर रही है। इसके बावजूद वैश्विक नेतृत्व देने का दावा करने वाले मंचों की उपलब्धियां सीमित दिखाई देती हैं।

हाल के दिनों में अमेरिका और ईरान के बीच तनाव कम होने तथा शांति और सहमति की दिशा में बढ़ने की खबरों ने पूरी दुनिया को राहत दी है। लंबे समय से चल रहे तनाव के कारण पश्चिम एशिया में अस्थिरता बढ़ रही थी और इसका प्रभाव वैश्विक अर्थव्यवस्था पर भी पड़ रहा था। जैसे ही दोनों देशों के बीच समझौते और संवाद की संभावनाएं मजबूत हुईं, दुनिया भर के वित्तीय बाजारों में सकारात्मक संकेत दिखाई दिए। निवेशकों का विश्वास बढ़ा, ऊर्जा बाजार में स्थिरता के संकेत मिले और तेल की कीमतों में नरमी आई। इससे स्पष्ट है कि शांति केवल राजनीतिक उपलब्धि नहीं होती, बल्कि उसका सीधा संबंध वैश्विक आर्थिक स्थिरता और आम नागरिक के जीवन से भी होता है। लेकिन यहां एक महत्वपूर्ण प्रश्न उठता है। यदि संवाद और समझौता ही अंततः समाधान का मार्ग था, तो फिर टकराव और तनाव की स्थिति को इतना लंबा क्यों खींचा गया? आखिर राष्ट्रपति ट्रंप को समझौते और सहमति के लिए राजी होने की आवश्यकता क्यों महसूस हुई? क्या इसके पीछे आर्थिक दबाव थे? क्या वैश्विक बाजारों की चिंता थी? क्या अमेरिकी जनता की अपेक्षाएं थीं? या फिर यह स्वीकारोक्ति थी कि युद्ध और दबाव की राजनीति की भी सीमाएं होती हैं? ये ऐसे प्रश्न हैं जिन पर जी-7 जैसे मंचों में गंभीर चर्चा होनी चाहिए।

विश्व समुदाय केवल औपचारिक शांति समझौतों से संतुष्ट नहीं हो सकता। आवश्यकता इस बात की है कि शांति स्थायी, विश्वसनीय और न्यायपूर्ण हो। यदि समझौते केवल राजनीतिक छवि निर्माण, चुनावी लाभ या अस्थायी रणनीतिक उद्देश्यों के लिए किए जाते हैं, तो वे लंबे समय तक टिक नहीं पाते। जी-7 को यह सुनिश्चित करने की दिशा में पहल करनी चाहिए कि विश्व के विभिन्न क्षेत्रों में होने वाले शांति प्रयास वास्तविक हों और उनका उद्देश्य मानवता के हितों की रक्षा करना हो। आज वैश्विक व्यवस्था एक महत्वपूर्ण मोड़ पर खड़ी है। दुनिया अब एकध्रुवीय नहीं रही। भारत, चीन, ब्राजील, दक्षिण अफ्रीका, इंडोनेशिया और अन्य उभरती अर्थव्यवस्थाएं वैश्विक शक्ति संतुलन को नया स्वरूप दे रही हैं। ऐसे समय में जी-7 को भी अपनी कार्यशैली और दृष्टिकोण में परिवर्तन करना होगा। यदि यह मंच केवल अमेरिकी नेतृत्व और पश्चिमी हितों का प्रतिनिधि बना रहेगा, तो इसकी स्वीकार्यता और प्रभावशीलता लगातार घटती जाएगी।

आवश्यकता इस बात की है कि जी-7 स्वयं को अधिक समावेशी बनाए, विकासशील देशों को निर्णय प्रक्रिया में अधिक स्थान दे, आर्थिक न्याय और जलवायु न्याय के प्रश्नों पर ठोस पहल करे तथा वैश्विक शांति को सर्वोच्च प्राथमिकता प्रदान करे। अमेरिका को भी यह समझना होगा कि नेतृत्व और प्रभुत्व में अंतर होता है। नेतृत्व विश्वास अर्जित करता है, जबकि प्रभुत्व विरोध को जन्म देता है। फ्रांस में हो रहा यह सम्मेलन केवल आर्थिक या राजनीतिक मुद्दों पर चर्चा का मंच नहीं होना चाहिए, बल्कि यह आत्ममंथन का अवसर भी बनना चाहिए।

सूडोकु नवताल- 7829

★★★☆☆ मध्यम

4	6		3		8	9		7
	1		9		6		5	4
						8		
	4		5				8	
2		5		4		6		1
	3				1		7	
		3						
5	9		7		2		6	
7		6	4		3		9	2

■ प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.

■ प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.

■ पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते .

■ पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु नवताल -7828 का हल

5	7	2	3	8	4	1	9	6
8	6	1	9	2	5	7	3	4
3	9	4	1	6	7	5	8	2
2	5	7	4	1	3	8	6	9
4	8	6	5	9	2	3	7	1
1	3	9	6	7	8	4	2	5
6	2	3	7	4	1	9	5	8
9	4	5	8	3	6	2	1	7
7	1	8	2	5	9	6	4	3

■ Jagrutidaur.com, Bangalore

छात्र शक्ति और बिहार आंदोलन का संदेश

मनोज कुमार मिश्र

आजादी के आंदोलन के बाद बिहार के छात्र आंदोलन को देश के इतिहास में सबसे प्रभावशाली माना गया। इस आंदोलन ने देश की सबसे ताकतवर नेता मानी जाने वाली यानी तब की प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी को न केवल सत्ता से बेदखल किया बल्कि उनको अपनी खुद की सीट से पराजय का सामना करना पड़ा। यह अलग बाद है कि सत्ता पर काबिज नेताओं के आपसी कलह और स्वार्थ ने जनता पार्टी के प्रयोग को विफल कर दिया और इंदिरा गांधी सत्ता में वापस आ गई। उसके बाद असम विदेशी घुसपैठ विरोधी आंदोलन से लेकर 2011 के समाजसेवी अण्णा हजारे की अगुवाई में भ्रष्टाचार विरोधी आंदोलन समेत कई आंदोलनों की अगुवाई छात्र-युवाओं ने ही की। इन आंदोलनों की विफलता ने जन आंदोलनों के पक्षधर लोगों के विश्वास पर ही आघात कर दिया। इसका परिणाम हुआ कि अभी सोशल मीडिया के दम पर बनी कॉकरोच जनता पार्टी का आंदोलन शुरू होने से पहले ही समाप्त होने लगा। जबकि नीट पेपर लीक और सीबीएसई की परीक्षा प्रणाली जैसे मुद्दे देश के हर कोने में रहने वाले लाखों छात्र-छात्राओं से सीधा जुड़ा है।

खास बात यह है कि इसी उम्र के बच्चे, जिनके लिए जेन जेड (जनरेशन जेड) यानी 1997 से 2012 के बीच पैदा होने वाले छात्र-युवाओं ने पड़ोस के तीन देशों की सरकारें बदल दी। वैसे उन देशों में भी बदलाव बहुत सार्थक होता नहीं दिख रहा है। भारत जैसे विशाल देश में इस तरह के आंदोलन की कल्पना कठिन है लेकिन इतना तय है कि मजबूत विपक्ष की गैरहाजिरी में देश के छात्र-युवा को ही सार्थक विपक्ष की भूमिका निभानी होगी। अगर एक वाक्य में कहें तो यही 1974 के बिहार आंदोलन का संदेश है।

इतना ही नहीं, इस आंदोलन के कई संदेश आज भी सामयिक हैं। यह आम धारणा है कि नवंबर 1973 में गुजरात के एक इंजीनियरिंग कालेज के छात्रावास की फीस बढ़ने के खिलाफ छात्रों का आंदोलन शुरू हुआ जो गुजरात की चिमन भाई पटेल सरकार के भ्रष्टाचार, कुशासन और मंहगाई के खिलाफ स्वतः स्फूर्त प्रदेश भर का आंदोलन बन गया। जिसे गुजरात नव निर्माण आंदोलन कहा गया।

हालांकि बिहार आंदोलन का नेतृत्व करने वाले छात्र नेताओं के अगुवा रामबहादुर राय (वर्तमान में इंदिरा गांधी राष्ट्रीय कला केन्द्र के अध्यक्ष और पद्मभूषण से सम्मानित) बताते हैं कि कहने के लिए बिहार आंदोलन गुजरात से प्रेरणा लेकर शुरू हुआ लेकिन वास्तव में बिहार आंदोलन की तैयारी लंबे समय से चल रही थी। लोकनायक जयप्रकाश नारायण (जेपी) ने काफी समय बाद आंदोलन का नेतृत्व करना स्वीकारा, वास्तव में उसके काफी समय पहले से उनसे (रामबहादुर राय) और दूसरे छात्र नेता मिलकर आंदोलन की तैयारी की जानकारी देते रहे। राय साहब आंदोलन की 11 सदस्यों की संचालन समिति के सदस्य भी थे। गुजरात आंदोलन में भी सबसे बड़ी भूमिका राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ और उसके छात्र संगठन-अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद की ही थी। बिहार आंदोलन की भूमिका बनाने में भी संघ के बड़े नेताओं के साथ-साथ तब संघ के पटना महानगर प्रचारक रहे केएन गोविंदाचार्य आदि का था। गोविंद जी बाद में परिषद और भाजपा में बड़े पदों पर रहे। उनकी और राय साहब की जोड़ी बिहार आंदोलन का नेतृत्व करने वालों में अगली पंक्ति में थी।

उस आंदोलन में छात्र-युवाओं के समर्पण का गजब अनुभव हुआ। सभी को पता है कि जेपी ने बिहार आंदोलन की अगुवाई करना तभी स्वीकारा जब उन्हें विश्वास दिलाया गया कि आंदोलन पूरी तरह से अहिंसक होगा। इसका ऐसा असर हुआ कि जो छात्र पहले पुलिस को देखते ही हाथों में ईंट-पत्थर उठा लेते थे। वही छात्र पुलिस की लाठी-गोलियों के बीच नारे लगाते थे कि "हमला चाहे जैसा भी हो हाथ हमारा नहीं उठेगा।" इंदिरा गांधी ने आपातकाल लगाने का फैसला एक दिन में नहीं किया। 1971 में पाकिस्तान को विभाजित करके स्वतंत्र बांग्लादेश बनवाने में उनकी बड़ी भूमिका थी। इस सफलता के बाद उनका राजनीतिक कद देश में ही नहीं दुनिया में काफी बड़ा हो गया था। उनके फैसलों पर किसी को सवाल करने की हिम्मत न थी। आपातकाल लगने की मुख्य वजह तो उनके खिलाफ 12 जून, 1975 को इलाहाबाद हाई कोर्ट के न्यायाधीश जगमोहन लाल सिन्हा का उनके 1971 के लोकसभा चुनाव को अवैध घोषित करने का फैसला माना जाता है लेकिन वास्तव में कई और कारण भी थे। वे अपने को किसी चुनौती से परे मानने लगी थीं। दूसरा कारण कांग्रेस की गुजरात की चिमन भाई मेहता की सरकार के खिलाफ छात्रों का नव निर्माण आंदोलन भी एक प्रमुख कारण बना। उस आंदोलन को अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद ने पूरे प्रदेश का आंदोलन बनाया। यही काम परिषद ने फरवरी-मार्च, 1974 में बिहार में किया।

26 जून, 1976 की तारीख को बार-बार याद करना इसलिए जरूरी है ताकि इस दुनिया के सबसे बड़े लोकतांत्रिक देश पर शासन करने वाला निरंकुश न हो। फिर से कोई शासक अपने को तानाशाह न मान बैठे और गुलामी से मुक्ति की लंबी लड़ाई के बाद मिली आजादी को संविधान के मौलिक अधिकारों के साथ देश की जनता जीवन यापन कर पाए। तब के राष्ट्रपति फखरूद्दीन अली अहमद से 25 जून, 1975 की आधी रात को के देश में आपातकाल लगाने के आदेश पर हस्ताक्षर कराकर प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी ने 26 जून, 1975 की सुबह खुद रेडियो पर आकर देश में आपातकाल लगाने की घोषणा की। इस घोषणा के साथ ही देश की जनता को संविधान से मिले नागरिक अधिकारों को रद्द कर दिया गया। जयप्रकाश नारायण से लेकर विपक्ष के सभी बड़े नेताओं को गिरफ्तार कर लिया गया। अखबारों पर सेंसरशिप लगा दिया गया। 19 महीने देश जेलखाना बना रहा। लोगों के बोलने, लिखने आदि पर रोक लगा दी गई। अनुशासन के नाम पर लोगों को तरह-तरह से यातनाएं दी गई। कानून की अपने हिसाब से व्याख्या करने की कोशिश की गई।

इससे पहले जिस दिन 12 जून, 1975 को इलाहाबाद हाई कोर्ट ने प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी के चुनाव को अवैध घोषित किया था, उसी दिन गुजरात विधानसभा चुनाव के नतीजे आए। उस चुनाव में कांग्रेस पराजित हुई और विपक्षी गठबंधन की जनता मोर्चा चुनाव जीती। इंदिरा गांधी के करीबी सिद्धार्थ शंकर राय उनके चुनाव को अवैध घोषित किए जाने के खिलाफ नामी वकील नानी पालकीवाला के साथ मिलकर सुप्रीम कोर्ट के अवकाशकालीन पीठ में याचिका दायर की। पीठ के न्यायाधीश वीआर कृष्ण अय्यर ने 24 जून को इंदिरा गांधी की सदस्यता तो बहाल नहीं की लेकिन उन्हें प्रधानमंत्री बनाए रखने का आदेश दिया। दूसरी ओर इंदिरा गांधी पर कुर्सी छोड़ने के लिए दबाव बनाने को लेकर जनसंघ, लोकदल, सोशलिस्ट पार्टी और कांग्रेस (ओ) ने मिल कर मोर्चा बनाया। इस मोर्चा को जयप्रकाश नारायण का संरक्षण था। मोरारजी देसाई इस मोर्चा के अध्यक्ष और नानाजी देशमुख महासचिव बनाए गए। 20 जून को बने जनता मोर्चा ने 25 जून को रामलीला मैदान में रैली की। उस रैली को असफल करने की सरकार की हर कोशिश विफल रही। उसी रैली के समापन के साथ ही जयप्रकाश नारायण समेत अनेक बड़े नेताओं की गिरफ्तारी हुई। अगली सुबह खुद प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी ने देश में आपातकाल लगाने की विधिवत घोषणा की।

आपातकाल घोषित होने से पहले बिहार छात्र आंदोलन ने बिहार की अब्दुल गफूर सरकार ही नहीं केन्द्र की इंदिरा गांधी सरकार की चूलें हिला दी थी। आंदोलनकारियों पर जितने अत्याचार हुए आंदोलन और मजबूत हुआ। पटना विश्वविद्यालय छात्रसंघ चुनाव विद्यार्थी परिषद और समाजवादी युवजन सभा साथ मिलकर जीते। 18 मार्च, 1974 को विधानसभा का घेराव करने जा रहे छात्रों पर गोली चली, जिसमें छह छात्र मारे गए और सैकड़ों घायल हुए। इस प्रदर्शन ने आंदोलन को घर-घर पहुंचा दिया। आंदोलन के प्रमुख छात्र नेता रामबहादुर राय को मीसा (मेंटिनेंस आफ इंटरनल सिक्योर्टी एक्ट) के तहत गिरफ्तार किया गया था। उस कानून को देश के चोटी के वकीलों ने सुप्रीम कोर्ट में चुनौती दी थी। राय साहब की गिरफ्तारी के सात महीने बाद 12 नवंबर, 1974 को न्यायाधीश वाईवी चन्द्रचूड़ और पीएन भगवती की पीठ ने अवैध करार दिया। इसके चलते उनकी रिहाई हो पाई। इसका उल्लेख जयप्रकाश नारायण (जेपी) ने 18 नवंबर, 1974 के पटना के गांधी मैदान की रैली में किया। उसके पहले चार नवंबर, 1974 को पटना में हुए ऐतिहासिक मौन जुलूस में जेपी पर लाठी चली।

बलात्कारियों का सम्मान करने वाला 'अद्भुत समाज'

निर्मल रानी

सुप्रीम कोर्ट के पूर्व न्यायाधीश और भारतीय प्रेस परिषद के तत्कालीन अध्यक्ष जस्टिस मार्कंडेय काटजू ने दिसंबर 2012 में दिल्ली में एक सेमिनार के दौरान कहा था कि "मैं कह सकता हूं कि नब्बे प्रतिशत भारतीय बेवकूफ होते हैं। उनके सिर में दिमाग नहीं होता। उन्हें आसानी से बेवकूफ बनाया जा सकता है, उन्हें धर्म के नाम पर शरारती तत्वों द्वारा आसानी से गुमराह किया जा सकता है"। परन्तु अपने इस कथन के 12 वर्षों बाद यानी 2024 में जस्टिस काटजू ने मूर्खों के प्रतिशत में और इजाफा करते हुये कहा कि अब वे 95 प्रतिशत भारतीयों को मूर्ख कहते हैं क्योंकि भारत अब "वास्तविक हिंदू राज्य" बन गया है। जस्टिस काटजू के इस कथन को परखने के लिये यदि हम धर्म व अध्यात्म की ध्वजा बुलंद करने वालों की हक़ीक़त को देखें तो यह हमें केवल मूर्ख या महामूर्ख ही नहीं लगते बल्कि अत्यंत निम्न स्तरीय सोच रखने वाले तथा सनातन धर्म,भारतीय समाज व पूरे देश को बदनाम करने वाले भी नजर आते हैं। मिसाल के तौर पर बलात्कारियों का सम्मान होते,उनका महिमामंडन होते व उनकी शोभा यात्रा निकलते कहीं नहीं देखा गया होगा। यह अद्भुत दृश्य केवल विश्वगुरु भारत के ही 'अद्भुत समाज' में देखने को मिलेगा।

आज देश में कई स्वयंभू साधू संत बलात्कार व हत्या जैसे जुर्म में जेल में सजायें भुगतते देखे जा सकते हैं। देश की अदालतों ने गवाहों के बयान व साक्ष्यों के आधार पर ऐसे अलग अलग बलात्कारी बाबाओं को सजा सुनाने का साहस कर कानून की रक्षा करने का काम क्या है। परन्तु आश्चर्य है कि ऐसे धर्माचार्यों व स्वयंभू अध्यात्मवादियों की काली करतूतें जानने के बावजूद उनके भक्तजनों में उनके प्रति अभी भी मोह कम नहीं हुआ है। ऐसे लोग यही कहते नजर आएंगे कि 'हमारे गुरु जी को गलत फंसाया गया है।' मर्द भक्तों की तो छोड़िये महिलाएं भी ऐसे बलात्कारी बाबाओं की भक्ति व उनके महिमामंडन में सबसे आगे नजर आती हैं। और अब तो संभवतः ऐसे बलात्कारी बाबाओं के महिमामंडन से ही प्रेरणा लेकर धार्मिकता का चोला पहने या धार्मिक संगठनों एवं धर्म के नाम पर अन्य रसूखदार बलात्कारियों की भी 'शोभा यात्रा ' निकाली जाने लगी है। बलात्कार की शिकार लड़की का धर्म देखकर बलात्कारियों की पैरवी की जाने लगी है। क्या ऐसा कर अपराधियों को प्रोत्साहित नहीं किया जा रहा है?

3 मार्च 2002 की गुजरात अहमदाबाद के नजदीक रणधीकपुर गाँव में की वह भयानक घटना कौन भूल सकता है जिसमें मुस्लिम समाज की 21 वर्षीय युवती बिल्क़ीस बानो जोकि उस समय 5 महीने की गर्भवती भी थीं के साथ सामूहिक बलात्कार किया गया था? बिलक़ीस बानो के परिवार के 14 सदस्यों की हत्या भी कर दी गई थी जिसमें बिलक़ीस की 3 वर्ष की मासूम बेटी भी शामिल थी। इस मामले में मुंबई में सीबीआई की विशेष अदालत ने 11 आरोपियों को आजीवन कारावास की सजा सुनाई थी। बॉम्बे हाईकोर्ट ने हत्यारों बलात्कारियों की दोषसिद्धि को बरकरार रखा था। परन्तु गुजरात सरकार ने अपनी क्षमा नीति के तहत 11 दोषियों की रिहाई की मंजूरी दे दी और 15 अगस्त 2022 को ही दोषियों को रिहा कर दिया। अफसोस की बात यह कि इनकी रिहाई के बाद दोषियों का जेल के बाहर ही इनके समर्थकों द्वारा मिठाई खिलाकर स्वागत किया गया। जगह जगह मिठाई बांटी गयी व उनके जयकारे लगाकर उनका स्वागत किया गया। गुजरात के दाहोद ज़िले में तो वहां के लोगों ने दोषियों की 'शोभा यात्रा' निकाली और बलात्कारियों हत्यारों का खुला समर्थन किया। आखिरकार 7 जनवरी 2024 को सुप्रीम कोर्ट ने गुजरात सरकार के दोषियों की समय पूर्व रिहाई के फैसले को पलट दिया और उन्हें जेल अधिकारियों के समक्ष आत्मसमर्पण करने का निर्देश दिया। गोया हत्यारों बलात्कारियों के साथ हमदर्दी जताने के चलते सर्वोच्च न्यायालय के समक्ष गुजरात सरकार को नीचा देखना पड़ा।

इसी तरह कश्मीर के कठुआ में जनवरी 2018 में एक 8 वर्षीय मुस्लिम लड़की आसिफा बानो के साथ एक मंदिर के कमरे में पुजारी व उसके कई साथियों द्वारा सामूहिक बलात्कार किया गया था और उसकी हत्या कर लाश जंगलों में फेंक दी गयी थी। उस समय भी इन अपराधियों के समर्थन में हिंदूवादियों द्वारा तिरंगा यात्रा निकाली गई थी और भाजपा के दो मंत्रियों ने आरोपियों का समर्थन किया था और बलात्कारियों के समर्थन में होने वाले धरना प्रदर्शनों व रैलियों में हिस्सा लिया था जिससे उस समय बड़ा राजनैतिक बवाल खड़ा हुआ था। इस घटना ने पूरे देश को भावुक कर दिया था। आम आदमी से लेकर बॉलीवुड स्टार तक बच्ची को इंसाफ दिलाने के लिए सामने आए थे। बाद में अदालत ने फैसला सुनाते हुये इन्हीं 5 आरोपियों को दोषी ठहराते हुये जेल भेजा था। इसी तरह कई मामलों में जब किसी दलित लड़की के साथ किसी कथित उच्च जाति के लोगों द्वारा बलात्कार किया गया तो बलात्कारियों के पक्ष में उसके 'कथित 'उच्च समाज के लोग खड़े देखे गये। 14 सितंबर 2020 को हाथरस में एक दलित युवती के साथ हुआ सामूहिक दुष्कर्म एवं हत्याकाण्ड इसका सबसे बड़ा उदाहरण है। उस समय यह घटना भी एक अत्यंत संवेदनशील और देशव्यापी चर्चा का विषय बन गयी थी।

और अब यही दुष्प्रवृति धर्म जाति से मुक्त होकर शायद आम बन चुकी है। गाजियाबाद के मुरादनगर में हिंदू युवा वाहिनी के निवर्तमान नगर अध्यक्ष सुशील प्रजापति जिसपर अगस्त 2025 में एक कानून की पढ़ाई पढ़ने वाली हिन्दू छात्रा के साथ रेप का आरोप था,जब लगभग 9 महीने जेल में रहने के बाद 17 मई 2026 को जमानत पर छूटा तो जेल से छूटते ही उसके समर्थकों ने बाकायदा उसकी शान में गाड़ियों से विजय जुलूस निकाला। और उसके समर्थन में नरेबाजियाँ कीं।

दैनिक पंचांग

18 जून 2026 को सूर्योदय के समय की ग्रह स्थिति

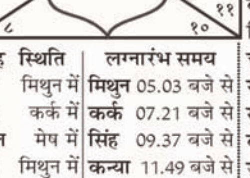

ग्रह	स्थिति	लग्नारंभ समय	
सूर्य	मिथुन में	मिथुन	05.03 बजे से
चंद्र	कर्क में	कर्क	07.21 बजे से
मंगल	मेष में	सिंह	09.37 बजे से
बुध	मिथुन में	कन्या	11.49 बजे से
गुरु	कर्क में	तुला	14.00 बजे से
शुक्र	कर्क में	वृश्चिक	16.14 ब.से
शनि	मीन में	धनु	18.30 बजे से
राहु	कुंभ में	मकर	20.35 बजे से
केतु	सिंह में	कुंभ	22.22 बजे से
राहुकाल 1.30 से 3.00 बजे तक		मीन	23.55 बजे से
		मेष	01.25 बजे से
		वृष	03.05 बजे से

गुरुवार 2026 वर्ष का 169 वा दिन
दिशाशूल दक्षिण **ऋतु** वर्षा।
विक्रम संवत् 2083 **शक संवत्** 1948
मास ज्येष्ठ **पक्ष** शुक्ल
तिथि चतुर्थी 18.59 बजे को समाप्त।
नक्षत्र पुष्य 11.33 बजे को समाप्त।
योग व्याघात 17.36 बजे को समाप्त।
करण वणिज 08.15 बजे तदनन्तर विष्टि 18.59 बजे को समाप्त।
चन्द्रायु 2.9 घण्टे
रवि क्रान्ति उत्तर 23° 24'
सूर्य उत्तरायन
कलि अहर्गण 1872744
जूलियन दिन 2461209.5
कलियुग संवत् 5128
कल्पारंभ संवत् 1972949128
सृष्टि ग्रहारंभ संवत् 1955885128
वीरनिर्वाण संवत् 2552
हिजरी सन् 1447
महीना मोहर्रम **तारीख** 02
विशेष विनायक चतुर्थी व्रत, झाँसी रानी लक्ष्मीबाई बलिदान दिवस।

दिन का चौघड़िया			रात का चौघड़िया		
शुभ	05.54 से	07.22 बजे तक	अमृत	05.40 से	07.11 बजे तक
रोग	07.22 से	08.51 बजे तक	चर	07.11 से	08.43 बजे तक
उद्वेग	08.51 से	10.19 बजे तक	रोग	08.43 से	10.15 बजे तक
चर	10.19 से	11.47 बजे तक	काल	10.15 से	11.47 बजे तक
लाभ	11.47 से	01.15 बजे तक	लाभ	11.47 से	01.19 बजे तक
अमृत	01.15 से	02.43 बजे तक	उद्वेग	01.19 से	02.51 बजे तक
काल	02.43 से	04.11 बजे तक	शुभ	02.51 से	04.23 बजे तक
शुभ	04.11 से	05.40 बजे तक	अमृत	04.23 से	05.55 बजे तक

चौघड़िया शुभाशुभ- शुभत्व श्रेष्ठ शुभ, अमृत व लाभ, **मध्यम** चर, **अशुभ** उद्वेग, रोग व काल। सभी समय भारतीय मानक समय की मध्य रेखा बिन्दु के आधार पर है अतः आप अपने स्थानीय समयानुसार ही देखें। ■ Jagrutidaur.com, Bangalore

बरहेट में सीएसपी कर्मी से दिन दहाड़े साढ़े तीन लाख की छिनतई, जांच में जुटी पुलिस

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

साहिबगंज : जिले के बरहेट थाना क्षेत्र के पचकठिया बाजार स्थित मेरा कुमारी के ग्राहक सेवा केंद्र में गुरुवार छिनतई की घटना को दो अज्ञात बदमाशों ने दिन दहाड़े अंजाम दिया। बदमाशों ने सीएसपी संचालिका के पति से करीब साढे तीन लाख की छिनतई कर फरार हो गया। घटना के संबंध में सीएसपी संचालिका के पति विपिन कुमार रूज ने घटना की जानकारी देते हुए बताया कि वह अन्य दिनों की भांति सुबह करीब 9:00 बजे सीएसपी खोलने के लिए पहुंचा था। उस समय उसके पास करीब 3:30 लाख रुपया था। जिस राशि की पोटली उसने सीएसपी के काउंटर में रख कर झाड़ू लेकर सफाई करने लगे। तभी अचानक पीछे से उनके सिर पर जोरदार चोट लगी और उसने सर पड़कर राहत के लिए कुर्सी पर सर रख दिया। इस दौरान जब उसे काउंटर के खुलने की जानकारी मिली तभी उसे मामला समझ में आया और उसने सिर उठाया तो देखा की सड़क किनारे एक व्यक्ति हेलमेट लगाएं पल्सर बाइक पर बैठा था,और दूसरा उसके सीएसपी से उनके द्वारा रखे गए राशि करीब 3 लाख 30 हजार रुपए की पोटली लेकर भागते हुए उसे पल्सर बाइक पर बैठ गया, और दोनों मौके से फरार हो गया। बिपिन कुमार रूज ने बताया कि मामले की जानकारी फोन एवं मौखिक रूप से लोगों को दी गई। साथ ही बरहेट थाना में लिखित शिकायत की गई है। इधर घटना की सूचना मिलते ही बरहेट थाना के एएसआई बिट्टू कुमार साह, एएसआई अशोक सिंह, दलबल के साथ मामले की पड़ताल में जुट गई।

बरहेट में लुट और छिनतई की घटनाओं में हुई है वृद्धि

बरहेट थाना क्षेत्र में इन दोनों दिनदहाड़े छिनतई करने की घटनाओं में वृद्धि हुई है। बता दे की इससे पूर्व साह चौक के मां मेडिकल दुकान के पास से अज्ञात बदमाशों द्वारा एक सीएसपी कर्मी के बाइक की डिक्की से करीब दो लाख सत्तर हजार रूपए की लूट की घटना को अंजाम दिया था। दुसरी घटना बरहेट बाजार के आभूषण विक्रेता प्रदीप डोकानियां के बरहेट बाजार स्थित दुकान से भी अज्ञात अपराधियों ने कीमती सामग्रियों को दिनदहाड़े लेकर भागने की घटना को अंजाम दिया था। जिसका सीसीटीवी फुटेज भी सामने आया था। हालांकि पुलिस के प्रयास के बाद भी अब तक अपराधी पुलिस की पकड़ से बाहर है।

एक नजर

दहेज प्रताड़ना मामले में आरोपी पति गिरफ्तार

साहिबगंज: जिले के राजमहल थाना पुलिस ने दहेज प्रताड़ना के एक मामले में त्वरित कार्रवाई करते हुए आरोपी पति कृष्णा कुमार मंडल को गिरफ्तार कर न्यायिक अभिरक्षा में भेज दिया। आरोपी की पहचान थाना क्षेत्र के पश्चिम जामनगर निवासी कृष्णा कुमार मंडल के रूप में हुई है। पुलिस के अनुसार पश्चिम जामनगर निवासी कृपा कुमारी की शिकायत पर थाना कांड संख्या 194/26 के तहत दहेज प्रताड़ना सहित अन्य धाराओं में प्राथमिकी दर्ज की गई। पीड़िता ने पुलिस को दिए आवेदन में आरोप लगाया कि करीब 11 वर्ष पूर्व उसकी शादी कृष्णा कुमार मंडल से हुई थी। विवाह में उसके पिता ने लगभग ढाई भरी सोने के आभूषण एवं एक मोटरसाइकिल उपहार स्वरूप दी थी। दंपती के दो पुत्र हैं। पीड़िता का आरोप है कि दूसरे पुत्र के जन्म के बाद पति का व्यवहार बदल गया और वह आए दिन मारपीट करने लगा। पति उस पर मायके से एक लाख रुपये दहेज लाने का दबाव बनाता था। शिकायत के अनुसार 15 मई की शाम आरोपी ने नशे की हालत में फिर दहेज की मांग करते हुए कथित रूप से मारपीट की तथा जान से मारने की नीयत से साड़ी से गला कसने का प्रयास किया। बच्चों के शोर मचाने पर परिजन और पड़ोसियों ने हस्तक्षेप कर उसे बचाया। मामले में प्राथमिकी दर्ज होने के बाद पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर आवश्यक कानूनी प्रक्रिया पूरी करते हुए न्यायिक हिरासत में भेज दिया। मामले की जांच जारी है।

विद्यालय का ताला तोड़कर चोरी, प्राथमिकी दर्ज

साहिबगंज: जिले के राजमहल थाना क्षेत्र के मध्य नारायणपुर पंचायत स्थित उत्क्रमित प्राथमिक विद्यालय मुर्गी टोला में अज्ञात चोरों ने विद्यालय का ताला तोड़कर मध्यान्ह भोजन में उपयोग होने वाले सामान सहित अन्य सामग्री की चोरी कर ली। घटना के बाद विद्यालय प्रशासन ने राजमहल थाना में लिखित शिकायत दर्ज कराई है। विद्यालय के प्रभारी प्रधानाध्यापक मो अनवारुल ने पुलिस को दिए आवेदन में बताया कि अज्ञात चोरों ने विद्यालय के मुख्य कमरे का ताला तोड़कर एक गैस सिलेंडर, एक बड़ा चूल्हा, एक बड़ा सॉसपैन, दो बड़े हांडी, दो बड़े चम्मच तथा 20 स्टील की थालियां चोरी कर लीं। इसके अलावा कंप्यूटर कक्ष से एक मंत्रा बायोमेट्रिक डिवाइस भी अपने साथ ले गए। घटना की जानकारी विद्यालय खुलने पर मिली तो पुलिस को सूचना दी गई। प्रभारी प्रधानाध्यापक के आवेदन के आधार पर राजमहल थाना में कांड संख्या 193/26 के तहत अज्ञात चोरों के विरुद्ध प्राथमिकी दर्ज कर ली गई है। पुलिस घटनास्थल का निरीक्षण कर मामले की छानबीन में जुट गई है।

बंद खदान में नहाने गया युवक लापता डूबने की आशंका

हिरणपुर : पाकुड़ जिले के हिरणपुर थाना क्षेत्र के बेलपहाड़ी गांव में मंगलवार को एक युवक के रहस्यमय ढंग से लापता होने से क्षेत्र में चिंता का माहौल है। आशंका जताई जा रही है कि युवक गांव के समीप स्थित बंद खदान के गहरे पानी में डूब गया है। लापता युवक की पहचान बेलपहाड़ी निवासी स्वर्गीय सुबोध पहाड़िया के 25 वर्षीय पुत्र राम पहाड़िया के रूप में हुई है। परिजनों के अनुसार राम मंगलवार दोपहर करीब 1 से 2 बजे के बीच घर से निकला था। उसने परिजनों को गांव के पास स्थित बंद खदान में नहाने जाने की बात कही थी। काफी समय बीत जाने के बाद भी जब वह घर वापस नहीं लौटा तो परिवार के लोगों की चिंता बढ़ गई। इसके बाद परिजनों एवं ग्रामीणों ने आसपास के क्षेत्रों में उसकी तलाश शुरू की, लेकिन देर शाम तक उसका कोई सुराग नहीं मिल सका। युवक के लापता होने के बाद खदान के गहरे पानी में डूबने की आशंका जताई जा रही है।

'मां रानी' के नाम पर बड़ा खेल, लाखों रुपये लेकर फर्जी फाइनेंस कंपनी फरार

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

साहिबगंज : जिले में मां रानी के नाम पर खोली गई एक फर्जी नॉन बैंकिंग कंपनी आम लोगों के लाखों रुपए लेकर चंपत हो गई। जमाकर्ता जब अपने पैसे वापस मांगने साहिबगंज नगर क्षेत्र के गुल्ली भट्टा स्थित प्रधान कार्यालय पहुंचे तो वहां ताला लटका मिला और कंपनी के सभी कर्मचारी गायब थे।स्थानीय लोगों के अनुसार कंपनी ने ₹मां रानी₹ के नाम का सहारा लेकर लोगों की धार्मिक भावनाओं से खेला। ज्यादा ब्याज और जल्दी दोगुना-तीन गुना पैसे का लालच देकर महिलाओं और गरीब तबके से मोटी रकम जमा कराई गई। कई महीनों तक छोटे-मोटे ब्याज देकर भरोसा जीता गया। जब बड़ी संख्या में लोग जुड़ गए और मोटी रकम जमा हो गई, तो कंपनी अचानक कार्यालय बंद कर फरार हो गई। पीड़ित जमाकताओं ने बताया कि अब कंपनी का कोई भी अधिकारी फोन नहीं उठा रहा है। ठगी का शिकार हुए लोगों ने प्रशासन से मामले की जांच कर आरोपियों पर कार्रवाई की मांग की है। फिलहाल पुलिस को लिखित शिकायत नहीं मिली है, लेकिन मामला सामने आने के बाद नगर में हड़कंप मचा हुआ है। जानकर बताते हैं कि रिजर्व बैंक की गाइडलाइन के अनुसार कोई भी नॉन बैंकिंग फाइनेंशियल कंपनी आरबीआई से पंजीकृत हुए बिना जमा नहीं ले सकती। निवेश से पहले कंपनी का लाइसेंस जरूर जांचें।

हिरणपुर में ब्राउन शुगर और गांजा कारोबार का भंडाफोड़, दो तस्कर गिरफ्तार

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

पाकुड़ : जिले की पुलिस ने मादक पदार्थों के अवैध कारोबार के खिलाफ बड़ी कार्रवाई करते हुए हिरणपुर थाना क्षेत्र के घाघरजानी गांव में छापेमारी कर ब्राउन शुगर और गांजा की खरीद-बिक्री का भंडाफोड़ किया है। पुलिस ने मौके से दो आरोपियों को गिरफ्तार कर भारी मात्रा में नशीले पदार्थ समेत कई सामान बरामद किए हैं। पुलिस अधीक्षक अनुदीप सिंह को गुप्त सूचना मिली थी कि घाघरजानी स्थित कृष्णा साहा के बंद पड़े घर में अवैध रूप से ब्राउन शुगर और गांजा का कारोबार संचालित किया जा रहा है। सूचना के आधार पर अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी कुमार गौरव के नेतृत्व में विशेष छापेमारी दल का गठन किया गया। छापेमारी के दौरान पुलिस जब उक्त घर के पास पहुंची तो वहां कुछ लोग नशा करते हुए मिले। पुलिस को देखते ही कई लोग भाग निकले, जबकि अवैध रूप से मादक पदार्थ बेच रहे कृष्णा कुमार साहा (33 वर्ष), निवासी तारापुर तथा सुरज कुमार दुबे (20 वर्ष), निवासी हाथकाठी (छिटकापाड़ा) को गिरफ्तार कर लिया गया। पुलिस द्वारा घर की तलाशी लेने पर 25 ग्राम ब्राउन शुगर, 1.6 किलोग्राम गांजा, चार इलेक्ट्रॉनिक माप-तौल मशीन, एक चिलम, पैकिंग में उपयोग होने वाले लगभग 1000 प्लास्टिक पाउच तथा एक मोटरसाइकिल बरामद की गई। इस मामले में हिरणपुर थाना कांड संख्या 40/2026 के तहत एनडीपीएस एक्ट की संबंधित धाराओं में प्राथमिकी दर्ज की गई है। गिरफ्तार दोनों आरोपियों को न्यायिक हिरासत में भेजने की प्रक्रिया पूरी की जा रही है। पुलिस के अनुसार गिरफ्तार आरोपी सुरज कुमार दुबे के खिलाफ पूर्व में भी कई आपराधिक मामले दर्ज हैं, जिनमें आर्म्स एक्ट और अन्य गंभीर धाराओं से जुड़े मामले शामिल हैं।

मुतेश्वर घाट पर साप्ताहिक गंगा आरती संपन्न

श्रद्धालुओं ने लिया गंगा संरक्षण एवं जनसुरक्षा का संकल्प

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

साहिबगंज : मुतेश्वर घाट पर प्रत्येक मंगलवार की भांति इस सप्ताह भी साप्ताहिक गंगा आरती का भव्य आयोजन श्रद्धा, भक्ति और आध्यात्मिक वातावरण के बीच संपन्न हुआ। इस अवसर पर बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं, स्थानीय नागरिकों एवं गंगा प्रेमियों ने शामिल होकर मां गंगा की पूजा-अर्चना की तथा गंगा की निर्मलता, अविरलता एवं संरक्षण का संकल्प लिया। गंगा तट दीपों की रोशनी, वैदिक मंत्रोच्चार एवं भक्ति संगीत से गुंजायमान रहा। श्रद्धालुओं ने मां गंगा की आरती में भाग लेकर क्षेत्र की सुख-समृद्धि, शांति, उत्तम स्वास्थ्य तथा समाज के कल्याण की कामना की। आरती के दौरान गंगा संरक्षण, स्वच्छता और पर्यावरण सुरक्षा से जुड़े संदेश भी प्रसारित किए गए। गंगा आरती का विधिवत संचालन पुजारी अजय पांडे, विजय पांडे नगर परिषद सदस्य पवन कुमार, सुनील कुमार, पीयूष, रोहित कुमार, नियमित रूप से आरती में शामिल अन्य श्रद्धालु द्वारा वैदिक रीति-रिवाजों एवं मंत्रोच्चार के साथ संपन्न कराया गया। उनके नेतृत्व में आयोजित आरती में उपस्थित श्रद्धालुओं ने पूरे श्रद्धा भाव से भाग लिया। आरती के उपरांत प्रसाद वितरण किया गया तथा गंगा संरक्षण के प्रति जनजागरूकता का संदेश दिया गया। इस अवसर पर मॉडल कॉलेज राजमहल, साहिबगंज के प्राचार्य सह जिला गंगा समिति के सदस्य डॉ. रणजीत कुमार सिंह ने उपस्थित श्रद्धालुओं एवं आम नागरिकों को संबोधित करते हुए कहा कि गंगा बिगत समय में स्वच्छ हुई पर अभी स्वच्छता अभियान निरंतरता से जनभागीदारी होना जरूरी है। गंगा केवल एक नदी नहीं, बल्कि भारत की सांस्कृतिक, धार्मिक एवं पर्यावरणीय धरोहर है। गंगा का संरक्षण हम सभी की सामूहिक जिम्मेदारी है।

प्रमाण-पत्र विशेष शिविर का उप विकास आयुक्त ने किया निरीक्षण

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

पाकुड़ : जिला प्रशासन द्वारा ग्रामीण क्षेत्रों में नागरिक सेवाओं की सहज उपलब्धता सुनिश्चित करने के उद्देश्य से संचालित विशेष प्रमाण-पत्र शिविरों का निरीक्षण उप विकास आयुक्त अरविंद कुमार लाल द्वारा हिरणपुर प्रखंड अंतर्गत बागशीशा एवं सुंदरपुर पंचायत में किया गया। निरीक्षण के दौरान उप विकास आयुक्त ने पंचायत भवन में उपस्थित ग्रामीणों से संवाद करते हुए अधिक से अधिक संख्या में शिविर का लाभ उठाने तथा जाति, निवासी एवं आय प्रमाण-पत्र सहित अन्य आवश्यक प्रमाण-पत्र बनवाने की अपील की। उन्होंने कहा कि जिला प्रशासन का उद्देश्य है कि ग्रामीणों को आवश्यक प्रमाण-पत्रों के लिए अनावश्यक रूप से कार्यालयों के चक्कर न लगाने पड़ें तथा उन्हें पंचायत स्तर पर ही सभी सुविधाएं उपलब्ध हो सकें। इस अवसर पर शिविर में उपस्थित लाभुकों के बीच जाति एवं निवासी प्रमाण-पत्रों का वितरण भी किया गया। उप विकास आयुक्त ने लाभुकों से प्राप्त सेवाओं की जानकारी ली तथा संबंधित अधिकारियों को समयबद्ध एवं गुणवत्तापूर्ण सेवा उपलब्ध कराने के निर्देश दिए। निरीक्षण के क्रम में उप विकास आयुक्त ग्राम गोपालपुर पहुंचे, जहां उन्होंने मनरेगा अंतर्गत संचालित लाभुक सुमित्रा देवी की बिरसा हरित ग्राम योजना का स्थल निरीक्षण किया। उन्होंने योजना की प्रगति का जायजा लेते हुए एरिया ऑफिसर ऐप के माध्यम से योजना का डिजिटल कैप्चरिंग कार्य संपादित किया।

तेतुलिया पंचायत में विकास योजनाओं को लेकर भारी अनियमितता उप मुखिया, वार्ड सदस्यों ने अनुमंडल प्रशासन को दी लिखित शिकायत

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

साहिबगंज : राजमहल प्रखंड क्षेत्र अंतर्गत तेतुलिया पंचायत में विकास योजनाओं को लेकर बड़ा विवाद सामने आया है। पंचायत की उप मुखिया मंजू हांसदा समेत कई वार्ड सदस्यों ने अनुमंडल प्रशासन को लिखित शिकायत देकर आरोप लगाया है कि पंचायत में कार्यकारिणी समिति की बैठक और ग्रामसभा की स्वीकृति के बिना ही योजनाओं का चयन कर लाखों रुपये खर्च कर दिए गए। शिकायत में सीधे तौर पर मुखिया सलोनी हांसदा के प्रतिनिधि विक्टर मुर्मू पर पंचायत व्यवस्था को दरकिनार कर मनमाने ढंग से योजनाएं संचालित करने का आरोप लगाया गया है। उप मुखिया का कहना है कि पंचायत के निर्वाचित प्रतिनिधियों को योजनाओं की न जानकारी दी जाती है और न ही खर्च का हिसाब साझा किया जाता है। सबसे बड़ा सवाल पंचायत भवन मरम्मती को लेकर खड़ा हुआ है। शिकायतकताओं का दावा है कि पंचायत भवन का मरम्मत कार्य करीब दो वर्ष पूर्व जिला परिषद मद से कराया जा चुका था। इसके बावजूद ई-ग्राम स्वराज पोर्टल पर पुनः पंचायत भवन मरम्मती योजना दर्ज कर राशि निकासी की गई। आरोप है कि पहले से दर्ज अन्य योजनाओं को हटाकर पंचायत भवन मरम्मती को प्राथमिकता दी गई और पोर्टल में नए सिरे से योजना अपलोड कर दी गई। इससे पंचायत में सरकारी राशि के उपयोग पर सवाल उठने लगे हैं। उपलब्ध दस्तावेजों के अनुसार मार्च 2026 में पंचायत स्तर पर विभिन्न मदों में भुगतान दर्शाया गया है। इनमें चापाकल मरम्मती एवं अधिष्ठापन के नाम पर 44,010 रुपए की निकासी।इसी मद में 84,000 रुपए का एक अन्य भुगतान। पंचायत भवन मरम्मती के लिए 1,09,800 रुपए का भुगतान।तीनों भुगतानों में लाभार्थी के रूप में अमर रविदास का नाम अंकित है। शिकायतकर्ताओं का आरोप है कि भुगतान तो हो गया, लेकिन पंचायत प्रतिनिधियों को यह तक नहीं बताया गया कि कार्य कहां और किस स्तर पर कराया गया। शिकायत पत्र में कहा गया है कि पंचायत में कौन-सी योजना चल रही है, किस योजना पर कितना खर्च हो रहा है और किस गांव में काम कराया जा रहा है, इसकी कोई जानकारी जनप्रतिनिधियों या ग्रामीणों को नहीं दी जा रही। उप मुखिया मंजू हांसदा का आरोप है कि दो बार बैठक बुलाने की बात हुई, लेकिन बैठक नहीं कराई गई। ग्रामसभा भी आयोजित नहीं की गई।

संक्षिप्त खबरें

आज हाईकोर्ट का अंतिम फैसला : 500-400 मीटर नियम से सैकड़ों खदान-क्रशर पर संकट

साहिबगंज: झारखंड में पत्थर कारोबार की किस्मत का फैसला आज अपराह्न 2:15 बजे होगा। हाईकोर्ट के चीफ जस्टिस महेश शरदचंद्र सोनक और जस्टिस राजेश शंकर की खंडपीठ 16 अप्रैल को दिए गए अंतरिम आदेश पर आज अंतिम सुनवाई करेगी। अंतरिम आदेश में हाईकोर्ट ने साफ किया था कि वन भूमि की सीमा से पत्थर खनन के लिए 500 मीटर और स्टोन क्रशर लगाने के लिए 400 मीटर की न्यूनतम दूरी अनिवार्य होगी। झारखंड राज्य प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड ने 2015 और 2017 में यह दूरी घटाकर 250 मीटर कर दी थी,जिसे हाईकोर्ट ने खारिज कर दिया। यह नियम राज्य के सभी 24 जिलों पर लागू होगा। अंतरिम आदेश के बाद से ही पत्थर-क्रशर उद्योग में हड़कंप है। कारोबारियों का कहना है कि अगर यह फैसला बरकरार रहता है तो सैकड़ों खनन पट्टे और क्रशर लाइसेंस रद्द हो सकते हैं। अरबों का निवेश डूबने, हजारों मजदूरों के बेरोजगार होने और गिट्टी के दाम बढ़ने की आशंका है। इसका सीधा असर कंस्ट्रक्शन सेक्टर पर पड़ेगा। दूसरी ओर पर्यावरण प्रेमियों ने हाईकोर्ट के अंतरिम आदेश का स्वागत किया है। चर्चित सामाजिक कार्यकर्ता सह पर्यावरण प्रेमी सैयद अरशद नसर ने इसे झारखंडवासियों की ऐतिहासिक जीत बताते हुए कहा कि यह फैसला वन संरक्षण की दिशा में मील का पत्थर है। इससे जल, वायु और ध्वनि प्रदूषण पर दीर्घकालिक नियंत्रण मिलेगा। हाईकोर्ट ने सभी पक्षों को 12 जून तक अपना पक्ष रखने की छूट दी थी,जिसकी मियाद पूरी होने के बाद आज सुनवाई हो रही है। आज की सुनवाई पर सरकार, खदान-क्रशर कारोबारियों से लेकर पर्यावरण कार्यकताओं तक सभी की नजरें टिकी हैं। हाईकोर्ट अगर अंतरिम आदेश को बरकरार रखता है तो राज्य के सैकड़ों स्टोन खदान-क्रशर पर ताला लगना तय माना जा रहा है।

गंगा में डूबे किशोर का शव 24 घंटे बाद बरामद

साहिबगंज : शहर के संत जेवियर स्कूल के पीछे फेरी घाट पर नहाने के दौरान डूबे किशोर का शव 24 घंटे के बाद बुधवार को स्थानीय चानन स्थित सिवरेज ट्रीटमेंट प्लांट के पास से बरामद हुआ। गंगा में डूबे किशोर की तलाश में गंगा नदी थाना प्रभारी लव कुमार दलबल के साथ मोटर वोट से लगातार खोज करा रहे थे। इसी क्रम में आज सुबह एक नौका चालक ने शव की जानकारी दी। जिसके बाद मौके पर पुलिस ने पहुंच कर शव को पानी से निकलवाया। शव मिलने की खबर फैलते ही पूरे इलाके में खलबली मच गई। घाट पर लोगों का हुजूम लग गया। कुछ ही देर में मौके पर मौजूद लोग आनन-फानन में किशोर को सदर अस्पताल ले गए। जहां ड्यूटी पर तैनात चिकित्सक ने किशोर को मृत्य घोषित कर दिया। गौरतलब है कि मंगलवार सुबह घर से कबड्डी खेलने की बात कह कर संत जेवियर स्कूल के आठवीं कक्षा के तीन दोस्त स्कूल के पीछे घाट के पास गए थे। लेकिन उन लोगों में अचानक से नहाने की इच्छा जाग गई। वे लोग उसी घाट पर नहाने लग गए। नहाने के क्रम में अभिज्ञान पांडे सहित दो अन्य दोस्त पानी में डूबने लगे थे। जिसे नाव चालक द्वारा दो किशोर को तो पानी से निकाल लिया गया, परन्तु अभिज्ञान गहरे पानी में जाने के कारण लापता हो गया था। जिसके बाद सूचना पाकर गंगा नदी थाना प्रभारी मौके पर पहुंच मामले की जांच पड़ताल में जुटे थे। पानी में किशोर के डूबने के बाद स्थानीय लोगों द्वारा एनडीआरएफ की टीम बुलाने को लेकर धरना प्रदर्शन किया गया। साथ ही लोगों ने एनडीआरएफ की टीम को स्थाई रूप से साहिबगंज में स्थापित करने के लिए भी आवाज उठा रहे थे। बुधवार सुबह एनडीआरएफ की टीम साहिबगंज पहुंच गई थी। लेकिन उससे पहले गंगा पुलिस के द्वारा किशोर को बरामद कर लिया गया था।

संताल परगना पुलिस खेलकूद प्रतियोगिता का हुआ समापन, देवघर बना ओवरऑल विजेता

साहिबगंज: संताल परगना क्षेत्रीय पुलिस खेलकूद प्रतियोगिता के तीसरे व अंतिम दिन बुधवार को पुलिस लाइन मैदान में रंगारंग समापन हुआ। खेलकूद प्रतियोगिता में ओवरऑल विजेता देवघर जिलाबल हुआ ओर उपविजेता मेजबान साहिबगंज जिलाबल हुआ। डीआईजी अंबर लकड़ा, प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश सहित अतिथियों ने विजेता प्रतिभागियों को मेडल व प्राइज देकर सम्मानित किया। वही डीआईजी ने जामताड़ा एसपी को खेलकूद का झंडा सौंपा। डीआईजी अंबर लकड़ा ने कहा कि फील्ड गेम खेलकूद प्रतिदिन खेले ओर अपने स्वास्थ्य को बेहतर रखे। नशापान या तंबाकू का सेवन कोई भी न करे। अपने क्षेत्र के स्कूल कॉलेज या सार्वजनिक स्थल में नशा उन्मूलन को लेकर जागरूकता अभियान चलाए। नशा उन्मूलन के लिए जागरूक करे। नशा समाज के लिए अभिशाप बनकर है। खेलकूद करने का उद्देश्य आपसी समन्वय बनाकर रखना ओर स्वास्थ्य, मानसिक बौद्धिक क्षमता बेहतर रखने के लिए किया जाता है। वही इससे पूर्व अंतिम दिन की सुबह से शाम तक एथलेक्टिश, क्रिकेट, फुटबॉल सहित अन्य खेलकूद का फाइनल मुकाबला खेला गया। समापन में सभी छह जिला के खिलाड़ियों ने मार्च पास्ट निकाला। शानदार आतिशबाजी के साथ समापन हुआ। वही अतिथियों ओर तकनीकी पदाधिकारियों और टीम मैनेजर को मोमेंटो देकर सम्मानित किया गया। मौके पर साहिबगंज एसपी अमित कुमार सिंह, देवघर एसपी, जामताड़ा एसपी सहित अन्य अधिकारी मौजूद थे।

युवक पर फायरिंग, गंभीर

पूर्वी सिंहभूम : मानगो स्थित एमजीएम थाना क्षेत्र के बालीगुमा में मंगलवार देर रात एक युवक पर फायरिंग करने का मामला सामने आया है। युवक की स्थिति गंभीर बनी हुई है। घायल युवक की पहचान सरायकेला-खरसावां जिले के राजनगर निवासी देवदास गौड़ के रूप में हुई है। गोली उसके गर्दन में लगी है और उसकी स्थिति चिंताजनक बनी हुई है। उसे इलाज के लिए एमजीएम अस्पताल में भर्ती कराया गया है, जहां चिकित्सकों की टीम गोली निकालने के प्रयास में जुटी हुई है। स्थानीय लोगों से मिली जानकारी के अनुसार देवदास गौड़ मंगलवार शाम अपने एक मित्र के साथ राजनगर से बालीगुमा आया था। वह रात करीब सात बजे से इलाके में मौजूद था। देर रात अज्ञात अपराधियों ने उस पर गोली चला दी। गोली लगने के बाद वह गंभीर रूप से घायल होकर गिर पड़ा। घटना के बाद उसे एक थार वाहन से एमजीएम अस्पताल पहुंचाया गया, लेकिन वाहन में मौजूद लोग उसे अस्पताल में छोड़कर वहां से चले गए। घटना की सूचना मिलते ही एमजीएम थाना पुलिस अस्पताल पहुंची और घायल युवक से मामले की जानकारी लेने का प्रयास किया। पुलिस ने घटनास्थल और आसपास के क्षेत्रों में भी जांच शुरू कर दी है।

जल जीवन मिशन को लेकर डीसी सख्त, पेयजल योजनाओं की समीक्षा में दिए कई अहम निर्देश

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

हजारीबाग : उपायुक्त हेमन्त सती की अध्यक्षता में स्वच्छ भारत मिशन एवं पेयजल एवं स्वच्छता विभाग की समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक के उप विकास आयुक्त रिया सिंह, प्रशिक्षु आईएएस पूर्वा अग्रवाल मौजूद थी। बैठक के दौरान उपायुक्त ने सभी कनीय अभियंताओं से गत सप्ताह किए गए कार्यों की विस्तृत समीक्षा की। उन्होंने कहा कि पेयजल आपूर्ति की स्थिति को धरातल पर और अधिक प्रभावी बनाने की आवश्यकता है। इसके लिए क्षेत्रीय समस्याओं एवं उनके समाधान पर नियमित चर्चा और समन्वित प्रयास आवश्यक हैं। उपायुक्त ने विशेष रूप से सिंगल विलेज स्कीम की प्रगति, उसकी सफलता के विभिन्न अवयवों तथा कार्य प्रणाली में सुधारात्मक पहलुओं पर चर्चा की। उन्होंने कहा कि जल जीवन मिशन एक अत्यंत महत्वपूर्ण एवं जन-सरोकारों से जुड़ी योजना है, जिसके सफल क्रियान्वयन के लिए छोटे-छोटे गांवों तक सुरक्षित पेयजल पहुंचाने के प्रयासों को प्राथमिकता दी जानी चाहिए। उन्होंने निर्देश दिया कि जिन क्षेत्रों में पेयजल की समस्या अधिक है, वहां चिन्हित कर डीप बोरिंग कराई जाए तथा घर-घर जलापूर्ति सुनिश्चित करने की दिशा में कार्य किया जाए। उपायुक्त ने बताया कि प्रथम चरण में पायलट प्रोजेक्ट के रूप में तीन-तीन गांवों का चयन कर जल जीवन मिशन के प्रभावी क्रियान्वयन का प्रयास किया जाएगा। उन्होंने कहा कि हजारीबाग में बोरिंग मशीन उपलब्ध है, इसलिए जरूरतमंद क्षेत्रों का चयन कर शीघ्र कार्य प्रारंभ किया जाएगा। इसके लिए सभी कनीय अभियंताओं को ऐसे ग्रामों की सूची उपलब्ध कराने का निर्देश दिया गया। उपायुक्त ने कहा कि गांवों की मूलभूत आवश्यकताएं सड़क, पानी एवं बिजली हैं। इन बुनियादी सुविधाओं की प्रभावी उपलब्धता सुनिश्चित कर ही विकास योजनाओं को सफल बनाया जा सकता है। बैठक में मल्टी विलेज स्कीम्स की भी समीक्षा की गई। इस दौरान उपायुक्त ने सभी कनीय अभियंताओं एवं जिला समन्वयक से योजनाओं की अद्यतन स्थिति की जानकारी प्राप्त की तथा आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। साथ ही उपायुक्त ने जल सहियाओं के माध्यम से संचालित वॉटर टेस्टिंग अभियान की समीक्षा की तथा विभिन्न क्षेत्रों में दूषित पेयजल की स्थिति से संबंधित रिपोर्ट एवं ग्रामवार सूची उपलब्ध कराने का निर्देश दिया, ताकि आवश्यक सुधारात्मक कार्रवाई समय पर सुनिश्चित की जा सके। उपायुक्त ने सभी अधिकारियों एवं अभियंताओं को जल जीवन मिशन एवं पेयजल योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन हेतु समन्वय के साथ कार्य करने तथा जनहित को सर्वोच्च प्राथमिकता देने का निर्देश दिया। बैठक में विभाग कार्यपालक अभियंता पेयजल अनिल कुमार, सभी कनीय अभियंता, जिला समन्वयक एवं संबंधित पदाधिकारी उपस्थित थे।

सार्वजनिक स्थलों पर शराब पीने वाले 14 लोग हिरासत में

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

पश्चिमी सिंहभूम : पश्चिमी सिंहभूम जिले में सार्वजनिक स्थानों पर शराब सेवन करने वालों के खिलाफ पुलिस ने व्यापक अभियान चलाते हुए सख्त कार्रवाई की है। जिला पुलिस अधीक्षक अमित रेणु के निर्देश पर मंगलवार रात सदर और मुफस्सिल थाना क्षेत्र में एक साथ विशेष छापेमारी अभियान चलाया गया। अभियान का नेतृत्व सदर थाना प्रभारी हरिलाल महतो और मुफस्सिल थाना प्रभारी विनोद कुमार ने किया। पुलिस टीम ने शहर के विभिन्न संवेदनशील और भीड़भाड़ वाले इलाकों में पहुंचकर खुलेआम शराब पीने वालों के खिलाफ कार्रवाई की। बस स्टैंड, मंगलहाट, मधु बाजार, जेवियर नगर, एसपीजी मिशन कंपाउंड, मुगलसराय, गुटुसाईं तथा खप्पारसाई सहित कई क्षेत्रों में एक साथ छापेमारी की गई। पुलिस की मौजूदगी देखते ही कई लोग मौके पर शराब छोड़कर भाग निकले, जबकि कई लोगों को हिरासत में लेने में पुलिस सफल रही। अभियान के दौरान पुलिस ने मधु बाजार सहित विभिन्न स्थानों से कुल 14 लोगों को हिरासत में लिया। सभी को संबंधित थानों में लाकर पूछताछ की जा रही है। पुलिस ने उनके खिलाफ कानूनी कार्रवाई की प्रक्रिया भी शुरू कर दी है। अधिकारियों का कहना है कि सार्वजनिक स्थानों पर शराब सेवन करना कानून का उल्लंघन है और इससे सामाजिक व्यवस्था प्रभावित होती है। बुधवार को सदर थाना प्रभारी हरिलाल महतो ने बताया कि जिले में नशाखोरी पर नियंत्रण और सार्वजनिक स्थानों की मयार्दा बनाए रखने के उद्देश्य से यह विशेष अभियान चलाया जा रहा है। उन्होंने स्पष्ट किया कि भविष्य में भी इस तरह की कार्रवाई लगातार जारी रहेगी और नियमों का उल्लंघन करने वालों के खिलाफ कठोर कदम उठाए जाएंगे।

भतुआ के अधिवक्ता पर फर्जी आवेदन व सोशल मीडिया पर भ्रमित कर समाचार चलाने का आरोप

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

बोकारो : जिले के वरिष्ठ अधिवक्ता भगवान प्रसाद साहु ने आरोप लगाया है कि किसी अज्ञात व्यक्ति ने उनके नाम पर फर्जी हस्ताक्षर कर आवेदन दायर किया है और उसी संदर्भ में ज्ञान न्यूज नेटवर्क नामक फेसबुक चैनल पर उनके खिलाफ भ्रामक समाचार प्रकाशित किया जा रहा है। भगवान प्रसाद (आयु 47), पुत्र स्व. कदु लाल साहु, निवासी ग्राम भतुआ, पोस्ट बैधमारा, थाना हरला, बताते हैं कि वे पिछले 18 वर्षों से बोकारो जिला अधिवक्ता संघ में अधिवक्ता के रूप में कार्यरत हैं। शिकायत के अनुसार आज सुबह लगभग 10:00 से 11:00 बजे के बीच फेसबुक पर उन्हें ज्ञात हुआ कि ज्ञान न्यूज नेटवर्क नामक चैनल पर उनकी सहमति के बिना उनके नाम से समाचार चलाया जा रहा है। उन्होंने चैनल संचालक (मो. 9431160585) से संपर्क कर स्पष्ट किया कि उक्त आवेदन उनका नहीं है और उसने ऐसा कोई आवेदन नहीं दिया। बाद में उन्हें शक हुआ कि जिस आवेदन का हवाला दिया जा रहा है वह भी उनके द्वारा नहीं दिया गया, बल्कि उस पर उनके नाम का फर्जी हस्ताक्षर किया गया है। भगवान प्रसाद का कहना है कि किसी अनजान व्यक्ति द्वारा उनके नाम का फर्जी हस्ताक्षर कर दिया जाने तथा उनके विरुद्ध भ्रामक खबरें चलाने से उनकी प्रतिष्ठा को ठेस पहुँची है और वे बदनाम हो रहे हैं। उन्होंने हरला थाना के थाना प्रभारी से उच्च स्तरीय जाँच कर फर्जी हस्ताक्षर करने वाले व्यक्ति व फेसबुक चैनल के संचालक के खिलाफ कानूनी कार्रवाई की मांग की है। शिकायत के साथ उन्होंने फर्जी आवेदन की छायाप्रति, वायरल समाचार का स्क्रीनशॉट, फेसबुक आईडी का स्क्रीनशॉट और मैसेंजर चैटिंग के स्क्रीनशॉट संलग्न किये हैं। उन्होंने पुलिस से त्वरित जांच और दोषियों के विरुद्ध आवश्यक कानूनी कार्यवाही की अपील की है। प्रतिक्रिया के लिए हमने ज्ञान न्यूज नेटवर्क के फेसबुक पेज और मोबाइल नंबर पर संपर्क का प्रयास किया, लेकिन अभी तक कोई जवाब प्राप्त नहीं हुआ है। हरला थाना से भी इस मामले में जांच संबंधी आधिकारिक टिप्पणी की प्रतीक्षा है।

नशा मुक्ति विशेष अभियान को लेकर विधिक जागरूकता शिविर का हुआ आयोजन

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

कोडरमा : झारखण्ड राज्य विधिक सेवा प्राधिकार, रांची के निर्देश के आलोक में जिला विधिक सेवा प्राधिकार कोडरमा के तत्वावधान में आज बुधवार को कोडरमा प्रखंड के पथलडीहा पंचायत भवन में नशामुक्ति को लेकर चलाये जा रहे विशेष अभियान के तहत विधिक जागरूकता शिविर का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम का उद्देश्य आम लोगो को नशाखोरी से होने वाले दुष्प्रभाव के बारे में जागरूक करना, उनके अधिकारों के संरक्षण, विभिन्न कानूनी प्रावधानों की जानकारी तथा निःशुल्क कानूनी सहायता उपलब्ध कराना है। इस शिविर के माध्यम से आम लोगो को उनके अधिकारों, सरकारी योजनाओं, विधिक सहायता सेवाओं तथा विभिन्न कानूनी समस्याओं के समाधान के संबंध में मार्गदर्शन दिया जाएगा। साथ ही जरूरतमंद लोगों को जिला विधिक सेवा प्राधिकार से जोड़कर निःशुल्क कानूनी सहायता उपलब्ध कराई जाएगी। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि जिला विधिक सेवा प्राधिकार के सचिव गौतम कुमार ने कहा कि नशाखोरी समाज के लिए एक ऐसा अभिशाप है जो पुरे परिवार एवं समाज को आंतरिक रूप से खोखला एवं कमजोर बना देता है। उन्होंने लोगो को नसीहत दी कि लोग नशे के सेवन से हर संभव बचने का प्रयास करे तथा नशामुक्त समाज के निर्माण में अपनी अहम भागीदारी सुनिश्चित करे। जिला विधिक सेवा प्राधिकार का प्रयास है कि समाज के आम लोगो को उनके अधिकारों के प्रति जागरूक किया जाए तथा उन्हें समय पर आवश्यक कानूनी सहायता उपलब्ध हो। उन्होंने कहा कि कई बार समाज के आम नागरिक जानकारी के अभाव में अपने अधिकारों से वंचित रह जाते हैं। उन्होंने कहा कि प्राधिकार द्वारा समाज के कमजोर, वंचित एवं जरूरतमंद लोगों को निःशुल्क कानूनी सहायता उपलब्ध कराने के लिए लगातार जागरूकता एवं सहायता कार्यक्रम संचालित किए जा रहे हैं।

जर्जर आवासों के लिए बीएसएल लाएगा विशेष लीज पुनर्स्थापन योजना

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

बोकारो : लोक सुरक्षा और जनहित को ध्यान में रखते हुए बोकारो इस्पात संयंत्र द्वारा जर्जर एवं असुरक्षित आवासीय ब्लॉकों में रह रहे लीजधारकों / निवासियों के लिए 'विशेष लीज पुनर्स्थापन योजना' की घोषणा जल्द ही की जाएगी। इस योजना के तहत, वर्तमान में असुरक्षित एवं जर्जर लीज आवासों के बदले संबंधित लीजधारकों को प्राथमिकता के आधार पर वैकल्पिक रिक्त आवास आवंटित किए जाएंगे। नए आवंटन मौजूदा लीज के नियमों एवं शर्तों के अनुसार ही प्रभावी होंगे। संबंधित प्रभावित निवासियों को पूर्व में ही कानूनी नोटिस के माध्यम से वर्तमान आवास खाली करने और पुनर्स्थापन की आवश्यकता से अवगत कराया जा चुका है। प्रस्तावित विशेष लीज पुनर्स्थापन परिपत्र के जारी होने के बाद सभी प्रभावित लीजधारकों से समय पर अपने आवेदन जमा करने का अनुरोध किया जाता है ताकि आवंटन की संपूर्ण प्रक्रिया पूरी पारदर्शिता के साथ जल्द संपन्न की जा सके। इस योजना से जुड़े विस्तृत विवरण, प्रभावित ब्लॉकों की सूची और आवेदन की प्रक्रिया शीघ्र ही जारी होने वाले विस्तृत परिपत्र में उपलब्ध कराई जाएगी। ज्ञातव्य है कि अधिकतर असुरक्षित एवं जर्जर ब्लॉक सेक्टर 12 में चिन्हित किए गए हैं जबकि कुछ ब्लॉक सेक्टर 2, सेक्टर 6 एवं सेक्टर 9 में चिन्हित किए गए हैं. विशेष लीज पुनर्स्थापन योजना का उद्देश्य लीजधारकों और उनके परिवारों को जर्जर ब्लॉक के संभावित जोखिम से आगाह कराना और उन्हें वैकल्पिक सुरक्षित आवास उपलब्ध कराना है अतः सभी प्रभावित लीजधारकों से इसमें सहयोग की अपील की जाती है।

जर्जर भवन में चल रहा विद्यालय, हादसे के साये में पढ़ने को मजबूर है विद्यार्थी

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

खूंटी : खूंटी जिले के जरियागढ़ स्थित उत्क्रमित उच्च विद्यालय की स्थिति इन दिनों काफी चिंताजनक बनी हुई है। विद्यालय का भवन पूरी तरह जर्जर हो चुका है, लेकिन भवन की कमी के कारण यहां सैकड़ों छात्र-छात्राएं प्रतिदिन जान जोखिम में डालकर शिक्षा ग्रहण करने को मजबूर हैं। विद्यालय की बदहाल स्थिति न केवल विद्यार्थियों बल्कि शिक्षकों और अभिभावकों के लिए भी चिंता का विषय बन गई है। विद्यालय के कई कक्षों की छतों से लगातार प्लास्टर और मलबा झड़ रहा है। कई स्थानों पर छत के अंदर लगी लोहे की सरिया भी दिखाई देने लगी है, जिससे भवन की कमजोर हालत का सहज अंदाजा लगाया जा सकता है। शिक्षकों के अनुसार पढ़ाई के दौरान हमेशा किसी बड़े हादसे की आशंका बनी रहती है। कई बार कक्षाओं में पढ़ाई के दौरान छत से प्लास्टर टूटकर गिर चुका है, जिससे छात्र-छात्राओं में भय का माहौल बना रहता है। बरसात के मौसम में विद्यालय की समस्या और अधिक गंभीर हो जाती है। विद्यालय के कमरों के साथ-साथ कार्यालय की छत भी जगह-जगह से टपकती है। बारिश के दिनों में कमरों में पानी भर जाता है। छात्र भीगते हुए पढ़ाई करने पर मजबूर है। विद्यालय में आसपास के ग्रामीण क्षेत्रों के सैकड़ों गरीब एवं मध्यमवर्गीय परिवारों के बच्चे शिक्षा प्राप्त करने के लिए यहां आते हैं। स्थानीय ग्रामीणों का कहना है कि भवन की जर्जर स्थिति कोई नई समस्या नहीं है। वर्षों से विद्यालय मरम्मत और नए भवन की मांग कर रहा है, लेकिन अब तक इस दिशा में कोई ठोस पहल नहीं हो सकी है। विद्यालय के प्रधानाचार्य ने बताया कि भवन की खराब स्थिति को लेकर कई बार विभागीय अधिकारियों को लिखित रूप से अवगत कराया गया है। उन्होंने कहा कि भवन वर्षों से क्षतिग्रस्त है और समय-समय पर छत से मलबा गिरता रहता है, जिससे विद्यार्थियों और शिक्षकों की सुरक्षा को लेकर हमेशा चिंता बनी रहती है। उन्होंने कहा कि भवन की कमी के कारण पढ़ाई बंद करना संभव नहीं है, इसलिए जोखिम के बावजूद कक्षाएं संचालित की जा रही हैं। विद्यालय प्रबंधन समिति, अभिभावकों और स्थानीय ग्रामीणों ने शिक्षा विभाग से अविलंब हस्तक्षेप कर नए विद्यालय भवन के निर्माण अथवा जर्जर भवन के जीर्णोद्धार की मांग की है। उनका कहना है कि विद्यार्थियों को सुरक्षित और बेहतर शैक्षणिक वातावरण उपलब्ध कराना सरकार और विभाग की प्राथमिक जिम्मेदारी है। यदि समय रहते आवश्यक कदम नहीं उठाए गए तो कभी भी कोई बड़ा हादसा हो सकता है।

एक नजर

सड़क हादसे में महिला की मौत

पलामू : पड़वा मोड़ –औरंगाबाद मुख्य पथ पर छतरपुर थाना क्षेत्र के सुल्तानी घाटी में बाइक से गिरकर एक महिला की मौत हो गई। उसका 10 माह का बच्चा बाल बाल बच गया। महिला फाइनेंस कंपनी से लोन ली थी, लेकिन केवाईसी लग जाने के कारण भुगतान नहीं हो पाया था। महिला लोन दिलाने वाले समूह के फाइनेंस कंपनी के कर्मी के साथ बाइक पर बैठकर छतरपुर बैंक आ रही थी। महिला को जख्मी हालत में मेदिनी राय मेडिकल कॉलेज अस्पताल में लाने के बाद फाइनेंस कर्मी परिजनों को दुर्घटना हो जाने की सूचना देकर फरार हो गया। महिला को एमएमसीएच में मृत घोषित किया गया। महिला की डेड बॉडी का पोस्टमार्टम बुधवार सुबह एमएमसीएच में किया गया। महिला की पहचान हरिहरगंज के रजवार निवासी 30 वर्षीय प्रतिमा देवी पति सतेन्द्र भुइयां के रूप में हुई है। घटना मंगलवार शाम की है। एमएमसीएच में मृतका की सास महेश्वरी देवी ने बुधवार को जानकारी दी की उसकी बहू फाइनेंस कंपनी से लोन ली थी। पैसे के लिए छतरपुर गई थी। लोन दिलाने वाला कर्मी उसे बाइक पर बैठा कर ले गया था। घर से छतरपुर आने के क्रम में दुर्घटना हुई।

हत्या का खुलासा आरोपी गिरफ्तार

पश्चिमी सिंहभूम : जगन्नाथपुर थाना क्षेत्र के काटेपाड़ा जंगल में मिले युवक के शव मामले का पुलिस ने सफलतापूर्वक खुलासा कर दिया है। इस मामले में हत्या के आरोप में गांव के ही एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया गया है। बुधवार को जगन्नाथपुर अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी बहामन टूटी ने प्रेस वार्ता कर पूरे मामले की जानकारी दी। पुलिस के अनुसार 15 जून को काटेपाड़ा गांव के ग्रामीण मुंडा ने सूचना दी थी कि सुखदेवलंगर नाला के समीप जंगल में एक युवक का शव पड़ा हुआ है, जिससे दुर्गंध आ रही है। सूचना मिलते ही पुलिस टीम मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए सदर अस्पताल, चाईबासा भेजा गया। प्रारंभिक जांच के बाद आसपास के गांवों में पहचान कराई गई, जिसमें मृतक की पहचान छोटामहुलडीहा निवासी 20 वर्षीय मुकेश बारजो के रूप में हुई।जांच के दौरान पुलिस को पता चला कि मृतक का गांव के ही फंटुस लागुरी के साथ कुछ दिनों पूर्व विवाद हुआ था। परिजनों ने बताया कि विवाद के दौरान आरोपी ने मुकेश को गंभीर परिणाम भुगतने और जान से मारने की धमकी दी थी। मृतक की पत्नी बुधनी गोप बारजो के लिखित आवेदन पर जगन्नाथपुर थाना में हत्या का मामला दर्ज किया गया। प्राथमिकी दर्ज होने के बाद पुलिस अधीक्षक के निर्देश पर विशेष जांच एवं छापामारी दल का गठन किया गया।

श्रीकांत देसवाली की संदिग्ध मौत पर बिजुलिया मार्केट बंद

बोकारो : चास प्रखंड अंतर्गत तलगड़िया–चास मुख्य मार्ग स्थित बिजुलिया एवं जिला परिषद मार्केट के व्यवसायियों ने बुधवार को डीएम कलेक्शन के कर्मचारी स्वर्गीय श्रीकांत देशवाली की संदिग्ध मौत को लेकर शोकसभा आयोजित कर उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की। इस दौरान बाजार की कई दुकानें बंद रहीं और व्यापारियों ने मृतक की तस्वीर पर पुष्प अर्पित कर श्रद्धांजलि दी। शोकसभा का आयोजन भाजपा युवा नेता निमाई महतो के नेतृत्व में किया गया, जबकि कार्यक्रम का संचालन डीएम कलेक्शन के प्रोपराइटर धनंजय महतो ने किया। सभा में उपस्थित लोगों ने दिवंगत श्रीकांत देशवाली के व्यक्तित्व और व्यवहार की सराहना करते हुए उनके असामयिक निधन पर गहरा दुख व्यक्त किया। सभा को संबोधित करते हुए निमाई महतो एवं धनंजय महतो ने कहा कि मामले की निष्पक्ष और गहन जांच होनी चाहिए ताकि घटना के वास्तविक कारणों का पता चल सके और पीड़ित परिवार को न्याय मिल सके।

संक्षिप्त खबरें

भारतीय नाविकों की मौत पर स्वदेशी जागरण मंच का आक्रोश, अमेरिकी राजदूत को भेजा विरोध पत्र

बोकारो : तीन भारतीय नाविकों की मौत को लेकर स्वदेशी जागरण मंच ने अमेरिका के खिलाफ कड़ा विरोध दर्ज कराया है। मंच ने नई दिल्ली स्थित अमेरिकी दूतावास के माध्यम से भारत में संयुक्त राज्य अमेरिका के राजदूत सर्जियो गोर को एक विस्तृत ज्ञापन भेजते हुए घटना की निष्पक्ष जांच, दोषियों की जवाबदेही तय करने और पीड़ित परिवारों को न्याय दिलाने की मांग की है। मंच की ओर से जारी बयान में कहा गया है कि 8, 10 और 11 जून 2026 को अमेरिकी सशस्त्र बलों की कार्रवाई में तीन निहत्थे भारतीय नाविकों की मौत अत्यंत दुखद और चिंताजनक है। इस घटना ने देशभर के नागरिकों में आक्रोश और चिंता पैदा की है। मंच का आरोप है कि अमेरिकी प्रशासन की प्रतिक्रिया भी संवेदनहीन रही है, जिससे भारतीय जनमानस की भावनाएं और अधिक आहत हुई हैं। स्वदेशी जागरण मंच ने अपने पत्र में कहा है कि अंतरराष्ट्रीय जलक्षेत्र में नागरिक जहाजों और नाविकों की सुरक्षा सुनिश्चित करना सभी देशों की जिम्मेदारी है। संयुक्त राष्ट्र समुद्री कानून (यूएनसीएलओएस), जिनेवा कन्वेंशन, अंतरराष्ट्रीय समुद्री संगठन (आईएमओ) के नियमों तथा अंतरराष्ट्रीय मानवाधिकार कानूनों के तहत नागरिक नाविकों को सुरक्षा प्राप्त है। ऐसे में किसी भी निहत्थे वाणिज्यिक जहाज या उसके चालक दल पर हमला अंतरराष्ट्रीय मानकों और मानवाधिकारों का गंभीर उल्लंघन माना जाएगा। मंच ने मांग की है कि पूरे मामले की पारदर्शी और समयबद्ध जांच कराई जाए, दोषियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई हो, पीड़ित परिवारों को उचित मुआवजा दिया जाए तथा भविष्य में ऐसी घटनाओं की पुनरावृत्ति रोकने के लिए ठोस कदम उठाए जाएं। साथ ही कहा गया है कि भारत को आवश्यकता पड़ने पर इस मामले को संयुक्त राष्ट्र और अंतरराष्ट्रीय समुद्री संगठन जैसे वैश्विक मंचों पर भी मजबूती से उठाना चाहिए, ताकि भारतीय नाविकों की सुरक्षा, सम्मान और न्याय सुनिश्चित हो सके।

बाल मजदूरी के खिलाफ बड़ी कार्रवाई, गैराज से दो नाबालिग बच्चों का रेस्क्यू

बोकारो : उपायुक्त बोकारो के निदेशानुसार जिले में बाल मजदूरी के खिलाफ गठित जिला धावा दल ने आज एक विशेष रेस्क्यू अभियान चलाया। इस अभियान के तहत सेक्टर 5ऊ स्थित 'राजू मोटरसाइकिल गैराज' से दो नाबालिग बाल मजदूरों को मुक्त कराया गया। रेस्क्यू के दौरान मुक्त कराए गए बच्चों की उम्र 14 वर्ष और 17 वर्ष है।दोनों बच्चे क्रमशः चीरा चास और बिजूलिया गांव के रहने वाले हैं। रेस्क्यू अभियान के तुरंत बाद दोनों बच्चों को बाल कल्याण समिति , बोकारो के समक्ष प्रस्तुत किया गया। समिति के आदेशानुसार, बच्चों के पुनर्वास के लिए उन्हें तत्काल बाल गृह, चास (बोकारो) भेज दिया गया है। इस विशेष अभियान को सफल बनाने में जिला धावा दल के मुख्य रूप से अजीत राणा ,बाल संरक्षण इकाई, राकेश कुमार श्रम प्रवर्तन पदाधिकारी, चास, पिंटू कुमार श्रम प्रवर्तन पदाधिकारी, चंदनकियारी, प्रदीप कुमार ,चाइल्ड लाइन तथा रवि कुमार राय सहयोगिनी, बोकारो शामिल थे। दवा दल ने कहा कि बोकारो जिले में बाल मजदूरी के खिलाफ सघन अभियान चलाया जा रहा है। किसी भी व्यावसायिक प्रतिष्ठान, होटल या गैराज में यदि बाल मजदूर काम करते पाए गए, तो उन्हें तुरंत रेस्क्यू किया जाएगा। इसके साथ ही संबंधित नियोक्ता (मालिक) के खिलाफ श्रम अधिनियम की सुसंगत धाराओं के तहत कड़ी कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

आरोग्यम अस्पताल में 21 जून को न्यूरोसर्जन डॉ. विकास कुमार की विशेष ओपीडी

हजारीबाग : स्वास्थ्य सेवाओं को और सशक्त बनाने की दिशा में हजारीबाग शहर के प्रसिद्ध आरोग्यम अस्पताल में 21 जून (रविवार) को दोपहर 12 बजे से प्रसिद्ध न्यूरोसर्जन एवं ब्रेन स्पेशलिस्ट डॉ. विकास कुमार की विशेष ओपीडी आयोजित की जाएगी। इस दौरान मस्तिष्क, रीढ़ की हड्डी एवं नसों से संबंधित गंभीर बीमारियों से पीड़ित मरीजों को विशेषज्ञ परामर्श एवं उपचार की सुविधा उपलब्ध कराई जाएगी। इस विशेष ओपीडी में ब्रेन ट्यूमर, ब्रेन हेमरेज, स्ट्रोक, स्पाइन डिसऑर्डर, नसों के दबाव से होने वाली समस्याएं, न्यूरोलॉजिकल विकार तथा न्यूरोसर्जरी से संबंधित विभिन्न जटिल रोगों की जांच एवं परामर्श दिया जाएगा। विशेषज्ञ चिकित्सक द्वारा मरीजों की स्थिति के अनुसार आवश्यक उपचार एवं आगे की चिकित्सा प्रक्रिया की सलाह भी दी जाएगी। अस्पताल के निर्देशक हर्ष अजमेरा ने कहा कि अस्पताल का लक्ष्य हजारीबाग सहित आसपास के जिलों के लोगों को महानगरों जैसी आधुनिक एवं विशेषज्ञ चिकित्सा सेवाएं स्थानीय स्तर पर उपलब्ध कराना है। उन्होंने कहा कि डॉ. विकास कुमार जैसे अनुभवी न्यूरोसर्जन की सेवाएं मिलने से मरीजों को बेहतर उपचार के लिए बाहर जाने की आवश्यकता काफी हद तक कम होगी और समय पर उचित चिकित्सा परामर्श प्राप्त हो सकेगा। अस्पताल की प्रशासक जया सिंह ने बताया कि मरीजों की सुविधा के लिए विशेष व्यवस्था की गई है। उन्होंने कहा कि जिन लोगों को लंबे समय से मस्तिष्क, नस या रीढ़ की हड्डी से जुड़ी समस्याएं हैं, वे इस अवसर का लाभ उठाकर विशेषज्ञ चिकित्सक से परामर्श प्राप्त करें। उन्होंने इच्छुक मरीजों से समय पूर्व पंजीकरण कराने की भी अपील की। विशेष ओपीडी में परामर्श के लिए 7319942219 एवं 7319942220 पर संपर्क कर अग्रिम अपॉइंटमेंट लिया जा सकता है। अस्पताल ने अधिक से अधिक मरीजों से इस विशेषज्ञ चिकित्सा सेवा का लाभ उठाने की अपील की है।

एनबीडब्ल्यू वारंटी आरोपी दबोचा गया न्यायालय में प्रस्तुत

बोकारो : बेरमो तेनुघाट , न्यायालय द्वारा जारी गैर-जमानती वारंट के आलोक में चंद्रपुरा थाना पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए एक वारंटी को गिरफ्तार किया। पुलिस ने 16 जून 2026 को आरोपी के आवास पर विधिवत छापेमारी कर उसे गिरफ्तार किया। गिरफ्तार आरोपी की पहचान रोहित कुमार वर्मा, पिता-सुखदेव प्रसाद वर्मा, निवासी न्यू पिपराडीह, भामाशाह पथ, थाना-चंद्रपुरा, जिला-बोकारो के रूप में हुई है। आरोपी के विरुद्ध सीपी-927/20 मामले में न्यायालय द्वारा गैर-जमानती वारंट जारी किया गया था। गिरफ्तारी के बाद पुलिस ने आरोपी को विधिसम्मत प्रक्रिया पूरी करते हुए न्यायालय, बेरमो तेनुघाट में प्रस्तुत कर दिया। इस कार्रवाई का नेतृत्व चंद्रपुरा थाना प्रभारी विक्रम कुमार ने किया। छापेमारी दल में पुलिस पदाधिकारी कुंदन कुमार पासवान सहित चंद्रपुरा थाना के रिजर्व गार्ड के जवान शामिल थे। पुलिस ने बताया कि न्यायालय से जारी वारंटों के निष्पादन के लिए अभियान आगे भी लगातार जारी रहेगा।

सीएम सम्राट चौधरी की फुलवारी शरीफ को बड़ी सौगात, 71 करोड़ की योजनाओं का उद्घाटन एवं शिलान्यास

पटना (एजेंसी) पटना के फुलवारी शरीफ प्रखंड अंतर्गत नदियामा गांव में आयोजित प्रखंड स्तरीय सहयोग-सह-जन कल्याण शिविर में मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने विकास, शिक्षा, पर्यटन, महिला सशक्तिकरण और कानून व्यवस्था को लेकर कई महत्वपूर्ण घोषणाएं कीं. मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी के आगमन को लेकर नदियामा गांव में उत्सव जैसा माहौल देखने को मिला. हजारों की संख्या में महिला, पुरुष, युवा और बुजुर्ग सुबह से ही शिविर स्थल पर पहुंच गए थे. मुख्यमंत्री के पहुंचते ही कार्यकताओं और समर्थकों ने फूल-मालाओं के साथ जोरदार स्वागत किया और पूरा पंडाल नारों तथा तालियों से गूंज उठा. दीप प्रज्वलन कर शिविर का शुभारंभ मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी, उपमुख्यमंत्री विजय कुमार चौधरी, केंद्रीय मंत्री रामकृपाल यादव, विधायक श्याम रजक समेत अन्य जनप्रतिनिधियों ने संयुक्त रूप से दीप प्रज्वलित कर शिविर का उद्घाटन किया. इस अवसर पर विधायक श्याम रजक ने मुख्यमंत्री को माता सावित्रीबाई फुले की तस्वीर और अंगवस्त्र भेंट कर सम्मानित किया.

सीएम ने किया दीप प्रज्वलन सरकार और जनता के बीच दूरी खत्म करने की पहल मुख्यमंत्री ने कहा कि सहयोग-सह-जन कल्याण शिविर का उद्देश्य सरकार और जनता के बीच की दूरी को समाप्त करना है. उन्होंने बताया कि बिहार के सभी 534 प्रखंडों में ऐसे शिविर आयोजित किए जा रहे हैं, जहां लोगों की समस्याओं का ऑन द स्पॉट समाधान किया जा रहा है और सरकारी योजनाओं का लाभ सीधे पात्र व्यक्तियों तक पहुंचाया जा रहा है. 71 करोड़ की विकास योजनाओं का उद्घाटन और शिलान्यास मुख्यमंत्री ने रिमोट के माध्यम से फुलवारी शरीफ प्रखंड क्षेत्र में विभिन्न विभागों की लगभग 71 करोड़ रुपये लागत वाली विकास योजनाओं का उद्घाटन और शिलान्यास किया. उन्होंने कहा कि सड़क, स्वास्थ्य, शिक्षा, पेयजल, भवन निर्माण और ग्रामीण विकास से जुड़ी परियोजनाओं के पूरा होने से क्षेत्र के विकास को नई गति मिलेगी. भागीय स्टॉलों का किया निरीक्षण मुख्यमंत्री ने शिविर परिसर में लगाए गए विभिन्न विभागों के स्टॉलों का निरीक्षण किया और लाभुकों से सीधे संवाद किया. उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिया कि जनता की समस्याओं का त्वरित समाधान सुनिश्चित किया जाए. शिविर में बड़ी संख्या में लोग आवेदन जमा करते और योजनाओं की जानकारी लेते दिखाई दिए. 17 प्रमुख योजनाओं का मिल रहा लाभ उपमुख्यमंत्री विजय कुमार चौधरी ने कहा कि इस शिविर के माध्यम से केंद्र और राज्य सरकार की करीब 17 प्रमुख योजनाओं का लाभ लोगों तक पहुंचाया जा रहा है. उन्होंने कहा कि अब लोगों को छोटी-छोटी समस्याओं के समाधान के लिए अलग-अलग कार्यालयों के चक्कर नहीं लगाने पड़ रहे हैं. गरीबों और जरूरतमंदों तक योजनाओं का लाभ पहुंचाना प्राथमिकता मुख्यमंत्री ने कहा कि आयुष्मान भारत योजना, प्रधानमंत्री आवास योजना, मुख्यमंत्री आवास योजना, सामाजिक सुरक्षा पेंशन योजना और जीविका योजना सहित अन्य कल्याणकारी योजनाओं का लाभ हर पात्र व्यक्ति तक पहुंचाना सरकार की प्राथमिकता है. उन्होंने लोगों से आयुष्मान कार्ड बनवाने की अपील भी की. पेंशन राशि बढ़ाकर 1100 रुपये की गई मुख्यमंत्री ने बताया कि राज्य सरकार ने वृद्ध, दिव्यांग और विधवा पेंशनधारियों की पेंशन राशि 400 रुपये से बढ़ाकर 1100 रुपये कर दी है. उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिया कि तकनीकी कारणों से वंचित लाभुकों को चिन्हित कर जल्द लाभ दिया जाए. हिलाओं को बनाया जा रहा आत्मनिर्भर मुख्यमंत्री ने कहा कि जीविका समूहों के माध्यम से लाखों महिलाओं को रोजगार और स्वरोजगार से जोड़ा गया है. सरकार का लक्ष्य अधिक से अधिक महिलाओं को लखपति दीदी बनाना है ताकि वे आर्थिक रूप से मजबूत और आत्मनिर्भर बन सकें. सहायता राशि लाभुकों को वितरित किए प्रमाण पत्र और कार्यक्रम के दौरान मुख्यमंत्री ने जीविका दीदियों, प्रधानमंत्री आवास योजना, मुख्यमंत्री आवास योजना सहित विभिन्न योजनाओं के लाभुकों को प्रमाण पत्र, स्वीकृति पत्र और सहायता राशि प्रदान की. लाभुकों ने सरकार की योजनाओं के लिए आभार व्यक्त किया. नदियामा मध्य विद्यालय को प्लस टू विद्यालय बनाने की घोषणा शिक्षा के क्षेत्र में मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार प्रत्येक प्रखंड में आधुनिक सुविधाओं से युक्त मॉडल स्कूल विकसित करेगी. उन्होंने नदियामा मध्य विद्यालय को प्लस टू विद्यालय का दर्जा देने की दिशा में कार्रवाई करने की घोषणा भी की. सरकारी स्कूलों को बनाया जाएगा आधुनिक मुख्यमंत्री ने कहा कि सरकारी विद्यालयों में स्मार्ट क्लास, विज्ञान प्रयोगशालाएं, पुस्तकालय और खेलकूद की आधुनिक सुविधाएं उपलब्ध कराई जाएंगी. सरकार का लक्ष्य है कि सरकारी स्कूलों की गुणवत्ता इतनी बेहतर हो कि लोग निजी विद्यालयों की बजाय सरकारी विद्यालयों को प्राथमिकता दें. महिलाओं की सुरक्षा सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता मुख्यमंत्री ने कहा कि महिलाओं और बेटियों की सुरक्षा सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकताओं में शामिल है. महिला उत्पीड़न और अपराध के मामलों में त्वरित कार्रवाई के निर्देश दिए गए हैं और अपराधियों के खिलाफ सख्त कदम उठाए जा रहे हैं. कानून व्यवस्था पर जीरो टॉलरेंस की नीति मुख्यमंत्री ने कहा कि बिहार में कानून का राज स्थापित है और अपराध तथा भ्रष्टाचार के खिलाफ सरकार जीरो टॉलरेंस की नीति पर काम कर रही है.

संक्षिप्त डायरी

सीवान में अगले 24 घंटे में बदल जाएगा मौसम का मिजाज, IMD का हाई अलर्ट

पटना (एजेंसी)सीवान में उमस भरी गर्मी ने लोगों की परेशानी बढ़ा दी है. मौसम विशेषज्ञों ने अगले 24 घंटे में हल्की बारिश और बूंदाबांदी की संभावना जताई है. बिहार के कई जिलों में भीषण गर्मी का दौर जारी है. गर्मी के कारण लोगों का हाल बेहाल है. सीवान में भी मानसून की दस्तक से पहले उमस भरी गर्मी लोगों के लिए बड़ी परेशानी बन गई है. तेज धूप, हवा में बढ़ी नमी और बार-बार हो रही बिजली कटौती ने जनजीवन को प्रभावित कर दिया है. मौसम विशेषज्ञों का कहना है कि अगले 24 घंटे में कुछ इलाकों में हल्की बारिश या बूंदाबांदी हो सकती है, जिससे लोगों को थोड़ी राहत मिलने की उम्मीद है. सुबह से ही उमस और गर्मी ने बढ़ाई बेचैनी बुधवार को सीवान में दिन की शुरूआत तेज धूप और चिपचिपी गर्मी के साथ हुई. सुबह के समय ही तापमान 32 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच गया. वहीं हवा में नमी का स्तर 75 फीसदी दर्ज किया गया, जिससे लोगों को सामान्य से अधिक गर्मी महसूस हुई. पुरवा हवा भी नहीं दे सकी राहत मौसम विभाग के आंकड़ों के अनुसार पुरवा हवा करीब 8 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से चली. हालांकि हवा की गति काफी कम होने के कारण लोगों को गर्मी और उमस से राहत नहीं मिल सकी. घरों में चल रहे पंखे और कूलर भी बेअसर नजर आए. बाजारों और सड़कों पर दिखा गर्मी का असर तीखी धूप और उमस का असर शहर के बाजारों और सड़कों पर साफ दिखाई दिया. दोपहर के समय केवल जरूरी काम से ही लोग घरों से बाहर निकले. सामान्य दिनों की तुलना में बाजारों में भीड़ कम रही और कई स्थानों पर सन्नाटा पसरा रहा. अगले 24 घंटे में बूंदाबांदी के संकेत मौसम विशेषज्ञ भोलेन्द्र कुमार ने बताया कि अगले 24 घंटे के दौरान तापमान में किसी बड़े बदलाव की संभावना नहीं है. आसमान में आंशिक बादल छाए रह सकते हैं और कुछ स्थानों पर हल्की बारिश या बूंदाबांदी दर्ज की जा सकती है. उन्होंने कहा कि जब तक मानसूनी गतिविधियां पूरी तरह सक्रिय नहीं होतीं, तब तक लोगों को उमस भरी गर्मी से पूरी राहत मिलने की संभावना कम है. हालांकि बादलों की आवाजाही और हल्की वर्षा से तापमान में थोड़ी कमी आ सकती है. बिजली कटौती ने बढ़ाई लोगों की मुश्किल भीषण गर्मी के बीच बिजली व्यवस्था भी लोगों की परेशानी का कारण बनी हुई है. कई इलाकों में बिजली की आंखमिचौली और लो वोल्टेज की समस्या लगातार बनी हुई है. मंगलवार की आधी रात से कई क्षेत्रों में बिजली आपूर्ति बाधित रही. ग्रामीण अजय यादव, उपेंद्र यादव, निखिल गिरी और आशुतोष द्विवेदी ने बताया कि बार-बार बिजली कटने और लो वोल्टेज के कारण दैनिक जीवन प्रभावित हो रहा है. लंबे समय तक बिजली नहीं रहने से इनवर्टर भी जवाब देने लगे हैं. उमस के कारण बढ़ रहे बीमारी के मामले बदलते मौसम और बढ़ती उमस का असर लोगों की सेहत पर भी दिखाई देने लगा है. अस्पतालों में सर्द-गर्म, बुखार, डायरिया और पेट संबंधी समस्याओं से पीड़ित मरीजों की संख्या बढ़ रही है. चिकित्सकों का कहना है कि इस मौसम में संक्रमण का खतरा अधिक रहता है. इसलिए लोगों को खानपान और स्वच्छता पर विशेष ध्यान देने की जरूरत है. डॉक्टरों ने दी सावधानी बरतने की सलाह चिकित्सक डॉ. संजय गिरी के अनुसार गर्मी और उमस के मौसम में शरीर में पानी की कमी नहीं होने देनी चाहिए. लोगों को पर्याप्त मात्रा में पानी पीना चाहिए और बासी भोजन से बचना चाहिए. उन्होंने सलाह दी कि धूप में निकलने से पहले पानी पीकर निकलें. साथ ही नींबू पानी, बेल का शरबत और अन्य प्राकृतिक पेय पदार्थों का सेवन अधिक करें ताकि शरीर में पानी और ऊर्जा की कमी न हो. गे कैसा रहेगा मौसम का हाल मौसम विशेषज्ञों के अनुसार अगले एक-दो दिनों में बादलों की सक्रियता बढ़ सकती है. यदि स्थानीय स्तर पर बारिश होती है तो लोगों को उमस और गर्मी से कुछ राहत मिल सकती है. मौसम विभाग ने अगले 24 घंटे में बारिश की गतिविधियों के शुरू होने की संभावना जताई है. आने वाले कुछ दिनों के लिए मौसम विभाग ने मेघ गर्जन, वज्रपात की चेतावनी जारी की है. मौसम विभाग की मानें तो 23 से 24 जून तक जिले में मानसून की गतिविधि भी शुरू हो सकती है.

मढ़ौरा के लोगों के लिए जरूरी खबर, 5 घंटे नहीं रहेगी बिजली, विभाग ने जारी किया अलर्ट

पटना (एजेंसी) मढ़ौरा पावर सब स्टेशन से जुड़े सभी फीडरों में बुधवार को सुबह 8 बजे से दोपहर 1 बजे तक बिजली आपूर्ति बाधित रहेगी. विभाग ने मेंटेनेंस कार्य को कारण बताया है. : मढ़ौरा के बिजली उपभोक्ताओं के लिए महत्वपूर्ण खबर है. पावर सब स्टेशन से जुड़े सभी फीडरों की बिजली आपूर्ति बुधवार को पांच घंटे के लिए बाधित रहेगी. बिजली विभाग ने बताया कि 33 केवीए लाइन में आवश्यक मेंटेनेंस और ब्रेकर मरम्मत कार्य के कारण सुबह 8 बजे से दोपहर 1 बजे तक शटडाउन लिया जाएगा. पांच घंटे बाधित रहेगी बिजली आपूर्ति मढ़ौरा पावर सब स्टेशन से जुड़े सभी फीडरों में बुधवार को बिजली आपूर्ति प्रभावित रहेगी. बिजली विभाग की ओर से जारी सूचना के अनुसार सुबह 8 बजे से दोपहर 1 बजे तक बिजली आपूर्ति बंद रखी जाएगी. मेंटेनेंस कार्य के कारण लिया गया शटडाउन सहायक अभियंता नीरज कुमार ने बताया कि 33 केवीए लाइन में आवश्यक मेंटेनेंस कार्य किया जाना है. इसी वजह से बिजली आपूर्ति को अस्थायी रूप से बाधित रखने का निर्णय लिया गया है. ब्रेकर मरम्मत का कार्य होगा पूरा बिजली विभाग के अनुसार मानसून से पहले विद्युत व्यवस्था को मजबूत करने के लिए लाइन और ब्रेकर की मरम्मत जरूरी है. इस दौरान तकनीकी टीम आवश्यक सुधार और रखरखाव का कार्य करेगी. बारिश के मौसम को देखते हुए तैयारी अधिकारियों का कहना है कि बरसात के मौसम में बिजली आपूर्ति बाधित न हो, इसके लिए पहले से जरूरी तकनीकी कार्य पूरे किए जा रहे हैं. इसी क्रम में 33 केवीए लाइन के ब्रेकर की मरम्मत की जा रही है. उपभोक्ताओं से सहयोग की अपील बिजली विभाग ने उपभोक्ताओं से अपील की है कि निर्धारित समय के दौरान बिजली बाधित रहने को लेकर आवश्यक तैयारी कर लें. कार्य पूरा होने के बाद बिजली आपूर्ति सामान्य कर दी जाएगी. मेंटेनेंस और मरम्मत कार्य पूरा होने के बाद दोपहर 1 बजे के बाद सभी फीडरों में बिजली आपूर्ति बहाल कर दी जाएगी. विभाग का दावा है कि इस कार्य से भविष्य में बिजली व्यवस्था और अधिक बेहतर होगी.

भोजपुर पुलिस पर पिस्टल तानने वाले युवक से मुठभेड़, दोनों पैरों में गोली लगने के बाद पहुंचा अस्पताल

पटना (एजेंसी) शाहपुर थाना क्षेत्र के बिलौटी गांव में बुधवार की सुबह पुलिसकर्मियों पर पिस्टल तानने वाले युवक एवं पुलिस के बीच मुठभेड़ हो गई. इस दौरान जवाबी कार्रवाई में युवक के दोनों पैरों में गोली लगी है, जिसे इलाज के लिए आरा सदर अस्पताल लाया गया है. भोजपुर जिले के शाहपुर थाना क्षेत्र के बिलौटी गांव में पुलिसकर्मियों पर पिस्टल तानने वाले युवक एवं पुलिस के बीच बुधवार की सुबह मुठभेड़ हो गई. इस दौरान युवक को दोनों पैरों में गोली लगी, जिससे वह गंभीर रूप से जख्मी हो गया. पुलिस द्वारा उसे इलाज के लिए शाहपुर रेफरल अस्पताल से आरा सदर अस्पताल लाया गया. मुठभेड़ में भोजपुर पुलिस एवं पटना एसटीएफ की टीम शामिल थी. जानकारी के अनुसार जख्मी शाहपुर थाना क्षेत्र के बिलौटी गांव निवासी काशीनाथ तिवारी का 30 वर्षीय पुत्र भरत तिवारी है. उधर घटना को लेकर गांव में आसपास के इलाके में सनसनी फैल गई है. घटना की सूचना मिलते ही जगदीशपुर एसडीपीओ राजेश कुमार शर्मा एवं शाहपुर थानाध्यक्ष राजेश मालाकार पुलिस बल के साथ आरा सदर अस्पताल पहुंच मामले की छानबीन में जुट गए हैं. बताया जाता है कि भरत तिवारी मानसिक रूप से परेशान है. उसका एक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हुआ था. जिसके बाद थानाध्यक्ष के नेतृत्व में पुलिस जांच करने मंगलवार को उसके घर पहुंची थी

पटना में कारगिल चौक पर बवाल, गाड़ी की टक्कर के बाद छात्रों का हंगामा; मारपीट में 5 घायल

पटना (एजेंसी) पटना के गांधी मैदान थाना क्षेत्र स्थित कारगिल चौक पर देर रात गाड़ी से धक्का लगने के बाद छात्रों और कार सवारों के बीच जमकर मारपीट हो गई. इस घटना में पांच लोग घायल हो गए, जबकि स्थिति नियंत्रित करने पहुंची पुलिस से भी छात्रों की भिड़ंत हो गई. घटना मंगलवार देर रात गांधी मैदान थाना क्षेत्र के कारगिल चौक की है, जहां एक गाड़ी की चपेट में आने से एक छात्र घायल हो गया. इसके बाद स्थिति अचानक बिगड़ गई और मामला तेजी से बढ़ते हुए हिंसक झड़प में बदल गया. हॉस्टल से बुलाए गए अन्य छात्र बताया जाता है कि घायल छात्र बीएन कॉलेज छात्रावास का रहने वाला है. धक्का लगने के बाद उसने हॉस्टल से अपने साथियों को बुला लिया, जिसके बाद बड़ी संख्या में छात्र मौके पर पहुंच गए. कार सवारों के साथ जमकर मारपीट मौके पर पहुंचे छात्रों ने कार चालक और उसमें सवार अन्य लोगों के साथ मारपीट शुरू कर दी. इस दौरान बचाने आए कुछ अन्य लोगों को भी चोटें आईं और कुल पांच लोग घायल हो गए. पुलिस के पहुंचने पर भी हंगामा घटना की सूचना मिलने पर गांधी मैदान थाना पुलिस मौके पर पहुंची और स्थिति को नियंत्रित करने का प्रयास किया. लेकिन इस दौरान कुछ छात्रों की पुलिस से भी नोकझोंक हो गई और हंगामा बढ़ गया. पुलिस ने किया हल्का बल प्रयोग स्थिति बिगड़ते देख पुलिस ने आंशिक बल प्रयोग कर भीड़ को तितर-बितर किया और हालात पर काबू पाया. बाद में स्थिति सामान्य हुई. पुलिस का बयान और जांच जारी गांधी मैदान थानाध्यक्ष ने बताया कि पुलिस पर हमले की बात सही नहीं है. मामले में जांच की जा रही है और आवश्यक कानूनी कार्रवाई करते हुए केस दर्ज किया जाएगा.

पटना में खुले नाले बने मौत का गड्ढा, हर कदम पर हादसे का खतरा, लोगों के फंसने और गिरने की बढ़ी

पटना (एजेंसी) दानापुर नगर परिषद क्षेत्र में खुले नाले और टूटे ढक्कनों के कारण लोगों की सुरक्षा पर बड़ा खतरा मंडरा रहा है. वार्ड 11 के खरजा रोड स्थित डाक बाबा मंदिर गली में खुले नालों से लगातार दुर्घटनाओं की आशंका बनी हुई है. दानापुर नगर परिषद क्षेत्र के वार्ड 11 स्थित खरजा रोड की डाक बाबा मंदिर गली में आधा दर्जन से अधिक नाले बिना ढक्कन के खुले पड़े हैं. इससे स्थानीय लोगों में लगातार दुर्घटना का भय बना हुआ है. लोगों को हो रही परेशानी स्थानीय निवासियों का कहना है कि खुले नाले के किनारे चलना जोखिम भरा हो गया है. बच्चों और बुजुर्गों के गिरने की आशंका हमेशा बनी रहती है. कई लोगों ने अपने घर के सामने निजी खर्च से नाले पर स्लैब बनवाया है. दोपहिया वाहन चालक हो रहे

हादसे का शिकार खुले नाले के कारण आए दिन दोपहिया वाहन चालक फंसकर दुर्घटना का शिकार हो रहे हैं. कई बार जानवर भी नालों में गिर चुके हैं. इसके बावजूद मरम्मत कार्य नहीं किया जा रहा है. प्रशासन पर लापरवाही के आरोप स्थानीय लोगों का आरोप है कि संबंधित विभाग केवल हादसे के बाद ही कार्रवाई करता है. कई बार शिकायत देने के बावजूद अब तक कोई ठोस कदम नहीं उठाया गया है. लोगों का कहना है कि प्रशासन गंभीर नहीं है. बरसात में बढ़ सकता है खतरा लोगों का कहना है कि अगर समय रहते नालों की मरम्मत नहीं की गई तो बरसात के मौसम में स्थिति और भी गंभीर हो सकती है. तेज पानी के बहाव से नाले और अधिक क्षतिग्रस्त हो सकते हैं. परिषद के 40 वार्डों में भी समस्या जानकारी के अनुसार नगर परिषद के लगभग 40 वार्डों में खुले नाले और टूटे ढक्कन की समस्या बनी हुई है. इससे पूरे क्षेत्र में लोगों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है. अधिकारियों की कार्यशैली पर सवाल स्थानीय लोगों का कहना है कि नगर प्रबंधक फील्ड में केवल औपचारिकता निभा रहे हैं, जबकि जमीनी समस्याओं का समाधान नहीं हो रहा है. परिषद के कामकाज को लेकर भी सवाल उठ रहे हैं. ईओ का बयान इस मामले में ईओ सह प्रशासक पंकज कुमार ने कहा कि टूटे हुए नालों के ढक्कन जल्द ही लगाए जाएंगे ताकि लोगों को किसी प्रकार की दुर्घटना से बचाया जा सके.

बिहार के इन शिक्षकों को शिक्षा मंत्री ने दी चेतावनी, बोले- जांच होगी, दोषी पाए जाने पर जा सकती है नौकरी

पटना (एजेंसी) बिहार के सरकारी स्कूलों में सिर्फ हाजिरी लगाकर गायब रहने वाले शिक्षकों पर अब सख्त कार्रवाई होगी. शिक्षा मंत्री मिथिलेश कुमार तिवारी ने कहा है कि जांच में दोषी पाए जाने वाले शिक्षकों के खिलाफ निलंबन से लेकर नौकरी समाप्त करने तक की कार्रवाई की जा सकती है. बिहार सरकार सरकारी स्कूलों की शिक्षा व्यवस्था को सुधारने के लिए अब सख्त कदम उठाने की तैयारी में है. शिक्षा मंत्री मिथिलेश कुमार तिवारी ने साफ कहा है कि स्कूल में केवल हाजिरी लगाकर गायब रहने वाले शिक्षकों को किसी भी कीमत पर बख्शा नहीं जाएगा. ऐसे मामलों में जांच के बाद कड़ी कार्रवाई होगी और जरूरत पड़ने पर नौकरी भी जा सकती है. लंबे समय से मिल रही थीं शिकायतें सरकारी स्कूलों में शिक्षकों की उपस्थिति को लेकर लंबे समय से सवाल उठते रहे हैं. कई जिलों से शिकायतें आती रही हैं कि कुछ शिक्षक स्कूल पहुंचकर उपस्थिति दर्ज कराते हैं, लेकिन कक्षाओं में

पढ़ाने के बजाय गायब हो जाते हैं. इसका सीधा असर बच्चों की पढ़ाई पर पड़ता है. शिक्षा की गुणवत्ता भी प्रभावित होती है. ह्यहाजिरी नहीं, पढ़ाई जरूरीह्ल शिक्षा मंत्री ने कहा कि सरकार बच्चों को बेहतर शिक्षा देने के लिए लगातार प्रयास कर रही है. ऐसे में शिक्षकों की जिम्मेदारी और बढ़ जाती है. उन्होंने कहा कि शिक्षक केवल हाजिरी लगाने तक सीमित नहीं रह सकते. उनकी सबसे बड़ी जिम्मेदारी छात्रों को नियमित और गुणवत्तापूर्ण शिक्षा देना है. शिकायत मिली तो होगी जांच मंत्री ने स्पष्ट किया कि यदि किसी शिक्षक के खिलाफ स्कूल में हाजिरी लगाकर बिना पढ़ाए चले जाने की शिकायत मिलती है तो उसकी जांच कराई जाएगी. अगर जांच में आरोप सही पाए गए तो संबंधित शिक्षक के खिलाफ विभागीय कार्रवाई शुरू होगी. गंभीर मामलों में निलंबन और सेवा समाप्ति जैसे कदम भी उठाए जा सकते हैं. निगरानी व्यवस्था होगी मजबूत सरकार ने स्कूलों की मॉनिटरिंग को और मजबूत बनाने का फैसला किया है. जिला और प्रखंड स्तर के अधिकारियों को नियमित निरीक्षण करने के निर्देश दिए गए हैं.

सीवान में बिचड़ा डालने का समय बीता, सरकारी बीज न मिलने से महंगे दाम पर खरीदने को मजबूर किसान

पटना (एजेंसी) धान की रोपनी के लिए कृषि विभाग द्वारा निर्धारित समय-सीमा 25 मई से 20 जून तक निर्धारित है. लेकिन आधा समय बीत चुका है. उसके बाद भी प्रखंड के अधिकांश किसानों को अभी तक सरकारी बीज नहीं मिल पाया है. सीवान से राजन कुमार की रिपोर्ट सीवान के मैरवा में एक तरफ सरकार कृषि को बढ़ावा देने और किसानों की आय दोगुनी करने का दावा करती है. वहीं दूसरी तरफ मैरवा प्रखंड के

किसान सरकारी उपेक्षा के कारण भारी संकट से जूझ रहे हैं. धान की रोपनी के लिए कृषि विभाग द्वारा निर्धारित समय-सीमा 25 मई से 20 जून तक निर्धारित है. लेकिन आधा समय बीत चुका है. उसके बाद भी प्रखंड के अधिकांश किसानों को अभी तक सरकारी बीज नहीं मिल पाया है. समय पर बीज नहीं मिलने से किसान परेशान प्रखंड के किसानों का कहना है कि धान के बिचड़े डालने का यह सबसे उपयुक्त समय है. अब तक लगभग 60 से 70 प्रतिशत किसान अपनी निजी व्यवस्था से या प्राइवेट दुकानों से महंगे दाम पर बीज खरीदकर बिचड़ा डाल चुके हैं. यदि बिचड़ा डालने में और देरी हुई तो इसका सीधा असर धान की पैदावार और गुणवत्ता पर पड़ेगा. प्राइवेट दुकानों की मनमानी सरकारी बीज समय से उपलब्ध नहीं होने का सीधा फायदा स्थानीय प्राइवेट बीज विक्रेताओं को मिल रहा है. बाजार में बीज की मांग बढ़ते ही विक्रेताओं ने दाम बढ़ा दिए हैं. मजबूरन किसानों को निर्धारित सरकारी दर से कहीं अधिक पैसे देकर बीज खरीदना पड़ रहा है. जिससे उनकी लागत बढ़ रही है और खेती घाटे का सौदा साबित हो रही है. प्रशासनिक लापरवाही से किसान परेशान मैरवा प्रखंड में कुल पंजीकृत किसानों की संख्या 16,002 है. कृषि कैलेंडर के अनुसार धान का बिचड़ा डालने का निर्धारित समय 25 मई से 20 जून तक है. समय सीमा समाप्त होने के कगार पर है. लेकिन प्रखंड के किसानों का एक बड़ा वर्ग सरकारी सहायता से वंचित है. किसान रोजाना कृषि भवन और प्रखंड कार्यालय के चक्कर काट रहे हैं. लेकिन उन्हें कोरे आश्वासन के सिवा कुछ नहीं मिल रहा है.

रौशन आनंद के भाई प्रिंस यादव की मौत बनी मिस्ट्री, बयान और आरोपों से सियासत तक हिली, अब पोस्टमार्टम रिपोर्ट से होगा खुलासा

पटना (एजेंसी) ज्ञान बिंदु कोचिंग एकेडमी के डायरेक्टर रौशन आनंद के भाई प्रिंस यादव की मौत मिस्ट्री बन गई है. प्रिंस की मौत किसी बीमारी से हुई या हत्या की गई, अब तक स्पष्ट नहीं हो सका है. इस मामले को लेकर राजनीतिक बयानबाजी भी जमकर हो रही है. इन तमाम गतिविधियों के बीच पोस्टमार्टम रिपोर्ट का इंतजार किया जा रहा है. रौशन आनंद के भाई प्रिंस यादव की हत्या हुई या किसी बीमारी से उनकी मौत हुई, यह सवाल अब तक बरकरार है. नेपाल के विराटनगर के एक होटल से संदिग्ध परिस्थिति में प्रिंस यादव की डेड बॉडी मिली थी. इसके बाद आरोप का सिलसिला चला. रौशन आनंद, जेजेडी सुप्रीमो तेज प्रताप यादव के अलावा कई नेताओं ने भी खान सर पर आरोप लगाया. जबकि खान सर ने खुद ही एक वीडियो जारी कर मामले में जांच की मांग की. ऐसे में अब उनकी मौत मिस्ट्री बन गई है. प्रिंस यादव की तबीयत खराब कैसे हुई? किसी ने साजिश के तहत उनकी हत्या की? उन्होंने कोई दवा खाई या फिर कोई और भी कहानी है? इन तमाम सवालों के जवाब पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही मिल पायेंगे. ऐसे में अब इंतजार पोस्टमार्टम रिपोर्ट का ही किया जा रहा है. रिपोर्ट आने के बाद बड़ा खुलासा पुलिस कर सकेगी. सहरसा में किया गया प्रिंस यादव का अंतिम संस्कार सहरसा जिले में रौशन आनंद की मौजूदगी में प्रिंस यादव का अंतिम संस्कार किया गया. इस दौरान हजारों लोगों का हुजूम उमड़ पड़ा था. प्रिंस यादव के परिजनों और गांव के लोगों ने नम आंखों से उन्हें अंतिम विदाई दी. पूरा माहौल गमगीन था. रौशन आनंद कहा था, हमारे भाई को दिन से ज्यादा रात पसंद था, इसलिए यह निर्णय लिया गया है कि रात में है उसका अंतिम संस्कार किया जाएगा. रौशन आनंद का जेल से बाहर निकलने पर आरोप ज्ञान बिंदु एकेडमी के निदेशक रौशन आनंद ने अपने भाई प्रिंस यादव की मौत के बाद कई बड़े आरोप लगाए थे. उन्होंने दावा किया है कि उन्हें पहले एक सुनियोजित साजिश के तहत जेल भिजवाया गया और बाद में उनके भाई की हत्या कर दी गई. रौशन आनंद का कहना है कि उनके खिलाफ आपराधिक सोच के साथ पूरी योजना बनाई गई थी. उन्होंने आरोप लगाया कि उन्हें नुकसान पहुंचाने और बर्बाद करने की कोशिश की गई. रौशन आनंद ने दावा किया कि जेल में रहते समय उन्हें मारने की साजिश रची गई थी. उनका आरोप है कि खान सर के एक बॉडीगार्ड ने जेल के अंदर उनके खिलाफ साजिश बनाई थी. रौशन आनंद ने कहा था कि वे इस मामले को अंत तक लड़ेंगे. उन्होंने दावा किया था कि अगर निष्पक्ष जांच हुई तो सच्चाई सामने आएगी और जिम्मेदार लोगों पर कार्रवाई होगी. खान सर को भी कानून के दायरे में लाया जाएगा और उन्हें जेल की सलाखों के पीछे भेजा जाएगा. खान सर ने प्रिंस की मौत पर क्या कहा था? दूसरी तरफ खान सर ने प्रिंस यादव की मौत पर दुख जताया था. खान सर ने कहा था, एक पल के लिए विश्वास नहीं हुआ कि ऐसे कैसे हो गया. लेकिन न्यूज देखते ही पैर के नीचे से जमीन खिसक गई. यह समय कैसे करवट ले रहा है. किस स्थिति में समय चला गया. वीडियो देखने के बाद दिल दहल गया. किसी परिवार के लिए इससे कठिन दौर क्या हो सकता है. लेकिन मेरी संवेदना उनके साथ है. हमसे जो कुछ भी वो कहेंगे हम प्रयास करेंगे. हम हर संभव मदद करने के लिए तैयार हैं. खान सर ने

यह भी कहा था कि पुलिस अपना ऑफिशियल बयान जारी करे, जिससे स्पष्ट हो सके कि चीजें क्या हैं. साथ ही जल्द से जल्द पोस्टमार्टम रिपोर्ट सार्वजनिक किया जाए. इसमें कोई तीसरा इंसान इंवॉल्व लग रहा है. इसके लिए उच्च स्तरीय जांच होनी चाहिए. कोई तीसरा एंगल भी हो सकता है. जो भी दोषी पाए जायेंगे, उनमें से किसी एक को भी नहीं छोड़ा जाए. फांसी से नीचे इनके लिए कोई सजा नहीं है. प्रिंस के दोस्तों ने बताया उस दिन क्या हुआ सोशल मीडिया पर प्रिंस के दोस्तों का वीडियो वायरल हो रहा है. उस वीडियो में प्रिंस के दोस्त उस दिन क्या-क्या हुआ, इसके बारे में जानकारी दे रहे हैं. दोस्तों की माने तो, प्रिंस काफी समय से साइकियाट्रिक प्रॉब्लम से जूझ रहे थे और डिप्रेशन की दवाइयां ले रहे थे.

बजट में ट्रिप प्लान करने के लिए जरूरी है कि आप सही लोकेशन का चुनाव करें

सिंगल मदर्स के लिए बच्चे की परवरिश करना आसान नहीं होता है। क्योंकि उनकी जिंदगी में ऐसी कई परेशानियां आती हैं, जिन्हें वह अकेले मैनेज करती हैं। लेकिन सिंगल मदर्स अपने बच्चे को हर खुशी देने की कोशिश करती हैं। इस समय गर्मी की छुट्टियां चल रही हैं और बच्चे घूमने जाने की जिद करते हैं। ऐसे में मां अपने बच्चे के लिए भी ट्रिप प्लान करती हैं। लेकिन सवाल यह है कि वह कम बजट में ट्रिप कैसे प्लान करें। क्योंकि उन्हें अकेले ही घर और बाहर सब मैनेज करना होता है। वहीं अगर आप भी सिंगल मदर हैं और बजट में ट्रिप प्लान करने में परेशान हो रही हैं, तो यह आर्टिकल आपके लिए है। आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको कुछ ऐसे हैक्स बताने जा रहे हैं, जिनको फॉलो करके आप सिर्फ 10 हजार रुपए में घूमने का प्लान बना सकती हैं।

ऐसे प्लान करें ट्रिप

बजट में ट्रिप प्लान करने के लिए जरूरी है कि आप सही लोकेशन का चुनाव करें। क्योंकि सही लोकेशन आपके बजट को कम करती है। भले ही आप इन जगहों पर घूम चुकी हों, लेकिन बच्चे के लिए आप किसी सस्ती जगह का चुनाव कर सकती हैं।

वहीं सिंगल मदर्स को ऐसी जगह का चुनाव करना चाहिए, जहां पर अच्छी सुविधा और सुरक्षा के लिहाज से भी ठीक हो। जहां पर सस्ते ऑटो या कैब आदि आसानी से मिल सकें। जैसे पहाड़ों वाली जगह पर हर चीज का दाम अधिक रहता है। इन जगहों पर खाने-पीने से लेकर स्टे तक के साधन काफी महंगे होते हैं।

वहीं आपको अपने साथ कुछ खाने पीने की ऐसी चीजें रखनी चाहिए, जो जल्दी खराब न हों। ट्रिप के दौरान आप साथ में फल लेकर जा सकती हैं। इससे स्वास्थ्य भी अच्छा रहेगा और जल्दी भूख भी नहीं लगेगी।

बजट में घूमने के लिहाज से टूर पैकेज बेस्ट ऑप्शन होते हैं

सही लोकेशन का चुनाव करने पर आपको होटल भी कम दाम में मिल जाते हैं और यहां पर पहुंचना भी आसान होता है।

अधिकतर सिंगल मदर्स शहर से बाहर नहीं जाना चाहती हैं, तो आप शहर में रहकर भी घूमने जाने का प्लान बना सकती हैं। आप शहर में बच्चे को ऐसी जगह घुमाएं, जहां पर बच्चे हमेशा से जाना चाहते थे। ऐसा करने से न सिर्फ ट्रैवल और होटल का खर्चा बचेगा, बल्कि शहर में रहकर बच्चे अपनी पसंदीदा जगह घूम सकेंगे।

दूसरे शहर में कम खर्चे के लिहाज से आप शेयरिंग के साधन से घूम सकती हैं। क्योंकि इसमें कम बजट होता है। वहीं बच्चों के साथ घूमने के लिए यह टिप्स आपकी यात्रा को आसान बना देगी।

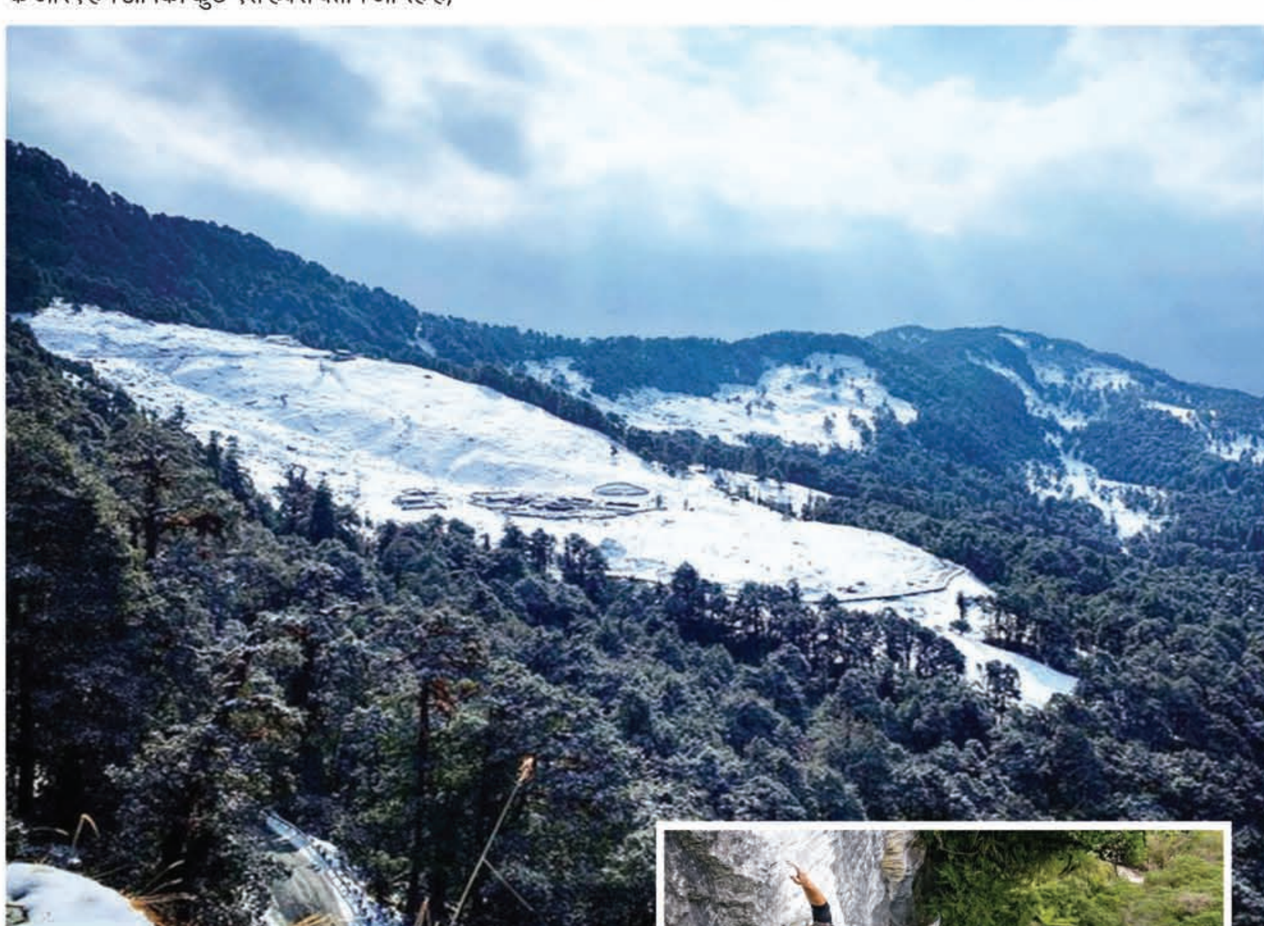

देहरादून में करना चाहते कुछ तूफानी तो जरूर एक्सप्लोर करें ये जगहें, जमकर कर सकेंगे मस्ती

देहरादून एक ऐसी जगह है, जहां पर आपको खूबसूरत हिल स्टेशन मिलेंगे। यहां से हरिद्वार, ऋषिकेश, मसूरी और धनोल्टी जैसी कई जगहों पर आप जा सकते हैं। वहीं अगर आप देहरादून में कुछ रोमांचक अनुभव करना चाहते हैं। वहीं कुछ देहरादून में ऐसी जगहों की तलाश करना चाहते हैं, जहां पर कुछ अच्छी एक्टिविटी कर सकें। अगर आप भी देहरादून में कुछ तूफानी करना चाहते हैं, तो आपको आसपास के हिल स्टेशन पर घूमने जाने की जरूरत नहीं पड़ेगी। ऐसे में आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको देहरादून की कुछ खूबसूरत जगहों के बारे में बताने जा रहे हैं।

रॉबर्स केव देहरादून

देहरादून की यह आपको काफी रोमांचक लगेगी। क्योंकि इसकी बनावट लोगों को आकर्षित करती है। जिन लोगों ने पहले कभी गुफा वाली जगहों पर प्रवेश नहीं किया है, उनके लिए यह एडवेंचर्स साबित हो सकता है। क्योंकि यहां पर आपको पैदल जाना होगा। पैरों में पानी होता है और मछलियां आपके पैरों को छूती हैं। हालांकि शुरूआत में आपको गुफा में चलने में थोड़ा डर लग सकता है, लेकिन धीरे-धीरे अंदर जाते ही नॉर्मल लगने लगेगा। प्रयास करें कि आप सुबह-सुबह पहुंचें, क्योंकि यहां पर बहुत भीड़ लगती है। यह मसूरी के पास घूमने लायक अच्छी जगहों में से एक है।

रॉक क्लाइबिंग

अगर आप कुछ तूफानी करना चाहते हैं और बिना किसी सहारे के पेड़ पर चढ़ना चाहते हैं। तो आपको देहरादून में रॉक क्लाइंबिंग का लुत्फ उठा सकते हैं। यह सालन गांव में रॉक क्लाइबिंग करवाई जाती है। जहां पर आपको हर दिन भीड़ देखने को मिलेगी। आप यहां पर कैंपिंग के साथ कई तरह की एक्टिविटी भी कर सकते हैं। वहीं आप यहां पर पैकेज भी बुक कर सकते हैं और पूरा रात टेंट में बिता सकते हैं। इस दौरान आपको मिट्टी के बर्तन में खाना बनाना होगा और पूरी लाइफ कैंप की तरह जीना होगा। यह आपके लिए एक रोमांचक अनुभव हो सकता है।

मालसी डियर पार्क

अगर आप देहरादून में कुछ रोमांचक करना चाहते हैं, तो मालसी डियर पार्क जा सकते हैं। क्योंकि यह जगह आपको निराश नहीं करेगी। आप यहां पर जिप लाइनिंग और तरह-तरह की एक्टिविटी भी कर सकेंगे। बच्चों को भी यहां पर एक्टिविटी करवाई जाती है। वहीं अगर आप छोटा ट्रिप प्लान कर रही हैं, तो आपको यहां पर आपको भूलकर भी नहीं जाना चाहिए। यह देहरादून के पास घूमने वाली बेस्ट जगहों में से एक है।

भीड़ से दूर बेहद शांत है उत्तराखंड का ये हिल स्टेशन, जन्नत में आने का होगा एहसास

समर वेकेशन में हजारों लोग घूमने-फिरने के लिए निकल गए हैं। तो वहीं कुछ लोग ऐसे भी हैं, जिन्होंने अभी तक कोई ट्रिप प्लान नहीं कर पाए हैं। वह किसी पहाड़ी जगह पर घूमने जाना चाहते हैं, लेकिन लोकेशन नहीं ढूंढ पा रहे हैं। वहीं कुछ लोग ऋषिकेश-नैनीताल नहीं जाना चाहते हैं, क्योंकि इन जगहों पर समर वेकेशन में यहां पर पर्यटकों की अधिक भीड़ आती है। इसलिए अगर आप किसी ऐसी जगह की तलाश कर रहे हैं, जो नैनीताल और ऋषिकेश से भी अधिक सुंदर हो। तो आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको उत्तराखंड की एक सबसे खूबसूरत जगह के बारे में बताने जा रहे हैं।

मुनस्यारी - अगर आप भी दिल्ली की गर्मी से परेशान होकर अपने परिवार के साथ उत्तराखंड में अच्छी जगह ढूंढ रहे हैं। तो फौरन आपको मुनस्यारी का ट्रिप प्लान करें। यहां की प्राकृतिक सुंदरता, ट्रेकिंग और ऊंचे पहाड़ों के लिए जाना जाता है। मुनस्यारी में गर्मियों में आपको अधिक भीड़ नहीं मिलने वाली है। क्योंकि मुनस्यारी काफी ऊंचाई पर स्थित है। नैनीताल से मुनस्यारी पहुंचने में आपको करीब 11 से 12 घंटे का समय लगता है। वहीं ऋषिकेश से भी यहां तक पहुंचने में करीब इतना ही समय लगेगा। यह मसूरी के पास घूमने के लिहाज से काफी अच्छी जगह है।

ऐसे पहुंचे मुनस्यारी

अगर आप दिल्ली से यात्रा करने का प्लान बना रहे हैं, तो बस से यात्रा करने के लिए अच्छा है। हालांकि इसमें ज्यादा समय लग सकता है।

अगर आप चाहें तो दिल्ली से देहरादून के लिए ट्रेन ले सकते हैं। फिर मुनस्यारी के लिए बस ले सकते हैं।

इसके साथ ही मुनस्यारी के लिए कैब की सुविधा भी मौजूद है। लेकिन इसमें खर्च ज्यादा होता है। वहीं अगर आप बजट में यात्रा करने का प्लान बना रहे हैं, तो बस से यात्रा करें।

आने-जाने में असुविधा न हो इसके लिए पहले से बस की बुकिंग कर लें। क्योंकि अधिक भीड़ होने पर आपको बस में सीट मिलने में मुश्किल हो सकती है।

दिल्ली से मुनस्यारी की दूरी करीब 604 किमी है। यहां पर पहुंचने में आपको 13-14 घंटे का समय लग सकता है।

प्रयास करें कि आप रात में बस ले लें। जिससे कि सुबह मुनस्यारी में ही आंख खोलें। इससे आपका सफर आराम से सोकर बीतेगा।

मुनस्यारी परिवार के साथ घूमने के लिहाज से काफी अच्छी जगह है।

प्रकृति, शांति और रोमांच का संगम है पार्वती घाटी में बसा कसोल

हिमाचल प्रदेश की पार्वती घाटी में बसा कसोल एक छोटा लेकिन बेहद खूबसूरत पर्यटन स्थल है, जो खासकर युवाओं, ट्रेकिंग प्रेमियों और विदेशी पर्यटकों के बीच काफी लोकप्रिय है। समुद्र तल से लगभग 1,580 मीटर की ऊँचाई पर स्थित कसोल को फ़भारत का मिनी इज़राइलफ़ भी कहा जाता है, क्योंकि यहाँ बड़ी संख्या में इजराइली पर्यटक आते हैं और यहाँ की संस्कृति में उनका प्रभाव देखा जा सकता है।

कसोल की खासियत

कसोल एक शांत और सुरम्य गाँव है, जो पार्वती नदी के किनारे स्थित है। यहाँ का वातावरण बेहद शांत, स्वच्छ और ठंडा होता है। ऊँचे पहाड़, घने देवदार के जंगल, कलकल बहती पार्वती नदी और रंग-बिरंगे कैफ़े इस स्थान को बेहद आकर्षक बनाते हैं।

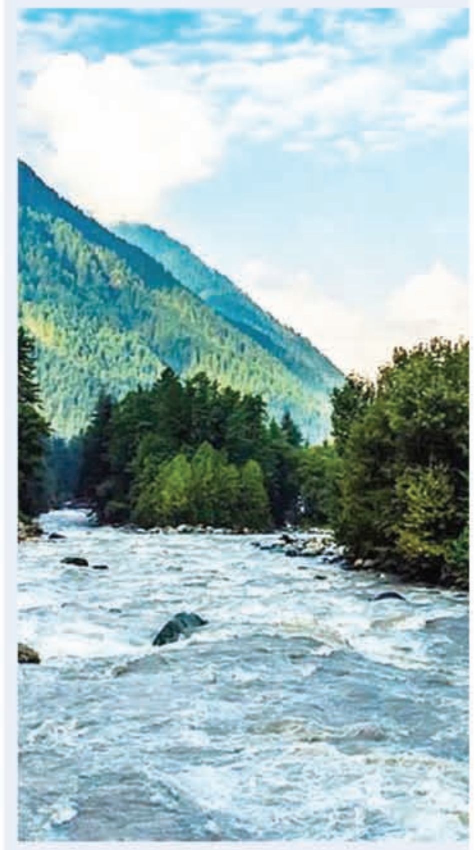

प्रमुख आकर्षण

1. पार्वती नदी

यह तेज बहाव वाली नदी कसोल की जान मानी जाती है। इसके किनारे टहलना, चट्टानों पर बैठकर मन को शांति देना और फोटोग्राफी करना पर्यटकों को बहुत पसंद आता है।

2. तोश और मणिकरण

कसोल से थोड़ी दूरी पर स्थित ये गाँव अपने प्राकृतिक सौंदर्य और धार्मिक महत्व के लिए प्रसिद्ध हैं। मणिकरण में गर्म पानी के झरने और गुरुद्वारा प्रमुख आकर्षण हैं, जबकि तोश ट्रेकिंग प्रेमियों का पसंदीदा गाँव है।

3. चालल गाँव

कसोल से लगभग 30 मिनट की पैदल दूरी पर स्थित यह छोटा गाँव ट्रेकिंग और कैम्पिंग के लिए आदर्श है। यहाँ आप स्थानीय संस्कृति को करीब से जान सकते हैं।

4. इज़राइली कैफ़े और भोजन

कसोल में कई इज़राइली कैफ़े और रेस्तराँ हैं जहाँ आप फलाफल, शाकशूका, हुम्मस आदि विदेशी व्यंजनों का आनंद ले सकते हैं।

कसोल में करने योग्य गतिविधियाँ

ट्रेकिंग (खीरगंगा, तोश, चालल, ग्रहन)

कैम्पिंग और बोनफायर

रिवर साइड कैफ़े में समय बिताना

स्थानीय लोगों से मिलकर पहाड़ी संस्कृति को समझना

हर्बल चाय और हिमाचली हस्तशिल्प की खरीदारी

यात्रा का उत्तम समय

मार्च से जून- गर्मियों में ठंडी जलवायु और ट्रेकिंग के लिए अनुकूल मौसम।

सितंबर से नवंबर- मानसून के बाद की हरियाली और साफ आसमान।

दिसंबर से फरवरी- बर्फबारी का आनंद लेने के लिए उत्तम।

कैसे पहुँचे कसोल?

हवाई मार्ग- निकटतम हवाई अड्डा भुंतर (कुल्लू) है, जो कसोल से लगभग 31 किमी दूर है।

रेल मार्ग- निकटतम रेलवे स्टेशन जोगिंदरनगर है, लेकिन सड़क मार्ग से पहुँचना अधिक सुविधाजनक है।

सड़क मार्ग- दिल्ली, चंडीगढ़ और मनाली से कसोल तक नियमित बस और टैक्सी सेवाएं उपलब्ध हैं।

कसोल एक ऐसा गंतव्य है जहाँ आप भीड़भाड़ से दूर प्रकृति के साथ एक गहरा रिश्ता बना सकते हैं। यहाँ का शांत वातावरण, रोमांचक ट्रेक्स, विदेशी भोजन और पहाड़ी सौंदर्य, हर पर्यटक को मंत्रमुग्ध कर देता है। चाहे आप सोलो ट्रैवलर हों, कपल या दोस्तों के साथ – कसोल हर किसी के लिए एक यादगार अनुभव है।

फीफा विश्व कप 2026 : मेसी की हैट्रिक से अर्जेंटीना की शानदार शुरूआत, अल्जीरिया को 3-0 से हराया

एजेंसी

कैन्सस सिटी : स्टार फुटबॉलर लियोनेल मेसी ने एक और ऐतिहासिक उपलब्धि अपने नाम करते हुए फीफा विश्व कप 2026 के पहले मुकाबले में हैट्रिक लगाई और अर्जेंटीना को अल्जीरिया पर 3-0 की शानदार जीत दिलाई। 38 वर्षीय मेसी ने मैच में तीन गोल दागकर न केवल टीम को जीत दिलाई, बल्कि विश्व कप इतिहास में सबसे ज्यादा गोल करने के रिकॉर्ड की बराबरी भी कर ली। मेसी अब विश्व कप में 16 गोल के साथ जर्मनी के पूर्व स्ट्राइकर मिरोस्लाव क्लोजे के बराबर पहुंच गए हैं। इसके साथ ही मेसी विश्व कप के इतिहास में पांच अलग-अलग विश्व कप संस्करणों में गोल करने वाले दूसरे खिलाड़ी बन गए। इससे पहले यह उपलब्धि क्रिस्टियानो रोनाल्डो हासिल कर चुके हैं। अर्जेंटीना ने मुकाबले की शुरूआत से ही आक्रामक खेल दिखाया और मेसी ने अपनी शानदार लय जारी रखते हुए अल्जीरिया की रक्षा पंक्ति को लगातार परेशान किया। उनके तीनों गोलों ने स्टेडियम में मौजूद दर्शकों को रोमांचित कर दिया। मेसी ने इस मुकाबले के साथ एक और रिकॉर्ड बनाया। वह विश्व कप में हैट्रिक लगाने वाले सबसे उम्रदराज खिलाड़ी बन गए और इस मामले में उन्होंने क्रिस्टियानो रोनाल्डो का रिकॉर्ड भी पीछे छोड़ दिया। विश्व चैंपियन अर्जेंटीना ने इस जीत के साथ अपने अभियान की दमदार शुरूआत की है और टीम ने खिताब बचाने की दिशा में मजबूत संकेत दिए हैं। अब अर्जेंटीना अपने अगले मुकाबले में इसी लय को बरकरार रखने की कोशिश करेगा, जबकि अल्जीरिया वापसी की उम्मीद के साथ अगले मैच की तैयारी करेगा।

फीफा विश्व कप 2026 : एम्बाप्पे के दो गोल की बदौलत फ्रांस ने सेनेगल को 3-1 से हराया

न्यूयॉर्क : दो बार की विश्व चैंपियन फ्रांस ने फीफा विश्व कप 2026 में अपने अभियान की शुरूआत जीत के साथ की। मंगलवार को खेले गए ग्रुप-आई मुकाबले में फ्रांस ने सेनेगल को 3-1 से हराया, जिसमें स्टार स्ट्राइकर किलियन एम्बाप्पे ने दो गोल दागकर टीम की जीत में अहम भूमिका निभाई। पहले हाफ में सेनेगल ने फ्रांस को कड़ी चुनौती दी और कई मौके भी बनाए, लेकिन गोल करने में नाकाम रही। फ्रांस की टीम भी शुरूआती 45 मिनट में संघर्ष करती नजर आई। दूसरे हाफ में कोच दिदिए देशां की रणनीति काम आई। माइकल ओलीसे को दाएं विंग से बीच में लाने के बाद फ्रांस के आक्रमण में तेजी आई। इसका फायदा 66वें मिनट में मिला जब ओलीसे के शानदार पास पर एम्बाप्पे ने बॉक्स में दौड़ लगाते हुए गोल कर फ्रांस को 1-0 की बढ़त दिला दी। इसके बाद फ्रांस ने दबाव बनाए रखा और मैच के अंतिम चरण में ब्रैडली बारकोला ने दूसरा गोल कर बढ़त को दोगुना कर दिया। हालांकि अतिरिक्त समय में सेनेगल के लिए इब्राहिम एमबाये ने एक गोल कर स्कोर 2-1 कर दिया, लेकिन फ्रांस की बढ़त ज्यादा देर तक खतरे में नहीं रही। मैच के 96वें मिनट में एम्बाप्पे ने लंबी दूरी से शानदार शॉट लगाकर अपना दूसरा और टीम का तीसरा गोल दाग दिया। इस गोल के साथ एम्बाप्पे फ्रांस के सर्वकालिक सबसे ज्यादा गोल करने वाले खिलाड़ी बन गए। उनके नाम अब अंतरराष्ट्रीय फुटबॉल में 58 गोल हो गए हैं। विश्व कप इतिहास में भी एम्बाप्पे ने नया मुकाम हासिल किया। उनके विश्व कप गोलों की संख्या 14 हो गई है और अब वह सर्वाधिक गोल करने वाले खिलाड़ी मिरोस्लाव क्लोजे (16 गोल) से सिर्फ दो गोल पीछे हैं। एम्बाप्पे ने इस सूची में पेले, लियोनेल मेसी और जस्ट फोंटेन को पीछे छोड़ दिया है। फ्रांस अब अपने अगले मुकाबले में इराक से भिड़ेगा, जबकि उसके बाद उसका सामना एरलिंग हालांड की टीम नॉर्वे से होगा। वहीं सेनेगल को नॉकआउट दौर की उम्मीद बनाए रखने के लिए आगामी मैचों में बेहतर प्रदर्शन करना होगा।

फीफा विश्व कप 2026: नॉर्वे ने इराक को 4-1 से हराकर की विजयी शुरूआत

बोस्टन : स्टार स्ट्राइकर एरलिंग हालांड के शानदार दो गोलों की बदौलत नॉर्वे ने फीफा विश्व कप 2026 के ग्रुप-आई मुकाबले में मंगलवार को इराक को 4-1 से हराकर टूर्नामेंट में विजयी शुरूआत की। 28 वर्षों बाद विश्व कप में लौटी नॉर्वे की टीम ने दमदार प्रदर्शन करते हुए पूरे अंक अपने नाम किए। मुकाबले में नॉर्वे ने 29वें मिनट में बढ़त बनाई, जब हालांड ने पहला गोल दागकर टीम को 1-0 से आगे कर दिया। हालांकि इराक ने हार नहीं मानी और 39वें मिनट में अयमन हुसैन ने गोल कर स्कोर 1-1 से बराबर कर दिया। लेकिन बराबरी ज्यादा देर नहीं टिक सकी। पहले हाफ के अंत से ठीक पहले इराक की रक्षा पंक्ति की एक बड़ी गलती का फायदा उठाते हुए हालांड ने गलत बैकपास पर तेजी दिखाकर गेंद को जाल में पहुंचाया और नॉर्वे को फिर से बढ़त दिला दी। दूसरे हाफ में नॉर्वे ने खेल पर पकड़ मजबूत बनाए रखी। 76वें मिनट में लियो ओस्टिगार्ड ने कॉर्नर पर शानदार हेडर लगाकर टीम का तीसरा गोल किया। इसके बाद अतिरिक्त समय में इराक के खिलाड़ी अयमन के आत्मघाती गोल ने नॉर्वे की जीत पर मुहर लगा दी और मुकाबला 4-1 से समाप्त हुआ। इस जीत के साथ नॉर्वे ने बेहतर गोल अंतर के आधार पर ग्रुप-आई में फ्रांस को पीछे छोड़ते हुए शीर्ष स्थान हासिल कर लिया। वहीं इराक को अगले मुकाबले में वापसी के लिए बेहतर प्रदर्शन करना होगा।

भारत में फॉर्मूला-1 सही समय और मजबूत योजना के साथ लौटेगा : स्टेफानो डोमेनिकाली

एजेंसी

नई दिल्ली : फॉर्मूला-1 के मुख्य कार्यकारी अधिकारी और अध्यक्ष स्टेफानो डोमेनिकाली ने भारत को मोटरस्पोर्ट के लिए बेहद संभावनाशील बाजार बताते हुए कहा है कि आने वाले वर्षों में भारत फॉर्मूला-1 की रणनीति का महत्वपूर्ण हिस्सा बनने जा रहा है। उन्होंने संकेत दिए कि भारतीय ग्रां प्री की वापसी को लेकर गंभीर स्तर पर विचार चल रहा है, हालांकि इसके लिए दीर्घकालिक और मजबूत योजना जरूरी होगी। फैनकोड से विशेष बातचीत में डोमेनिकाली ने भारत को जुनून, ऊर्जा और युवा दर्शकों वाला देश बताया। उन्होंने कहा कि भारत का बाजार न केवल विशाल है, बल्कि यहां के दर्शक तेजी से युवा और विविध हो रहे हैं, जो फॉर्मूला-1 के भविष्य के लिए बेहद अहम है। उन्होंने कहा, भारत हमारे लिए एक असाधारण बाजार है। यहां खेल के प्रति उत्साह लगातार बढ़ रहा है और भविष्य में इसकी भूमिका और अधिक महत्वपूर्ण होगी। भारत में फॉर्मूला-1 रेस की संभावित वापसी को लेकर पूछे गए सवाल पर

डोमेनिकाली ने कहा कि फॉर्मूला-1 की भारत वापसी की इच्छा स्पष्ट है लेकिन इसके लिए सही साझेदार, सही निवेश और सही समय का इंतजार करना होगा। उन्होंने कहा, भारत लौटने में हमारी गहरी रुचि है। हालांकि यह बहुत निकट भविष्य में संभव नहीं दिखता लेकिन अगले पांच वर्षों के भीतर संभावनाओं को नकारा नहीं जा सकता। अभी कोई निश्चित तारीख तय नहीं हुई है लेकिन हर स्तर पर बढ़ती रुचि दिखाई दे रही है। उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि भारत में वापसी केवल एक रेस आयोजन नहीं होगी बल्कि बड़े स्तर का खेल और मनोरंजन मंच तैयार किया जाएगा। डोमेनिकाली ने कहा कि फॉर्मूला-1 अब केवल खेल नहीं बल्कि मनोरंजन और संस्कृति से जुड़ा वैश्विक मंच बन चुका है। भारत में दर्शकों तक पहुंच बढ़ाने के लिए स्थानीय भाषा और क्षेत्रीय जुड़ाव को प्राथमिकता दी जाएगी। उन्होंने बताया कि फॉर्मूला-1 भारत में फैनकोड के साथ मिलकर हिंदी और तमिल जैसी भाषाओं में प्रसारण, विशेष सामग्री और दर्शक सहभागिता कार्यक्रमों पर काम कर रहा है। इसके अलावा उन्होंने संकेत दिए कि भविष्य में बॉलीवुड से जुड़े सहयोगी प्रोजेक्ट भी भारतीय दर्शकों को जोड़ने के लिए शुरू किए जा सकते हैं। उन्होंने कहा, भारत हमारी प्राथमिकता सूची में शामिल है। यहां के दर्शकों तक उनकी भाषा और संस्कृति के माध्यम से पहुंचना ही हमारी आगे की रणनीति होगी। फॉर्मूला-1 प्रबंधन के इस बयान ने भारतीय मोटरस्पोर्ट प्रशंसकों के बीच एक बार फिर भारतीय ग्रां प्री की वापसी की उम्मीदों को मजबूत कर दिया है।

न्यूजीलैंड ने 2026-27 केंद्रीय अनुबंध सूची जारी की, डेवन कॉनवे की वापसी

एजेंसी

वेलिंगटन : न्यूजीलैंड क्रिकेट बोर्ड (एनजेडसी) ने 2026-27 सत्र के लिए बुधवार को अपनी केंद्रीय अनुबंध सूची घोषित कर दी है। इस सूची में सलामी बल्लेबाज डेवन कॉनवे की वापसी हुई है, जबकि तेज गेंदबाज ब्लेयर टिकनर को भी दोबारा अनुबंध मिला है। वहीं आदित्य अशोक और मोहम्मद अब्बास इस बार सूची से बाहर हो गए हैं। डेवन कॉनवे पिछले दो वर्षों से दुनिया भर की टी-20 लीगों में व्यस्त रहने के कारण न्यूजीलैंड बोर्ड के साथ केवल सीमित समझौते के तहत जुड़े हुए थे। हालांकि अब उन्होंने अगस्त 2026 से जुलाई 2027 तक राष्ट्रीय टीम के सभी अंतरराष्ट्रीय मुकाबलों के लिए खुद को उपलब्ध करा दिया है। न्यूजीलैंड के मुख्य कोच रॉब वाल्टर ने कहा कि कॉनवे लंबे समय से तीनों प्रारूपों में टीम का अहम हिस्सा रहे हैं और उनकी वापसी ऐसे समय में हुई है जब टीम को बड़े बदलावों का सामना करना पड़ रहा है। विशेष रूप से केन

विलियमसन के हालिया संन्यास के बाद कॉनवे का अनुभव टीम के लिए महत्वपूर्ण माना जा रहा है। दूसरी ओर तेज गेंदबाज ब्लेयर टिकनर ने घरेलू क्रिकेट और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर लगातार प्रभावशाली प्रदर्शन किया। आयरलैंड के खिलाफ एकमात्र टेस्ट में उनके पांच विकेट भी चयन का बड़ा आधार बने। पिछले सत्र में केंद्रीय अनुबंध पाने वाले जैक फॉल्क्स और मिच हे ने भी अपना स्थान बरकरार रखा है। एनजेडसी ने यह भी स्पष्ट किया कि माइकल ब्रेसवेल और मार्क चैपमैन ने टेस्ट क्रिकेट अनुबंध रैंकिंग में शामिल नहीं होने का अनुरोध किया है। दोनों खिलाड़ी अब केवल सीमित ओवर प्रारूप के विशेषज्ञ के रूप में केंद्रीय अनुबंध सूची में रहेंगे। बोर्ड ने बताया कि आने वाले सप्ताहों में सीमित अनुबंध (कैजुअल प्लेइंग एग्रीमेंट) की भी घोषणा की जाएगी, जिसमें फिन एलेन, लॉकी फर्ग्यूसन और टिम सिफर्ट जैसे खिलाड़ी शामिल हो सकते हैं। न्यूजीलैंड केंद्रीय अनुबंध सूची (2026-27): टॉम ब्लंडेल, माइकल ब्रेसवेल, मार्क चैपमैन, डेवन कॉनवे, जैकब डफी, जैक फॉल्क्स, मिच हे, मैट हेनरी, काइल जैमीसन, टॉम लैथम, डेरिल मिशेल, हेनरी निकोल्स, विल ओह्लरूर्के, ग्लेन फिलिप्स, रचिन रविंद्र, मिचेल सैंटनर, बेन सीयर्स, नाथन स्मिथ, ब्लेयर टिकनर और विल यंग।

दूसरे वनडे में भारत ने अफगानिस्तान को दिया 403 रनों का लक्ष्य, गिल और ईशान ने जड़े शतक

एजेंसी

लखनऊ : कप्तान शुभमन गिल और ईशान किशन की शतकों की मदद से भारतीय टीम ने अफगानिस्तान को 403 रनों का लक्ष्य दिया है। भारत ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 49.5 ओवर में 402 रन बनाए। गिल ने 110 गेंदों में 22 चौकों और दो छक्कों की मदद से 154 रन बनाए, जबकि ईशान ने 79 गेंदों में 14 चौकों और सात छक्कों के साथ 125 रनों की पारी खेली। लखनऊ के भारत रत्न श्री अटल बिहारी वाजपेई इकाना क्रिकेट स्टेडियम में खेले गए मुकाबले में टॉस हारकर पहले बल्लेबाजी करने उतरी भारतीय टीम

की शुरूआत अच्छी नहीं रही। सलामी बल्लेबाज यशस्वी जायसवाल दूसरे ओवर में ही आउट हो गए। जायसवाल ने चार रन बनाए। इसके बाद रोहित शर्मा और शुभमन गिल ने कुछ अच्छे शॉट लगाए और पारी को आगे बढ़ाया। रोहित अर्धशतक लगाने के करीब पहुंच गए थे, लेकिन 39 गेंदों पर छह चौकों और दो छक्कों की मदद से 48 रन बनाकर वह आउट हो गए। दोनों ने मिलकर 87 रनों की साझेदारी की। दो विकेट गिरने के बाद बल्लेबाजी के लिए आए ईशान किशन ने कप्तान गिल के साथ मिलकर तेजी से रन बटोरे। पहले गिल ने शतक लगाया और फिर ईशान ने भी शतक जड़ दिया। दोनों बल्लेबाजों ने टीम का स्कोर 36 ओवर में 300 रन के पार पहुंचा दिया। ईशान ने 37वें ओवर में लगातार दो छक्के जड़े, लेकिन एक और बड़ा शॉट मारने के दौरान वह कैच आउट हो गए। ईशान ने 79 गेंदों में 125 रन बनाए। भारतीय टीम को चौथा विकेट शुभमन गिल के रूप में गिरा। उन्होंने 154 रन बनाए। इसके बाद भारतीय टीम की पारी लड़खड़ा गई और पूरे ओवर भी नहीं पाई। टीम 49.5 ओवर में 402 रन पर ऑलआउट हुई। केएल राहुल खाता भी नहीं खोल पाए, जबकि श्रेयस अय्यर 26 रन, वाशिंगटन सुंदर 19 रन, गुरनूर बरार 3 रन, अर्शदीप सिंह 3 रन, प्रिंस यादव 5 रन और कुलदीप यादव नाबाद 3 रन का योगदान दिया।

संक्षिप्त खबरें

मुंबई में 'साइक्लिंग बाय द सी' के साथ हुआ फिट इंडिया साइक्लोथॉन, केंद्रीय खेलमंत्री ने किया नेतृत्व

मुंबई : प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के फिट इंडिया विजन को आगे बढ़ाते हुए बुधवार को मुंबई के वर्ली कोस्टल साइकिल ट्रैक पर फिट इंडिया साइक्लोथॉन साइक्लिंग बाय द सी का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का नेतृत्व केंद्रीय युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्री डॉ. मनसुख मांडविया ने किया। इस आयोजन में फिटनेस प्रेमियों, साइकिल चालकों, युवाओं और बड़ी संख्या में नागरिकों ने भाग लिया और स्वस्थ व सक्रिय जीवनशैली के प्रति अपनी प्रतिबद्धता जताई। डॉ. मांडविया ने साइक्लोथॉन को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया और प्रतिभागियों के साथ साइकिल यात्रा में भी शामिल हुए। उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार फिटनेस को जन आंदोलन बनाने और सक्रिय जीवनशैली के जरिए विकसित भारत के लक्ष्य को आगे बढ़ाने के लिए प्रतिबद्ध है। कार्यक्रम में फिल्म अभिनेता जैकी श्रॉफ, ताहा शाह बदुशा, ऐश्वर्या राज भाखुनी तथा ओलंपियन पहलवान एवं पुलिस उपायुक्त नरसिंह यादव भी शामिल हुए और नागरिकों को फिटनेस अपनाने के लिए प्रेरित किया। सभा को संबोधित करते हुए डॉ. मांडविया ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी लगातार फिटनेस को विकसित भारत की आधारशिला बताते रहे हैं। फिट इंडिया मूवमेंट देशभर के नागरिकों को स्वस्थ जीवनशैली अपनाने और फिटनेस को दैनिक जीवन का हिस्सा बनाने के लिए प्रेरित कर रहा है। उन्होंने साइक्लिंग के व्यापक महत्व पर भी जोर दिया और कहा कि पश्चिम एशिया की परिस्थितियों के कारण ईंधन आपूर्ति को लेकर उत्पन्न चुनौतियों के बीच साइकिल को टिकाऊ और ऊर्जा-कुशल परिवहन के रूप में बढ़ावा देना जरूरी है। उन्होंने कहा कि साइक्लिंग न केवल व्यक्तिगत स्वास्थ्य के लिए लाभकारी है बल्कि पर्यावरण संरक्षण और ऊर्जा बचत में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। डॉ. मांडविया ने बताया कि पिछले दो वर्षों में फिट इंडिया अभियान में देशभर से लाखों नागरिकों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया है, जिससे देश में फिटनेस संस्कृति को मजबूती मिली है। उन्होंने कहा, एक फिट नागरिक स्वस्थ समाज का निर्माण करता है और स्वस्थ समाज समृद्ध राष्ट्र की नींव होता है। विकसित भारत के निर्माण की दिशा में फिटनेस एक महत्वपूर्ण माध्यम है। फिट इंडिया साइक्लोथॉन, युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय के उस अभियान का हिस्सा है जिसके तहत नागरिकों को सक्रिय जीवनशैली अपनाने और नियमित शारीरिक गतिविधियों के प्रति जागरूक किया जा रहा है। सरकार का लक्ष्य फिट इंडिया आंदोलन के जरिए वर्ष 2047 तक विकसित भारत के संकल्प को गति देना है।

इकाना स्टेडियम 10वें अंतरराष्ट्रीय मुकाबले की कर रहा मेजबानी

लखनऊ : भारत रत्न श्री अटल बिहारी वाजपेयी इकाना क्रिकेट स्टेडियम में आज भारत और अफगानिस्तान के बीच एक और अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट मैच खेला जा रहा है। लखनऊ स्थित यह स्टेडियम अपने इतिहास का 10वां अंतरराष्ट्रीय मैच आयोजित कर रहा है। वहीं भारतीय टीम यहां अपना तीसरा मुकाबला खेल रही है। इससे पहले खेले गए दो मैचों में भारत को एक में जीत और एक में हार मिली है। मौसम की चुनौती को देखते हुए आज खेले जा रहे मुकाबले के दौरान खिलाड़ियों को राहत देने के लिए तीन ड्रिंक्स ब्रेक रखे गए हैं। तय कार्यक्रम के अनुसार ड्रिंक्स ब्रेक दोपहर 2:30 बजे, 3:30 बजे और 4:30 बजे होंगे। टॉस से पहले भारतीय टीम में एक खास पल देखने को मिला, जब श्रेयस अय्यर ने प्रिंस यादव को डेब्यू कैप सौंपी। लखनऊ सुपर जायंट्स (एलएसजी) से जुड़े प्रिंस यादव अपने घरेलू मैदान इकाना स्टेडियम में भारत के लिए अंतरराष्ट्रीय पदार्पण कर रहे हैं। टीम प्रबंधन पहले ही खिलाड़ियों के रोटेशन की रणनीति पर संकेत दे चुका था, ऐसे में प्रिंस को मौका मिलना ज्यादा चौंकाने वाला नहीं माना जा रहा। अब नजर इस बात पर रहेगी कि गुरनूर और हर्ष अंतिम एकादश में अपनी जगह बरकरार रख पाते हैं या नहीं। आज खेले जाने वाले मैच की बात करें तो अफगानिस्तान ने टॉस जीतकर पहले क्षेत्ररक्षण करने का फैसला किया है।

अंडर 19 महिला ट्रॉयल के लिए 12 क्रिकेटर चयनित

प्रयागराज : उत्तर प्रदेश क्रिकेट एसोसिएशन (यूपीसीए) की अंडर 19 महिला टीम का ट्रायल 19 जून को प्रातः सात बजे कमला क्लब मैदान, कानपुर पर होगा। ट्रायल के लिए इलाहाबाद मंडल की 12 क्रिकेटरों का चयन किया है। इलाहाबाद क्रिकेट एसोसिएशन की निदेशक डॉ. जूली ओझा के अनुसार चयनित क्रिकेटरों में खुशी सिंह, अंशिका अस्थाना, हंसी सिंह, संध्या यादव, कात्यायिनी पाठक, अनामिका चक्रवर्ती, भार्गवी पांडेय, शिवानी मौर्या, अक्शा फातिमा, वंदना साहू, रिया सोनकर एवं आस्था मिश्रा शामिल हैं। उन्होंने बताया कि सभी को अपने आधार कार्ड और डिजिटल मूल जन्म प्रमाणपत्र एवं उत्तर प्रदेश क्रिकेट एसोसिएशन रजिस्ट्रेशन स्लिप के साथ ट्रायल में भाग लेना होगा। ट्रायल सफेद किट और लाल गेंद से होगा।

श्रीलंका टेस्ट सीरीज के लिए वेस्टइंडीज टीम घोषित अल्जारी जोसेफ और शमार जोसेफ की वापसी

एंटीगा : श्रीलंका के खिलाफ आगामी दो मैचों की घरेलू टेस्ट सीरीज के लिए वेस्टइंडीज ने अपनी टीम की घोषणा कर दी है। तेज गेंदबाज अल्जारी जोसेफ और शमार जोसेफ की चोट के बाद टेस्ट टीम में वापसी हुई है। वहीं विकेटकीपर-बल्लेबाज जोशुआ डा सिल्वा और अमीर जंगू को भी दोबारा मौका मिला है। अल्जारी और शमार पिछले वर्ष भारत और न्यूजीलैंड दौरे के दौरान चोट के कारण टीम से बाहर थे। दोनों ने आखिरी बार 2025 में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ टेस्ट मुकाबला खेला था। उनकी वापसी से वेस्टइंडीज का तेज गेंदबाजी आक्रमण मजबूत हुआ है, जिसमें केमार रोच और जेडन सील्स भी शामिल हैं। विकेटकीपर की भूमिका में जोशुआ डा सिल्वा की वापसी हुई है। घरेलू क्रिकेट में शानदार प्रदर्शन करते हुए उन्होंने हालिया वेस्टइंडीज चैम्पियनशिप में सात पारियों में 413 रन बनाए और प्रतियोगिता के सबसे सफल बल्लेबाज रहे। वहीं पिछले दौरे में विकेटकीपिंग करने वाले तेविन इमलाच को मुख्य टीम में जगह नहीं मिली है। उन्हें श्रीलंका के खिलाफ 18 से 21 जून तक होने वाले चार दिवसीय अभ्यास मैच के लिए वेस्टइंडीज चयन एकादश का कप्तान बनाया गया है। बाएं हाथ के बल्लेबाज अमीर जंगू भी लंबे समय बाद टेस्ट टीम में लौटे हैं। उन्होंने घरेलू सत्र में सात पारियों में 411 रन बनाकर चयनकर्ताओं का ध्यान खींचा। मुख्य कोच डैरेन सैमी ने कहा कि हर टेस्ट सीरीज टीम के लिए अपनी पहचान मजबूत करने और बेहतर बनने का अवसर होती है। उन्होंने कहा कि श्रीलंका मजबूत टीम है और वेस्टइंडीज को अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करना होगा। सैमी ने बताया कि खिलाड़ी 12 जून से एंटीगा में चल रहे उच्च प्रदर्शन प्रशिक्षण शिविर में हिस्सा ले रहे हैं, जिससे टीम को अपनी तैयारी बेहतर करने का अवसर मिल रहा है। यह सीरीज विश्व टेस्ट चैम्पियनशिप चक्र का हिस्सा है, जिसमें वेस्टइंडीज फिलहाल नौवें स्थान पर है। पहला टेस्ट 25 से 29 जून और दूसरा टेस्ट 3 से 7 जुलाई तक नॉर्थ साउंड में

एक नजर

भाजपा नेता हत्याकांड में एक और गिरफ्तार

देहरादून : जिले के सहसपुर क्षेत्र स्थित बैरागीवाला गांव में खेत में पानी लगाने को लेकर हुए विवाद में भाजपा नेता की हत्या के मामले में पुलिस ने एक और आरोपित को गिरफ्तार किया है। न्यायालय में पेश करने के बाद उसे न्यायिक अभिरक्षा में जिला कारागार सुद्धोवाला भेज दिया गया। पुलिस ने अब घटना में वांछित एक अन्य आरोपित इन्तजार पुत्र जमील, उम्र 32 वर्ष, निवासी ग्राम बैरागीवाला को तिमली गांव से गिरफ्तार किया है। पुलिस अन्य आरोपितों की तलाश में संभावित ठिकानों पर लगातार दबिश दी जा रही है। मामले की जांच जारी है। पुलिस के अनुसार 13 जून को बैरागीवाला गांव में दो पक्षों के बीच खेत में पानी चलाने को लेकर विवाद हो गया था। आरोप है कि एक पक्ष के कई लोगों ने दूसरे पक्ष के अशोक कुमार, विनोद कुमार और राजेश कुमार के साथ मारपीट की, जिसमें तीनों गंभीर रूप से घायल हो गए। घायलों को उपचार के लिए अस्पताल ले जाया गया, जहां विनोद कुमार की उपचार के दौरान मौत हो गई। मामले में मृतक के भाई अशोक कुमार की तहरीर पर कोतवाली सहसपुर में भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की विभिन्न धाराओं के तहत 12 नामजद आरोपियों और 30-40 अन्य व्यक्तियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया गया। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक के निर्देश पर गठित पुलिस टीमों ने पहले ही इस घटना में शामिल रज्जाक पुत्र मासूम (28), सलमान पुत्र यूनुस (24), जावेद पुत्र मासूम (22), शहबाज पुत्र शहीद (27) निवासी ग्राम बैरागीवाला और इम्तियाज पुत्र शमसुद्दीन (58) निवासी लखनवाला, कोतवाली सहसपुर को गिरफ्तार कर जेल भेज चुकी है।

राष्ट्रपति मुर्मु आज करेंगी ओंकारेश्वर-ममलेश्वर ज्योतिर्लिंग के दर्शन

खण्डवा : राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु गुरुवार, 18 जून को मध्य प्रदेश के प्रवास के दौरान ओंकारेश्वर पहुंचेंगी और यहां ओंकारेश्वर और ममलेश्वर ज्योतिर्लिंग मंदिर में दर्शन एवं आरती में शामिल होंगी। राष्ट्रपति यहां रात्रि विश्राम के बाद अगले दिन 19 जून को अंतरराष्ट्रीय सिकलसेल एनीमिया दिवस पर आयोजित कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में शामिल होंगी। खंडवा जिला प्रशासन द्वारा बुधवार को जारी कार्यक्रम के अनुसार राष्ट्रपति 18 जून को दोपहर 12:30 बजे बैतूल से हेलिकॉप्टर से रवाना होकर दोपहर 1:30 बजे ओंकारेश्वर पहुंचेंगी तथा एनएचडीसी गेस्ट हाउस में विश्राम करेंगी। राष्ट्रपति ओंकारेश्वर में शाम 6:20 बजे ज्योतिर्लिंग ओंकारेश्वर और ममलेश्वर मन्दिर में दर्शन एवं आरती कर रात्रि विश्राम एनएचडीसी गेस्ट हाउस में करेंगी। अगले दिन 19 जून को राष्ट्रपति प्रातः 10 बजे अंतरराष्ट्रीय सिकल सेल दिवस के अवसर पर ओंकारेश्वर में आयोजित कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में शामिल होंगी। इस कार्यक्रम के बाद राष्ट्रपति प्रातः 11:30 बजे ओंकारेश्वर हेलिपेड से इन्दौर के लिए प्रस्थान करेंगी। राष्ट्रपति के दौरे के चलते सम्पूर्ण ओंकारेश्वर क्षेत्र एवं कोठी हेलीपेड के आसपास 2 किमी. क्षेत्र में सुरक्षा के कड़े प्रबंध किए गए हैं। इसी को ध्यान में रखते हुए कलेक्टर एवं जिला दण्डाधिकारी ऋषव गुप्ता ने ड्रोन नियम 2021 के तहत 17 से 19 जून तक सम्पूर्ण ओंकारेश्वर क्षेत्र एवं कोठी हेलीपेड के आसपास के 2 किमी. क्षेत्र को "नो ड्रोन क्षेत्र" क्षेत्र घोषित करने के आदेश जारी किए हैं।

आईआईआईडीईएम का 15वां स्थापना दिवस क्षमता निर्माण पर दो दिवसीय सम्मेलन आयोजित

एजेंसी

नयी दिल्ली : इंडिया इंटरनेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ डेमोक्रेसी एंड इलेक्शन मैनेजमेंट बुधवार को अपना 15वां स्थापना दिवस मना रहा है। इस मौके पर संस्थान की ओर से 16-17 जून को नई दिल्ली में क्षमता निर्माण और रणनीतिक रोडमैप पर दो दिवसीय सम्मेलन आयोजित किया गया। समापन सत्र के दौरान मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार ने सेवा के 15 साल पूरे करने पर संस्थान की टीम को बधाई दी। उन्होंने कहा कि लोकसभा चुनावों के दौरान संस्थान ने लगभग 1.8 करोड़ अधिकारियों को प्रशिक्षित करने की जिम्मेदारी निभाई।

उल्लेखनीय है कि 2011 से आईआईआईडीईएम ने राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर 1,20,883 प्रतिभागियों तक पहुंचते हुए 1,885 प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किए हैं। इनमें ऑफलाइन और ऑनलाइन दोनों तरह के कार्यक्रम शामिल हैं। आईआईआईडीईएम की अंतरराष्ट्रीय प्रशिक्षण पहुँच 142 देशों तक है।

आयोग के अनुसार राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय भागीदारों के सहयोग से संस्थान दुनिया भर में लोकतांत्रिक शासन और चुनाव प्रबंधन को मजबूत करने में योगदान देता है।

दो दिवसीय सम्मेलन में 450 से अधिक प्रतिभागियों ने भाग लिया। इनमें 250 राष्ट्रीय और राज्य स्तरीय मास्टर ट्रेनर, शैक्षणिक भागीदार, आईआईआईडीईएम के 80 प्रतिभागी और आयोग के 30 अधिकारी शामिल थे। साथ ही सीईओ दिल्ली के 100 बीएलओ सुपरवाइजर भी कार्यक्रम में शामिल हुए।

भारत 'इंटरनेशनल आईडीईए' की अध्यक्षता कर रहा है। चुनाव आयुक्त डॉ. विवेक जोशी ने कहा कि आईआईआईडीईएम भारत की अध्यक्षता के बाद भी वैश्विक स्तर के चुनाव प्रबंधन के लिए एक प्रशिक्षण संस्थान के रूप में काम करना जारी रख सकता है। आईआईआईडीईएम के महानिदेशक राकेश वर्मा ने अपने उद्घाटन भाषण में कहा कि आईआईआईडीईएम चुनाव प्रबंधन में प्रशिक्षण के लिए एक अनूठा संस्थान है। यह भारतीय चुनाव कराने का व्यापक अनुभव रखने वाले लोगों को शिक्षाविदों और शोधकताओं के साथ एक मंच पर लाता है। यह आपसी ज्ञान निर्माण और साझाकरण सुनिश्चित करता है। सम्मेलन चार रणनीतिक स्तंभों पर केंद्रित था : राष्ट्रीय कार्यक्रमों को मजबूत करना, वैश्विक कार्यक्रमों और जुड़ाव का विस्तार करना, अनुसंधान और ज्ञान विकास को प्रोत्साहित करना, और टिकाऊ लोकतंत्र और चुनाव प्रबंधन को बढ़ावा देना।

भारत और थाईलैंड रक्षा क्षमता विकास में सहयोग को और मजबूत बनाने पर सहमत

एजेंसी

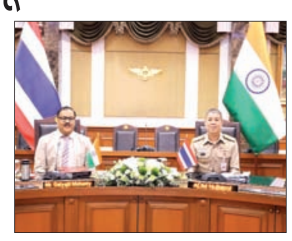

नयी दिल्ली : थाईलैंड के बैंकॉक में हुए 10वें रक्षा सम्मेलन में भारत के साथ द्विपक्षीय रक्षा सहयोग के सभी पहलुओं की समीक्षा की गई। दोनों देशों ने पारस्परिक हित के क्षेत्रीय और वैश्विक सुरक्षा मुद्दों पर विचारों का आदान-प्रदान किया। थाईलैंड के रक्षा उप स्थायी सचिव एडमिरल नट्टापोल डिएववानिच और भारत सरकार के रक्षा मंत्रालय के संयुक्त सचिव सत्यजीत मोहंती की सह-अध्यक्षता में हुए सम्मेलन में दोनों पक्षों ने हिंद-प्रशांत क्षेत्र में विकसित हो रहे सुरक्षा परिवेश पर चर्चा के साथ-साथ क्षेत्रीय घटनाक्रमों पर अपने विचार साझा किए। उन्होंने क्षेत्र में शांति, स्थिरता और समृद्धि को बढ़ावा देने के लिए सहयोग को मजबूत करने के महत्व को दोहराया।

प्रतिनिधिमंडलों ने पिछली वार्ता के बाद से द्विपक्षीय रक्षा सहयोग में हुई प्रगति की समीक्षा की। चर्चा में वर्तमान में जारी सैन्य समन्वय, क्षमता निर्माण पहल, प्रशिक्षण आदान-प्रदान, समुद्री सहयोग और पारस्परिक हित के अन्य क्षेत्रों को शामिल किया गया। इस संवाद में दोनों देशों के बीच जारी रक्षा उद्योग सहयोग की भी समीक्षा की गई। दोनों पक्षों ने अपने-अपने रक्षा तंत्रों के बीच पारस्परिक रूप से लाभकारी साझेदारी को बढ़ावा देने के उद्देश्य से रक्षा विनिर्माण, अनुसंधान, नवाचार और क्षमता विकास में सहयोग को और गहरा करने के अवसरों पर चर्चा की।

'एक देश, एक चुनाव', 'स्वदेशी' और नागरिक कर्तव्य विकसित भारत के आधारस्तंभ : शिवराज

एजेंसी

पटना : प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र सरकार के 12 वर्ष पूर्ण होने के अवसर पर भाजपा महानगर द्वारा राजधानी पटना में आयोजित "प्रबुद्ध सम्मेलन" को संबोधित करते हुए केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा कि पिछले 12 वर्षों में भारत ने विकास, सुशासन, सुरक्षा और आत्मनिर्भरता के क्षेत्र में ऐतिहासिक उपलब्धियां हासिल की हैं। उन्होंने कहा कि आज भारत विश्व मंच पर एक मजबूत, आत्मविश्वासी और प्रभावशाली राष्ट्र के रूप में स्थापित हुआ है। सम्मेलन में उपस्थित बुद्धिजीवियों, शिक्षाविदों, सामाजिक कार्यकताओं और पार्टी पदाधिकारियों का स्वागत करते हुए शिवराज सिंह चौहान ने कहा कि भीषण गर्मी के बावजूद बड़ी संख्या में लोगों की उपस्थिति राष्ट्र और समाज के प्रति उनकी प्रतिबद्धता को दशार्ती है। उन्होंने कहा कि लोग उन्हें मंत्री या बड़ा नेता कहते हैं, लेकिन वे स्वयं को हमेशा "कार्यकताओं का कार्यकर्ता" मानते हैं और यही उनकी सबसे बड़ी पहचान है।

अपने संबोधन में उन्होंने स्वामी विवेकानंद के विचारों का उल्लेख करते हुए कहा कि भारत के पुनर्जागरण और विश्वगुरु बनने का जो सपना उन्होंने देखा था, वह प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में साकार होता दिखाई दे रहा है। उन्होंने कहा कि आज भारत वैभवशाली, गौरवशाली, शक्तिशाली और आत्मनिर्भर राष्ट्र के रूप में नई ऊंचाइयों की ओर अग्रसर है। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि एक समय ऐसा था जब दुनिया भारत को भ्रष्टाचार और घोटालों के नजरिए से देखती थी, लेकिन प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व ने देश की छवि को पूरी तरह बदल दिया। आज भारत निवेश, नवाचार, आर्थिक विकास और वैश्विक नेतृत्व के लिए पहचाना जाता है। उन्होंने कहा कि वे पिछले 35 वर्षों से नरेन्द्र मोदी के साथ कार्य कर रहे हैं और उन्होंने हमेशा उन्हें राष्ट्रहित को सर्वोपरि रखने वाला नेता पाया है।

भारत का इतिहास गुलामी का नहीं, बल्कि आक्रांताओं के विरुद्ध सतत संघर्ष का रहा है : डॉ. मोहन भागवत

एजेंसी

उदयपुर : राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सरसंघचालक डॉ. मोहन भागवत ने कहा कि भारत का इतिहास गुलामी का नहीं, बल्कि आक्रांताओं के विरुद्ध सतत संघर्ष का रहा है। हल्दीघाटी का युद्ध केवल महाराणा प्रताप या उनकी सेना का युद्ध नहीं था, बल्कि पूरे समाज के सामूहिक प्रतिरोध का प्रतीक था। उन्होंने कहा कि उपलब्ध ऐतिहासिक तथ्यों और स्वयं मुगल इतिहासकारों के विवरणों से स्पष्ट होता है कि हल्दीघाटी में विजय महाराणा प्रताप की ही हुई थी। भागवत बुधवार को उदयपुर के गांधी मैदान में महाराणा प्रताप की 486वीं जयंती तथा हल्दीघाटी विजय के 450 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में आयोजित 'राष्ट्र चेतना संकल्प सभा' को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि आज देशभर में महाराणा प्रताप की जयंती श्रद्धा और गौरव के साथ मनाई जाती है। यह इस बात का प्रमाण है कि राष्ट्र अपने उन महापुरुषों को स्मरण करता है जिन्होंने स्वाभिमान, स्वतंत्रता और संस्कृति की रक्षा के लिए संघर्ष किया। उन्होंने कहा कि हल्दीघाटी के युद्ध में सेना, संसाधन और शस्त्रों के स्तर पर मुगल साम्राज्य का पलड़ा भारी था। महाराणा प्रताप के पास सीमित साधन थे, धन कम था और सैन्य शक्ति भी अपेक्षाकृत कम थी, फिर भी उन्होंने संघर्ष का मार्ग नहीं छोड़ा। उन्होंने कहा कि भारत का समाज कभी भी पराधीनता को सहज रूप से स्वीकार करने वाला नहीं रहा। जब भी किसी आक्रांता ने इस भूमि पर अधिकार करने का प्रयास किया, उसी क्षण से उसके प्रतिरोध की प्रक्रिया प्रारंभ हो गई। सरसंघचालक ने कहा कि इतिहास के अनेक प्रसंगों को समय-समय पर एक विशेष नैरेटिव के तहत प्रस्तुत किया गया। हल्दीघाटी के युद्ध के संदर्भ में भी ऐसी ही स्थिति देखने को मिलती है। उन्होंने कहा कि मुगल इतिहासकारों के विवरणों में स्वयं उल्लेख मिलता है कि युद्ध के दौरान मुगल सेना को पीछे हटना पड़ा था। यदि युद्ध के विभिन्न चरणों में मुगल सेना को लगातार कठिन परिस्थितियों का सामना करना पड़ा और युद्ध के बाद भी वह भय और असुरक्षा की स्थिति में रही, तो यह विचार करना आवश्यक है कि वास्तविक विजय किसकी थी। भागवत ने युद्ध के विभिन्न प्रसंगों का उल्लेख करते हुए कहा कि पहले आक्रमण में मुगल सेना को पीछे हटना पड़ा। दूसरे चरण में प्रताप की सेना के पराक्रम का ऐसा प्रभाव दिखाई दिया कि शत्रु पक्ष के प्रमुख योद्धाओं को भारी क्षति उठानी पड़ी।

नेपाल प्रतिनिधि सभा में विपक्षी दलों का विरोध प्रदर्शन, सदन में नारेबाजी

काठमांडू : नेपाली संसद के प्रतिनिधि सभा में बुधवार को भी विपक्षी दलों ने अपना विरोध प्रदर्शन जारी रखा। आगामी आर्थिक वर्ष के विनियोजन विधेयक (बजट) पर चर्चा दोबारा शुरू होने के दौरान विरोधी पक्ष के सांसदों ने सदन के भीतर नारेबाजी की। विपक्षी श्रम संस्कृति पार्टी के सदस्य हाल की कई संसदीय बैठकों में लगातार प्रदर्शन करते रहे हैं। उनका मुख्य आग्रह सरकार की जवाबदेही और उत्तरदायित्व सुनिश्चित करना है। हालांकि, विरोध प्रदर्शन के बावजूद सदन की कार्यवाही निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार आगे बढ़ी। बजट पर चर्चा के दौरान सांसदों के प्रश्नों का जवाब देने के लिए विभिन्न मंत्रालयों के मंत्रियों को सदन में उपस्थित होना था।

जेपीसी ने दिल्ली सचिवालय में कई विधेयकों के प्रमुख प्रावधानों पर दी विस्तृत प्रस्तुति

एजेंसी

नयी दिल्ली : स्थानीय अध्ययन यात्रा के दौरान अपराजिता सारंगी की अध्यक्षता वाली संयुक्त संसदीय समिति (जेपीसी) ने दिल्ली सचिवालय में बुधवार को संविधान (130वां संशोधन) विधेयक, 2025, जम्मू-कश्मीर पुनर्गठन (संशोधन) विधेयक, 2025 तथा संघ राज्य क्षेत्र सरकार (संशोधन) विधेयक, 2025 के प्रमुख प्रावधानों पर विस्तृत प्रस्तुति दी।

दिल्ली सचिवालय में संयुक्त संसदीय समिति (जेपीसी) ने मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता से मुलाकात की। यह समिति संविधान (130वां संशोधन) विधेयक, 2025, जम्मू-कश्मीर पुनर्गठन (संशोधन) विधेयक, 2025 और संघ राज्य क्षेत्र सरकार (संशोधन) विधेयक, 2025 की 'लोकल स्टडी विजिट' के लिए दिल्ली आई हुई है। मुख्यमंत्री ने समिति की अध्यक्ष एवं सांसद अपराजिता सारंगी और अन्य सदस्यों का स्वागत किया।

बैठक में समिति ने मुख्यमंत्री को तीनों विधेयकों की मुख्य बातें, उनके उद्देश्य और प्रस्तावित बदलावों की जानकारी दी और उनसे जुड़े दस्तावेज भी सौंपे। समिति ने बताया कि इन विधेयकों का मकसद सार्वजनिक जीवन में जवाबदेही और पारदर्शिता बढ़ाना, संवैधानिक मूल्यों को मजबूत करना और लोगों का भरोसा और अधिक बढ़ाना है। इस अवसर पर संयुक्त संसदीय समिति की अध्यक्ष एवं सांसद अपराजिता सारंगी के नेतृत्व में सांसद डॉ. के लक्ष्मण, उज्ज्वल देवराव निकम, डीके अरुणा, परशोत्तम रुपाला, असदुद्दीन ओवैसी, डॉ. इंद्र हांग सुब्बा, अनुराग ठाकुर, बृज लाल, बृजमोहन अग्रवाल, मनन कुमार मिश्रा सहित लोकसभा सचिवालय के वरिष्ठ अधिकारी भी उपस्थित रहे। मुख्यमंत्री ने संयुक्त संसदीय समिति का दिल्ली सचिवालय में स्वागत करते हुए कहा कि भारत का लोकतंत्र केवल संवैधानिक प्रावधानों से ही नहीं बल्कि सार्वजनिक जीवन में नैतिकता, जवाबदेही और जनविश्वास से भी संचालित होता है। लोकतांत्रिक संस्थाओं की प्रतिष्ठा बनाए रखना और शासन व्यवस्था में जनता का विश्वास सुदृढ़ करना हम सभी की सामूहिक जिम्मेदारी है।

संक्षिप्त खबरें

अमरनाथ यात्रा की सुरक्षा समीक्षा करने केंद्रीय गृह मंत्रालय का प्रतिनिधिमंडल 20-21 जून को जम्मू-कश्मीर का करेगा दौरा

जम्मू : अमरनाथ यात्रा की तैयारियां अपने अंतिम चरण में पहुंच गई हैं। ऐसे में केंद्रीय गृह सचिव गोविंद मोहन के नेतृत्व में एक उच्च स्तरीय प्रतिनिधिमंडल 20 और 21 जून को जम्मू-कश्मीर का दौरा करेगा, ताकि सुरक्षा और दूसरे इंतजामों की समीक्षा की जा सके। आधिकारिक सूत्रों ने बताया कि प्रतिनिधिमंडल में सीआरपीएफ, बीएसएफ और एसएसबी समेत बड़े सेंट्रल आर्म्ड पुलिस फोर्स के डायरेक्टर जनरल और सीनियर ऑफिसर के अलावा इंटेलिजेंस ब्यूरो और होम मिनिस्ट्री के सीनियर ऑफिसर भी शामिल होंगे। यह टीम 57 दिन की अमरनाथ यात्रा के लिए किए गए जमीनी इंतजामों की समीक्षा करेगी, जो 3 जुलाई से शुरू होगी और 28 अगस्त को श्रावण पूर्णिमा और रक्षा बंधन के मौके पर संपन्न होगी। अमरनाथ यात्रा के लिए अब तक लगभग 90 प्रतिशत सुरक्षा बलों की तैनाती की जा चुकी है, जबकि बाकी टुकड़ियां 20 जून से पहले अपनी-अपनी जगहों पर पहुंच जाएंगी। केंद्रीय गृह मंत्रालय ने यात्रा के लिए पैरामिलिट्री फोर्स की 670 कंपनियों की तैनाती को मंजूरी दे दी है, जिसमें से ज्यादातर जवान कश्मीर घाटी में तैनात किए गए हैं, ताकि मल्टी-लेयर सिक्योरिटी फ्रेमवर्क को मजबूत किया जा सके। अभी श्रीनगर शहर के साथ-साथ अनंतनाग और गांदरबल दोनों रूट पर सिक्योरिटी ड्रिल की जा रही हैं। श्रीनगर शहर में होटलों और दुकानों की तलाशी ली जा रही है। हर आने-जाने वाले की भी तलाशी ली जा रही है। अधिकारी कई समीक्षा बैठके कर रहे हैं। यात्रियों के आने और यात्रा के लिए रजिस्ट्रेशन में लगातार बढ़ोतरी के साथ अधिकारियों को इस साल भक्तों की भारी भीड़ की उम्मीद है।

सूत्रों ने कहा कि जम्मू-कश्मीर में किसी भी संभावित खतरे को बेअसर करने और अमरनाथ यात्रा को शांतिपूर्ण, सुरक्षित और बिना किसी घटना के पूरा करने के लिए जम्मू-कश्मीर के पूरे सिक्योरिटी सिस्टम को और मजबूत किया जा रहा है।

चेन्नई एयरपोर्ट पर करीब 5 करोड़ रुपये की क्रिस्टल मेथ बरामद, तस्कर पार्सल छोड़कर फरार

चेन्नई : चेन्नई अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर कस्टम विभाग लगभग पांच करोड़ मूल्य की मेथामफेटामाइन (क्रिस्टल मेथ) की खेप जब्त की है। यह मादक पदार्थ एक लावारिस पार्सल से बरामद किया गया, जिसे विदेश भेजे जाने की योजना थी। घटना के बाद पार्सल छोड़कर फरार हुए लोगों की तलाश तेज कर दी गई है। विभागीय अधिकारियों के अनुसार, हवाई अड्डे पर नियमित जांच के दौरान कस्टम अधिकारियों को एक संदिग्ध लावारिस पार्सल मिला। संदेह होने पर जब उसकी गहन जांच की गई, तो उसमें बड़ी मात्रा में क्रिस्टल मेथ छिपी हुई पाई गई। इसके बाद नारकोटिक्स कंट्रोल और कस्टम विभाग की संयुक्त टीम ने तुरंत कार्रवाई करते हुए मादक पदार्थ को अपने कब्जे में ले लिया और विस्तृत जांच शुरू कर दी। प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि यह खेप कार्गो विमान के माध्यम से मलेशिया भेजी जानी थी। मामले के खुलासे के बाद हवाई अड्डे पर यात्रियों और कार्गो सामान की जांच को और सख्त कर दिया गया है। अधिकारियों को आशंका है कि जांच की बढ़ती सख्ती के कारण तस्कर पार्सल छोड़कर मौके से फरार हो गए। घटना के बाद हवाई अड्डे परिसर में लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली जा रही है, साथ ही संदिग्ध व्यक्तियों के यात्रा विवरण और अन्य दस्तावेजों की भी बारीकी से जांच की जा रही है। कस्टम विभाग ने मामले को गंभीरता से लेते हुए तस्करी नेटवर्क की पहचान करने के लिए व्यापक जांच अभियान शुरू किया है। अधिकारियों का कहना है कि जल्द ही इस गिरोह से जुड़े लोगों का पता लगाने की कोशिश की जा रही है। गौरतलब है कि तमिलनाडु में हाल के वर्षों में नशीले पदार्थों की तस्करी और अवैध आवाजाही के मामलों में वृद्धि देखी गई है। इसे देखते हुए सुरक्षा एजेंसियां लगातार निगरानी और जांच को मजबूत कर रही हैं। हालिया बरामदगी को अधिकारियों ने एक बड़ी सफलता बताया है, जो अंतरराष्ट्रीय ड्रग तस्करी नेटवर्क पर लगाम कसने की दिशा में अहम मानी जा रही है।

देश का रक्षा उत्पादन वित्त वर्ष 2025-26 में रिकॉर्ड 1.78 लाख करोड़ रुपये पर पहुंचा

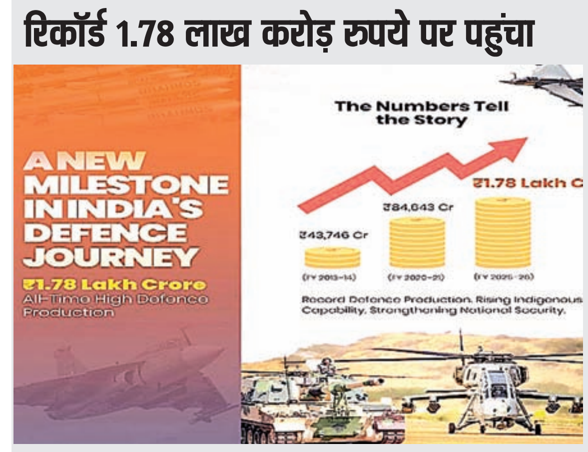

नयी दिल्ली : देश के रक्षा उत्पादन में उल्लेखनीय वृद्धि दर्ज हुई है। भारत का वार्षिक रक्षा उत्पादन वित्त वर्ष 2025-26 में 1.78 लाख करोड़ रुपये के रिकॉड सर्वकालिक उच्चतम स्तर पर पहुंच गया है। रक्षा मंत्रालय के मुताबिक यह ऐतिहासिक उपलब्धि पिछले वित्त वर्ष 2024-25 के 1.54 लाख करोड़ रुपये के उत्पादन के मुकाबले में 15.6 फीसदी की वृद्धि को दशार्ती है। मंत्रालय के मुताबिक इसके अलावा वित्त वर्ष 2020-21 की तुलना में इसमें 110 फीसदी की भारी बढ़ोतरी दर्ज की गई है, जब रक्षा उत्पादन का आंकड़ा 84,643 करोड़ रुपये था।

मंत्रालय ने कहा कि रक्षा क्षेत्र के सार्वजनिक उपक्रमों और अन्य सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों का कुल उत्पादन में करीब 76 फीसदी हिस्सा रहा, जबकि निजी क्षेत्र का योगदान 24 फीसदी रहा है, जो वित्त वर्ष 2024-25 के 22 फीसदी से अधिक है। वित्त वर्ष 2025-26 में निजी क्षेत्र का हिस्सा लगभग 42,000 करोड़ रुपये के सर्वकालिक उच्च स्तर पर पहुंच गया है। यह रक्षा इकोसिस्टम में इसकी बढ़ती भूमिका को दशार्ता है। पिछले कुछ वर्षों में रक्षा के उत्पादन में हुई वृद्धि ने वित्त वर्ष 2025-26 में 38,424 करोड़ रुपये के रिकॉर्ड रक्षा निर्यात को हासिल करने में महत्वपूर्ण योगदान दिया है। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने इस उपलब्धि के लिए रक्षा उत्पादन विभाग और सार्वजनिक एवं निजी क्षेत्रों के सामूहिक प्रयासों की सराहना की। उन्होंने कहा कि यह प्रगति देश के बढ़ते रक्षा औद्योगिक आधार का स्पष्ट संकेत है। उन्होंने आगे कहा कि निरंतर नीतिगत समर्थन, कई नई पहलों, निजी क्षेत्र की बढ़ती भागीदारी और निर्यात क्षमताओं में वृद्धि के साथ, रक्षा उत्पादन क्षेत्र आने वाले वर्षों में और भी तेजी से विकास करने के लिए तैयार है।

नवबिहार मीडिया प्रा. लि. के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक डॉ. रामाज्ञा तिवारी द्वारा विश्वेश्वरा पब्लिकेशनंस एलएलपी की ओर से एस एच प्रिंटर्स प्राइवेट लिमिटेड, नियर टेंडर बागीचा पेट्रोल पंप, रातू, रांची (झारखंड)- 835222 से मुद्रित एवं उद्योग भवन मार्ग, 19 A कोकर औद्योगिक क्षेत्र रांची- 834001 (झारखंड) से प्रकाशित।
संपादक- डॉ. रामाज्ञा तिवारी, प्रबंध संपादक- पंकज कु. सिंह*, प्रधान संपादक- देवेंद्र सिंह (*पीआरबी एक्ट के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेदार), **प्रबंधक- नरेंद्र कुमार सिंह.** 9334331934, 9570107019, **RNI Regn.: JHAHIN/2011/40902**